

न्यूज गेलरी

सीबीआइ को मिली मिशेल से पूछताछ की मंजूरी

नई दिल्ली : अगस्ता वेस्टलैंड मामले में आरोपित क्रिश्चियन मिशेल से जेल में पूछताछ करने के लिए सीबीआइ को विशेष अदालत से मंजूरी मिल गई है। अदालत ने पूछताछ के लिए दो दिन और मिशेल के हस्ताक्षरों का नमूना लेने के लिए एक दिन की मंजूरी दी है। सीबीआइ 24 से 26 सितंबर तक अपना काम कर सकेगी। हालांकि मिशेल के अधिवक्ता ने अदालत में दलील दी कि मिशेल को डिस्टेलबिसया है और उसे अक्षरों को समझने और पढ़ने में दिक्कत है। सीबीआइ ने अर्जी दायर कर कहा था कि मिशेल से कुछ दस्तावेजों के बारे में पूछताछ करनी है और साथ ही उसके हस्ताक्षर के नमूने लेने हैं। (जासं)

शिवकुमार ने ईडी को दिए बयान की प्रति मांगी

नई दिल्ली : मनी लाँड्रिंग मामले में आरोपित कर्नाटक कांग्रेस के कददावर नेता डीके शिवकुमार हाई कोर्ट में अर्जी दायर कर अपने बयान की प्रति मांगी है, जो उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में दर्ज कराया था। शुक्रवार को शिवकुमार के अधिवक्ता ने कहा कि इस केस की पैरवी कर रहे बरिष्ठ अधिवक्ता अभी उपलब्ध नहीं हैं, लिहाजा अर्जी पर सुनवाई टाल दी जाए। इस दलील पर अदालत ने सुनवाई 26 सितंबर के लिए तय की है। (जासं)

आइएमए घोटाले में आइएसएस अधिकारी से पूछताछ

नई दिल्ली : हजारों करोड़ रुपये के आइ–मोनेटरी एडवाइजर (आइएमए) पोजी घोटाले में सीबीआइ ने आइएसएस अधिकारी राज कुमार खत्री से पूछताछ की है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आइएमए पर ‘इस्लामिक तरीके’ से लोगों को निवेश पर भारी मुनाफा देने का वादा कर हजारों निवेशकों को ठगने का आरोप है। एजेसी ने इसी मामले में गुरुवार को कर्नाटक के पूर्व मंत्री जमीर अहमद खान से पूछताछ की थी। समाचार संवाद एजेंसी एएनआइ के मुताबिक खत्री से बुधवार को पूछताछ की गई थी। खत्री कर्नाटक कैडर के 1988 बैच के आइएसएस अधिकारी हैं। इस मामले का मुख्य आरोपित और आइएमए का संस्थापक मिर्साखान जुलाई में दुबई भाग गया था। उसके दुबई भागने के बाद यह मामला सामने आया था। बाद में वापस आने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। सीबीआइ ने इस मामले की जांच हाथ में लेने के आठ दिन के भीतर ही सात सितंबर को इस मामले के मुख्य आरोपित मंसूर खान और 19 अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किए थे। (प्रेट्र)

सांसद के घर से 32 लाख रुपये, 10 हजार डॉलर जबर

नई दिल्ली : ईडी ने शुक्रवार को तुणमूल कांग्रेस के सांसद कुंवर दीप सिंह के आवास से 32 लाख रुपये व 10 हजार अमेरिकी डॉलर जब्त किया है। एजेंसी ने मनी लाँड्रिंग मामले में गुरुवार को सिंह के घर तथा उनसे संबंधित दिल्ली व चंडीगढ़ स्थित कई संपत्तियों पर छापेमारी की। ईडी ने कहा कि छापे के दौरान आय–व्यय व संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए। (एएनआइ)

दस्तखत करने वाले अफसर निर्दोष तो चिदंबरम कैसे दोषी : कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने आइएनएक्स मीडिया केस में पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम को साजिश का शिकार बनाने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया है कि जब फाइल पर हस्ताक्षर करने वाले छह सचिवों समेत 11 अधिकारियों ने कुछ गलत नहीं किया तो फिर अंतिम हस्ताक्षर करने वाले चिदंबरम अकेले कैसे दोषी हो सकते हैं? आइएनएक्स केस में पूर्व वित्त मंत्री को किंगपिन बनाने के आरोपों पर पार्टी ने कहा कि हकीकत यह है कि कांग्रेस और चिदंबरम को बदनाम करने वाले किंगपिन सरकार में हैं।

चिदंबरम के सचाय में उतरे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने पार्टी की आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा। जयराम ने कहा कि तथ्यों से स्पष्ट है कि चिदंबरम के खिलाफ बनाया गया मामला राजनीतिक प्रतिशोध का सर्वोत्तम उदाहरण है। कांग्रेस नेता ने एफआइपीबी और वित्त मंत्रालय से एफडीआइ निवेश को मंजूरी देने की स्थापित प्रक्रिया का हवाला दिया। एफडीआइ मंजूरी के लिए 20 साल से अधिक समय से एक

1985 सामाजिक राजनीतिक उद्देश्य से दाखिल हुआ था रामलला का मुकदमा : जमीयत

माला दीक्षित, नई दिल्ली

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मस्जिद होने का दावा कर रहे मुस्लिम पक्ष ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सामाजिक और राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए रामलला की ओर से मुकदमा दाखिल किया गया था। मुकदमे में भविष्य को देखते हुए पुरानी चीजों को नए ढंग से पेश करने की कोशिश की गई है। मुकदमा 1989 में दाखिल हुआ, लेकिन इसका शुरुआत 1985 में राम जन्मभूमि न्यास के गठन से शुरू हुई थी। ये दलीलें रामलला के मुकदमे में जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति माने जाने का विरोध करते हुए मुस्लिम पक्ष जमीयत उलेमा हिंद के वकील राजीव धवन ने दीं। मामले में सोमवार को फिर सुनवाई होगी।

राजीव धवन ने रामलला की ओर से दाखिल मुकदमे का विरोध करते हुए कहा, सारी जमीन पर दावा करने के लिए रामलला के अलावा जन्मस्थान को पक्षकार बनाया गया और देवकी नंदन अग्रवाल ने निकट मित्र बनकर मुकदमा दाखिल किया। उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 1985 में राम जन्मभूमि न्यास का गठन किया गया जिसके सदस्यों में देशभर से महात्मा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश एसएन काटजू, देवकी नंदन अग्रवाल, राजमाता विजयराजे सिंधिया सहित आरएसएस और विहिप के सदस्य शामिल थे। धवन ने कहा, देवकी नंदन मुकदमे में निकट

मोदी व मंगोलियाई राष्ट्रपति ने किया बुद्ध प्रतिमा का अनावरण



नई दिल्ली में शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने गांदान मठ में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मंगोलिया के सर्वोच्च बौद्ध धर्मगुरु हेबा लामा चोइजमजस ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मंगोलियाई राष्ट्रपति खल्टमागीन बतुल्गा ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मंगोलिया स्थित गांदान मठ में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया। मंगोलियाई राष्ट्रपति पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं।

प्रधानमंत्री के लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में बुद्ध की सुनहरे रंग की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इससे पहले गांदान मठ के युवा भिक्षुओं ने भगवान बुद्ध की प्रार्थना की। गाँवदान मठ मंगोलिया की राजधानी उलान बटोर में स्थित है और यह देश का सबसे बड़ा तथा महत्वपूर्ण मठ है। प्रधानमंत्री के आवास में मौजूद एक बौद्ध भिक्षु ने भी प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को इस कार्यक्रम को भारत-मंगोलिया का आध्यात्मिक और बौद्ध विरासत की साझेदारी का प्रतीक बताया था। मई 2015 में मंगोलिया के दौरे पर पीएम मोदी ने मठ को एक ‘बोध भूय’ भेंट किया था। उन्होंने इसे भारतीय लोगों की दोस्ती की निशानी बताया था। उन्होंने मठ को एक बुद्ध प्रतिमा भेंट करने का भी वादा किया था।



मित्र नहीं हो सकते। सामाजिक व सियासी उद्देश्य के लिए रामलला की ओर से केस दाखिल किया गया। जिसमें भविष्य के मद्देनजर पुरानी चीजों को नए तरीके से पेश किया जा रहा है। उद्देश्य वहां नया मंदिर बनाना था।

उन्होंने कहा, 1985 में कारसेवा मूवमेंट को गति देने के लिए न्यास का गठन हुआ। यह पूरी तरह से सियासी मूवमेंट था। धवन ने कहा, अयोध्या पर सरकार की ओर से जारी श्वेत पत्र में भी इसे सामाजिक राजनीतिक मूवमेंट बताया है। जिसका परिणाम तोड़फोड़ थी। उन्होंने हाई कोर्ट में पेश किए गए श्वेत पत्र के उस अंश का हवाला दिया जिसमें 1990 में विहिप द्वारा कारसेवा की घोषणा और 30 अक्टूबर, 1990 को कुछ कारसेवकों द्वारा गुंबद को मामूली क्षति पहुंचाए जाने की बात कही गई है। साथ ही कहा गया है कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने भीड़ को काबू करने के लिए के लिए 30 अक्टूबर और दो नवंबर, 1990 को गोली चलाई थी जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी। धवन ने कहा कि जन्मस्थान को इसलिए पक्षकार बनाया गया है ताकि मुकदमे में प्रतिकूल कब्जे और समयसीमा का नियम लागू न हो।

कांग्रेस ने जमानत अर्जी का किया विरोध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने बड़ी कंपनियों को रहत देने के लिए कॉर्पोरेट टैक्स दर में कटौती के सरकार के फैसले को शेयर बाजार की गिरावट रोकने का प्रयास करार दिया है। पार्टी के अनुसार यह घबराहट में लिया गया फैसला है। इससे न आर्थिक मंदी थमेगी और न ही रोजगार की हालत सुधरेगी। मंदी से उबरने के लिए कंपनियों को छूट देने और नौकरीपेशा-मध्यम वर्ग को कोई रहत नहीं देने को लेकर भी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार के एलान को प्रधानमंत्री के अमेरिका में ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम से जोड़ तंज करते हुए कहा कि ह्यूस्टन का इवेंट दुनिया का सबसे महंगा कार्यक्रम होगा।

कॉर्पोरेट टैक्स की दरों में कटौती के वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के एलान पर राहुल ने ट्वीट के जरिये कटाक्ष करते हुए कहा कि यह अद्भुत है कि पीएम शेयर बाजार की उछाल के लिए ऐसा करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के फैसले वाले इस कदम से ह्यूस्टन में होने भारतीय लोगों की दोस्ती की निशानी बताया था। उन्होंने मठ को एक बुद्ध प्रतिमा भेंट करने का भी वादा किया था।

स्थित है और यह देश का सबसे बड़ा तथा महत्वपूर्ण मठ है।

प्रधानमंत्री के आवास में मौजूद एक बौद्ध भिक्षु ने भी प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को इस कार्यक्रम को भारत-मंगोलिया का आध्यात्मिक और बौद्ध विरासत की साझेदारी का प्रतीक बताया था। मई 2015 में मंगोलिया के दौरे पर पीएम मोदी ने मठ को एक ‘बोध भूय’ भेंट किया था। उन्होंने इसे भारतीय लोगों की दोस्ती की निशानी बताया था। उन्होंने मठ को एक बुद्ध प्रतिमा भेंट करने का भी वादा किया था।

चिदंबरम की अर्जी में कहा गया है कि उनके खिलाफ न तो आर्थिक अपराध का आरोप है, न कोष को नुकसान हुआ है और न ही यह कोई बैंक घोटाला है। अर्जी में कहा

गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि इस सवाल के जरिये वे चिदंबरम के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध को भावना से हुई कार्रवाई की तस्वीर स्पष्ट करना चाहते हैं। तथ्य से साफ है कि चिदंबरम का चरित्रहनन करने के लिए उनके खिलाफ किंगपिन जैसे शब्दों

बदले नियम

सात वर्ष तक की सजा के अपराध में जमानत याचिकाओं पर एकल पीठ करेगी सुनवाई, चार जज बढ़ने से फल से सर्वोच्च अदालत में जजों की संख्या होगी 34, दो नई अदालतें बनने के साथ ही अब 17 कोर्ट रूम में होगी सुनवाई

में किया गया था राम जन्मभूमि न्यास का गठन। न्यास के सदस्यों में देशभर से महात्मा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश एसएन काटजू, राजमाता विजयराजे सिंधिया व आरएसएस और विहिप के सदस्य शामिल थे।

शिलालेख से साबित होता है कि विवादित ढांचा मस्जिद थी धवन ने शिलालेखों का हवाला देते हुए कहा कि वह मस्जिद थी। तीन शिलालेखों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इनसे साबित होता है कि बाबर के आदेश पर मीर बाकी ने 1528 में वहां मस्जिद बनवाई थी। उन्होंने कहा कि हिंदू पक्ष ने शिलालेखों पर सवाल उठाए हैं जो कि ठीक नहीं है।

हाई कोर्ट ने अनुवाद में अंतर के आधार पर नकार दिए थे शिलालेख

मुस्लिम पक्ष जमीयत उलेमा हिंद के वकील धवन ने हाई कोर्ट द्वारा शिलालेख खारिज करने को गलत बताते हुए कहा कि अनुवाद में मामूली अंतर के आधार पर शिलालेखों को खारिज नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट ने यात्रियों के वर्णन में उसके बारे में कही गई बात को सुनी सुनाई बाद कहा है अगर यह आधार होगा तो किसी भी यात्री के वर्णन और गैजेटियर की बात को साक्ष्य में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कॉरपोरेट टैक्स में कटौती करने से नहीं थमेगी आर्थिक मंदी : कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राहुल का तंज, शेयर बाजार उछल के लिए सबसे खराबी हाउडी मोदी इवेंट

मध्यम वर्ग पर 30 फीसद टैक्स व कॉर्पोरेट पर 22 फीसद नहीं चलेगा : सुरजवाला

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजवाला ने कहा कि कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती से 1,45,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान होगा। इसीलिए सरकार बताए कि इसकी भरपाई के लिए क्या आम नागरिकों पर बोझ डालेंगे। इसके लिए क्या पेट्रोल, डीजल, बिजली या अन्य घरेलू वस्तुओं पर टैक्स बढ़ाएगी या मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनियों इवेंट अर्थव्यस्था के मोर्चे पर गड़बड़ियों को

राहुल का तंज, शेयर बाजार उछल के लिए सबसे खराबी हाउडी मोदी इवेंट

मध्यम वर्ग पर 30 फीसद टैक्स व कॉर्पोरेट पर 22 फीसद नहीं चलेगा : सुरजवाला



राहुल गांधी रणदीप सुरजवाला

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजवाला ने कहा कि कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती से 1,45,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान होगा। इसीलिए सरकार बताए कि इसकी भरपाई के लिए क्या आम नागरिकों पर बोझ डालेंगे। इसके लिए क्या पेट्रोल, डीजल, बिजली या अन्य घरेलू वस्तुओं पर टैक्स बढ़ाएगी या मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनियों इवेंट अर्थव्यस्था के मोर्चे पर गड़बड़ियों को

सीतारमण ने क्रमवार दी कटौती की जानकारी

होटलों के लिए जीएसटी की नई दर	
होटल टैरिफ	जीएसटी दर
1000 रुपये से कम	शून्य
1001 से 7500 रुपये	12 %
7501 रुपये व इससे अधिक	18%

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 37वीं बैठक में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को याद करते हुए जीएसटी के क्रियाचर्यन में उनके योगदान के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पहली बार काउंसिल की बैठक को पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने संबोधित किया।

सीतारमण ने कटौती की जानकारी देते हुए कहा,काउंसिल ने द्विीय के जीव व र्क पर जीएसटी पांच से घटाकर 1.2फीसद, इंजीनियरिंग इंटरटी में यशीन जीव व र्क पर 18 से 12 फीसद करने का फैसला लिया। काउंसिल ने अनाज, दालों, फलों, मेवा, सब्जियों, मसालों, कोपरा, गन्ना, गुड़, कागस, फलैक्स, जूट, तंबाकू, चावल, कॉफी और चाय जैसी चीजों को रखने के लिए वेयरहाउस की सेवा को जीएसटी से छूट देने का फैसला भी लिया गया। इसी तरह निर्यात के सामान की ढुलाई की सेवा को 30

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 37वीं बैठक में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को याद करते हुए जीएसटी के क्रियाचर्यन में उनके योगदान के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पहली बार काउंसिल की बैठक को पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने संबोधित किया।

सीतारमण ने कटौती की जानकारी देते हुए कहा,काउंसिल ने द्विीय के जीव व र्क पर जीएसटी पांच से घटाकर 1.2फीसद, इंजीनियरिंग इंटरटी में यशीन जीव व र्क पर 18 से 12 फीसद करने का फैसला लिया। काउंसिल ने अनाज, दालों, फलों, मेवा, सब्जियों, मसालों, कोपरा, गन्ना, गुड़, कागस, फलैक्स, जूट, तंबाकू, चावल, कॉफी और चाय जैसी चीजों को रखने के लिए वेयरहाउस की सेवा को जीएसटी से छूट देने का फैसला भी लिया गया। इसी तरह निर्यात के सामान की ढुलाई की सेवा को 30

राज-नीति 3

रिफ्रेशर कोर्स में फेल हुए 40 फीसद शिक्षक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को सुधारने में जुटी सरकार को शिक्षकों के मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है। शिक्षकों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए शुरू किए गए रिफ्रेशर कोर्स में ज्यादातर शिक्षकों ने हिस्सा ही नहीं लिया। इससे भी ज्यादा दिलचस्प यह है कि जो शिक्षक इसमें शामिल हुए और परीक्षा दी, उनमें 40 फीसद से ज्यादा असफल रहे। मौजूदा समय में देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में करीब 15 लाख शिक्षक पढ़ा रहे हैं। जबकि सिर्फ 6,411 ही रिफ्रेशर परीक्षा में हुए शामिल थे।

रिफ्रेशर कोर्सों को लेकर शिक्षकों की अरुचि का यह खुलासा मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से शुरू किए गए ऑनलाइन रिफ्रेशर प्रोग्राम ‘अर्पित’ (एनुअल रिफ्रेशर प्रोग्राम इन टीचिंग) से हुआ है। इसे मंत्रालय ने शिक्षकों का ज्ञान बढ़ाने के लिए 2018 में शुरू किया था। वैसे तो यह अनिवार्य नहीं था पर इसे पदोन्नति में शामिल करने की बात कही गई थी। बावजूद इसके ‘अर्पित’ कार्यक्रम को लेकर हाल ही में आए परिणामों से जो जानकारी सामने आई है वह वाकई चिंता के केंद्रों (एनआरसी) की पहचान की गई है जो एआइसीटीई की मदद से प्रशिक्षण सामग्री को ऑनलाइन अपलोड करने का काम करते हैं।

जसिये शिक्षकों को नई-नई जानकारीयों से लैस करने और गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद की गई थी। ‘अर्पित’ के जरिये आए इस परिणाम से मंत्रालय भी चौचक्का है। सूत्रों के मुताबिक, मानव संसाधन विकास मंत्री ने भी शिक्षकों के इस प्रदर्शन पर नाखुशी जताई है। साथ ही कहा है कि इसमें ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों को जोड़ा जाए। मंत्रालय ने हाल ही में 2019 के लिए भी ‘अर्पित’ कार्यक्रम शुरू किया है जिसमें शिक्षकों से रजिस्ट्रेशन कराने की

यह अरुचि इसलिए भी अहम है क्योंकि इसके

उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के लिए बनाए गए अर्पित कार्यक्रम का परिणाम

15 लाख शिक्षक पढ़ा रहे हैं उच्च शिक्षण संस्थानों में मौजूदा समय में

रिफ्रेशर कोर्स में 46 विषय शामिल

शिक्षकों के लिए शुरू किए गए रिफ्रेशर कोर्स में फिलहाल 46 विषयों को शामिल किया गया है। इनमें कृषि, विज्ञान, इंजीनियरिंग, आईटी, उर्दू, संस्कृत जैसे विषयों के साथ ही जलवायु परिवर्तन, कोशल विकास, नेतृत्व और शासन जैसे विषय भी रखे गए हैं। वहीं, प्रशिक्षण से जुड़ी सामग्री तैयार करने के लिए 51 राष्ट्रीय संसाधन केंद्रों (एनआरसी) की पहचान की गई है जो एआइसीटीई की मदद से प्रशिक्षण सामग्री को ऑनलाइन अपलोड करने का काम करते हैं।

जसिये शिक्षकों को नई-नई जानकारीयों से लैस करने और गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद की गई थी। ‘अर्पित’ के जरिये आए इस परिणाम से मंत्रालय भी चौचक्का है। सूत्रों के मुताबिक, मानव संसाधन विकास मंत्री ने भी शिक्षकों के इस प्रदर्शन पर नाखुशी जताई है। साथ ही कहा है कि इसमें ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों को जोड़ा जाए। मंत्रालय ने हाल ही में 2019 के लिए भी ‘अर्पित’ कार्यक्रम शुरू किया है जिसमें शिक्षकों से रजिस्ट्रेशन कराने की मुहिम चलाई जा रही है।

फ्रांस में भारत को मिला पहला राफेल विमान

बोर्डॉऑक्स (फ्रांस), एएनआइ : भारतीय वायुसेना ने गुरुवार को यहां दासी विमान निर्माण इकाई में पहला राफेल लड़ाकू विमान प्राप्त कर लिया। भारतीय वायुसेना सूत्रों ने बताया, एयर मार्शल वीआर चौधरी की अगुआई में वायुसेना अधिकारियों की एक टीम ने विमान को प्राप्त किया। एयर मार्शल चौधरी ने करीब एक घंटे तक विमान में उड़ान भी भरी। भारत और फ्रांस के बीच 60 हजार करोड़ रुपये के सौदे के तहत प्राप्त इस विमान को अभी करीब सात महीने तक फ्रांस में ही कई परीक्षाओं से गुजरना होगा। विमान को टेल नंबर आरबी-01 दिया गया है जो अगले वायुसेना अध्यक्ष एयर मार्शल आरकेएस भदौरिया के नाम पर है। उन्होंने इस सौदे को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभाई थी।

राफेल विमानों की पहली खेप आधिकारिक तौर पर आठ अक्टूबर को वायुसेना में शामिल की जाएगी जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह फ्रांस यात्रा पर जाएंगे, लेकिन इसे विमान मई, 2020 में ही भारत पहुंचना शुरू होने का इच्छा है। इसका मतलब है कि जल्दताते के मुताबिक हथियार प्रणालियां लगाई जानी हैं और पायलटों को ट्रेनिंग भी दी जानी है। वायुसेना मई, 2020 तक तीन बैचों में 24 और पायलटों को ट्रेनिंग प्रदान करेगी। सौदे के तहत भारत को 36 विमान मिलने हैं। वायुसेना इन विमानों की एक स्क्वाड्रन हरियाणा के अंबाला और दूसरी बंगाल की हाशिमारा में तैनात करेगी।

सीतारमण ने क्रमवार दी कटौती की जानकारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 37वीं बैठक में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को याद करते हुए जीएसटी के क्रियाचर्यन में उनके योगदान के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पहली बार काउंसिल की बैठक को पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने संबोधित किया।

सीतारमण ने कटौती की जानकारी देते हुए कहा,काउंसिल ने द्विीय के जीव व र्क पर जीएसटी पांच से घटाकर 1.2फीसद, इंजीनियरिंग इंटरटी में यशीन जीव व र्क पर 18 से 12 फीसद करने का फैसला लिया गया। काउंसिल ने अनाज, दालों, फलों, मेवा, सब्जियों, मसालों, कोपरा, गन्ना, गुड़, कागस, फलैक्स, जूट, तंबाकू, चावल, कॉफी और चाय जैसी चीजों को रखने के लिए वेयरहाउस की सेवा को जीएसटी से छूट देने का फैसला भी लिया गया। इसी तरह निर्यात के सामान की ढुलाई की सेवा को 30

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 37वीं बैठक में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को याद करते हुए जीएसटी के क्रियाचर्यन में उनके योगदान के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पहली बार काउंसिल की बैठक को पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने संबोधित किया।

सीतारमण ने कटौती की जानकारी देते हुए कहा,काउंसिल ने द्विीय के जीव व र्क पर जीएसटी पांच से घटाकर 1.2फीसद, इंजीनियरिंग इंटरटी में यशीन जीव व र्क पर 18 से 12 फीसद करने का फैसला लिया गया। काउंसिल ने अनाज, दालों, फलों, मेवा, सब्जियों, मसालों, कोपरा, गन्ना, गुड़, कागस, फलैक्स, जूट, तंबाकू, चावल, कॉफी और चाय जैसी चीजों को रखने के लिए वेयरहाउस की सेवा को जीएसटी से छूट देने का फैसला भी लिया गया। इसी तरह निर्यात के सामान की ढुलाई की सेवा को 30

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 37वीं बैठक में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को याद करते हुए जीएसटी के क्रियाचर्यन में उनके योगदान के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पहली बार काउंसिल की बैठक को पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने संबोधित किया।

सीतारमण ने कटौती की जानकारी देते हुए कहा,काउंसिल ने द्विीय के जीव व र्क पर जीएसटी पांच से घटाकर 1.2फीसद, इंजीनियरिंग इंटरटी में यशीन जीव व र्क पर 18 से 12 फीसद करने का फैसला लिया गया। काउंसिल ने अनाज, दालों, फलों, मेवा, सब्जियों, मसालों, कोपरा, गन्ना, गुड़, कागस, फलैक्स, जूट, तंबाकू, चावल, कॉफी और चाय जैसी चीजों को रखने के लिए वेयरहाउस की सेवा को जीएसटी से छूट देने का फैसला भी लिया गया। इसी तरह निर्यात के सामान की ढुलाई की सेवा को 30

कह के रहेंगे

माधव जोशी

हमारा लैंडर जल्द सीधा होगा, भरोसा रखें!

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 37वीं बैठक में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को याद करते हुए जीएसटी के क्रियाचर्यन में उनके योगदान के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पहली बार काउंसिल की बैठक को पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने संबोधित किया।

दिग्विजय नहीं लड़ेंगे विस चुनाव, नैना और दुष्यंत चौटाला उतरेंगे मैदान में

कर्मणाल गिल, जींद

जींद उपचुनाव से सियासी करियर का आगाज करने वाले जननायक जनता पार्टी के नेता दिग्विजय चौटाला ने कहा कि वह इस बार विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। परिवार और पार्टी में भी इस पर आम सहमति बन गई है। वह प्रदेशभर में पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं करेंगे। बता दें कि दिग्विजय ने जींद उपचुनाव के बाद सोनीपत से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन जीत नहीं सके। जींद उपचुनाव में वह दूसरे नंबर पर रहे थे।

शुक्रवार को जींद पहुंचे दिग्विजय चौटाला ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि राजनीति में चुनाव लड़ना ही सब कुछ नहीं होता है। चुनाव लड़ाना और अपनी पार्टी के नेताओं को जिताना उससे



दिग्विजय चौटाला

फाइल

भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए परिवार व पार्टी ने फैसला लिया है कि वह लड़ने के बजाय प्रदेशभर में पार्टी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद दुष्यंत चौटाला उचाना कलां से और शक्रवार को जींद पहुंचे दिग्विजय चौटाला ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि राजनीति में चुनाव लड़ना ही सब कुछ नहीं होता है। चुनाव लड़ाना और अपनी पार्टी के नेताओं को जिताना उससे

देंगे। उन्होंने कहा कि जींद व उचाना उनका घर है। वह अपने घर को किसी सुरत में नहीं छोड़ सकते। इस बार दुष्यंत उचाना से ही चंडीगढ़ का रास्ता तय करेंगे।

बता दें कि दुष्यंत ने सांसद रहते हुए पिछला विधानसभा चुनाव भी उचाना से लड़ा था, लेकिन भाजपा प्रत्याशी प्रेमलता से 7480 वोटों से हार गए थे। वहीं, नैना चौटाला ने पिछला चुनाव डबवाली से कांग्रेस के डॉ. कमलवीर सिंह को 8545 वोटों से हराकर जीता था। इससे पहले वर्ष 2009 के चुनाव में नैना के पति अजय चौटाला डबवाली से 12108 वोटों से जीतकर विधानसभा में पहुंचे थे।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि कांग्रेस के नैना चौटाला डबवाली से चुनाव मैदान में उतरेंगे। दिग्विजय ने यह भी बताया कि पार्टी पूरे प्रदेश में कहीं से भी पैराशूट से प्रत्याशी नहीं उतारेगी। जनता के बीच रहकर जेजेपी को मजबूत करने वाले नेताओं को ही टिकट

सपा के दरवाजे सबके लिए खुले, परिवार में लोकतंत्र : अखिलेश

राज्य व्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में उपचुनाव से पहले सपा ने बसपा को एक तगड़ा झटका दिया। बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दयाराम पाल व मिठाई लाल को सैंकड़ों समर्थकों समेत सदस्यता ग्रहण कराते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सबके लिए दरवाजे खुले होने की बात कही। उनका कहना था कि पार्टी में लेते हुए दर्ज मुकदमों को भी न देखेंगे। शुक्रवार को सपा मुख्यालय में आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में अखिलेश ने शिवपाल यादव की वापसी के सवाल पर गोलमोल जवाब दिया। उन्होंने कहा, हम पर परिवारवाद के आरोप लगते हैं जबकि हमारे परिवार में लोकतंत्र है। कोई भी जिस विचारधारा से जुड़ना चाहे, जुड़ सकता है। जहां भी जाना चाहे जा सकता है। आना चाहे तो वह आ भी सकता है। जो आएगा, उसे आंख बंद कर शामिल किया जाएगा।

एनआरसी लागू हुआ तो मुख्यमंत्री को भी जाना होगा : पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में अंग्रेजों ने डिवाइड एंड रूल चलाया था, अब उदाओ एंड रूल चल रहा है। डिवाइड एंड रूल वालों को भगा दिया, अब डारने वालों को भगाना है। एनआरसी लागू करने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि सबसे पहले मुख्यमंत्री को ही बाहर जाना होगा। उन्होंने कहा कि अब लोकतंत्र सीबीआई, ईडी और आयकर वालों के सहारे चल रहा है। इससे बचे तो खबरें चलवाकर बदनाम करया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो पर हमले को लेकर बंगाल में सियासत गरमाई

बड़ा मामला

भाजपा और एबीवीपी ने कोलकाता में जगह-जगह निकाला जुलूस

भाजपा और एबीवीपी ने कोलकाता में जगह-जगह निकाला जुलूस

भाजपा और एबीवीपी ने कोलकाता में जगह-जगह निकाला जुलूस

कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) परिसर में केंद्रीय पर्यवेक्षण व वन राज्यमंत्री बाबुल सुप्रियो पर हमले की घटना को लेकर बंगाल में सियासत गरमा गई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। घटना के विरोध में शुक्रवार को भाजपा व उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ओर से कोलकाता में जगह-जगह जुलूस निकाला गया। एबीवीपी ने मेयो रोड स्थित गांधी मूर्ति के सामने धरना भी दिया और 23 को 'जादवपुर की ओर अभियान' का एलान किया है। माकपा के छात्र संगठन एसएफआई ने भी जेयू में उन पर एबीवीपी की ओर से हमले किए जाने का आरोप लगाते हुए जुलूस निकाला। एसएफआई के एक नेता ने कहा कि जिस तरह से एबीवीपी



बाबुल सुप्रियो

फाइल

के कार्यकर्ताओं ने जेयू परिसर में तोड़फोड़ की है, वो भाजपा और संघ परिवार की फांसीवादी मानसिकता को दिखाता है। इस बीच राजभवन ने गुणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी के उस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें राज्यपाल जगदीप धनखड़ पर भाजपा का व्यक्ति हैकर काम करने का आरोप लगाया गया है। राजभवन की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि राज्यपाल जेयू

कांग्रेस विधायक कुलदीप बिश्नोई के घर से 30 करोड़ की पेंटिंग्स जब्त

नई दिल्ली, प्रे: आयकर विभाग ने कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई के घर से 30 करोड़ रुपये की पेंटिंग्स जब्त की हैं। टैक्स चोरी और बेनामी संपत्ति के मामले की जांच के दौरान ये पेंटिंग्स बरामद की गई थीं। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग ने बिश्नोई और उनके परिजनों के हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में 13 ठिकानों पर 23 जुलाई को छापे मारे थे। छापे के दौरान ये पेंटिंग्स मिली थीं। बिश्नोई और उनका परिवार उस पैसे के स्रोत के बारे में सही जानकारी नहीं दे सका, जिससे जमाने चित्रकारों की ये पेंटिंग्स खरीदी गई थीं। इसके बाद आईटी एक्ट के तहत इन्हें जब्त कर लिया गया है। हरियाणा के आदमपुर से कांग्रेस विधायक बिश्नोई की 32 करोड़ की अन्य संपत्तियां भी जब्त की गई हैं। छापे के दौरान बिश्नोई की विदेश में 200 करोड़ से अधिक की संपत्तियों का पता चला था।

आयकर विभाग ने पिछले महीने गुरुग्राम में 150 करोड़ रुपये के मूल्य का फाइव स्टार होटल भी अटेंच किया था, जिसे बिश्नोई और उनके भाई व पूर्व डिप्टी मुख्यमंत्री चंद्र मोहन की बेनामी संपत्ति माना जा रहा है।

सीबीआई की दबिश के बीच राजीव कुमार ने दायर की अग्रिम जमानत याचिका

सारथा चिटफंड मामले

जागरण संवाददाता, कोलकाता

सारथा चिटफंड घोटाले के सुबूतों को नष्ट करने के आरोप में घिरे कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार ने सीबीआई की दबिश के बीच गिरफ्तारी से बचने के लिए शुक्रवार को अपने अधिवक्ताओं के जरिये अलीपुर कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को इस याचिका पर सुनवाई हो सकती है। उधर, उनकी तलाश में सीबीआई लगातार छापामारी कर रही है। जांच एजेंसी ने उनकी पत्नी से पूछताछ की है।

गौरतलब है कि गुरुवार को सीबीआई ने राजीव कुमार के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए अलीपुर कोर्ट में आवेदन किया था। अदालत ने सीबीआई को राजीव को गिरफ्तार करने की इजाजत दे दी थी। इस बीच राजीव कुमार शुक्रवार को भी सीबीआई के समक्ष हॉजिट नहीं हुए। वर्तमान में एडीजी (सीआईडी) राजीव

याचिका पर अलीपुर कोर्ट में आज हो सकती है सुनवाई



राजीव कुमार

फाइल

कुमार का पता लगाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को उनकी पत्नी संचिता कुमार से करीब 40 मिनट तक पूछताछ की। सीबीआई का दावा है कि राजीव कुमार कोलकाता में ही हैं। सूत्रों के अनुसार, राजीव पर दबाव बनाने के लिए शुक्रवार दोपहर सीबीआई की महिला डीएसए के नेतृत्व में एक टीम पार्क स्ट्रीट स्थित सरकारी अस्पताल पर पहुंची और उनकी पत्नी से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई की अलग-अलग टीमों ने राजीव की तलाश में कोलकाता समेत जिलों में संभावित

अपना पक्ष और मजबूत करना चाहती है सीबीआई

सीबीआई ने सारथा के मुखिया सुदीप्त सेन का बयान लेने के लिए भी कोर्ट में आवेदन कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, राजीव कुमार के खिलाफ सीबीआई के पास पहले से ही पुष्टा सुबूत हैं, लेकिन इसके बावजूद वह राजीव के खिलाफ अपना पक्ष और मजबूत करना चाहती है।

छह ठिकानों पर छापामारी की।

देवयानी मुखर्जी के बयान से बड़ी मुसीबत : इस बीच करीब सात महीने की प्रतीक्षा के बाद आखिरकार राजीव कुमार के खिलाफ सीबीआई के हाथ ब्रह्मस्त्र लग गया है। सारथा घोटाले में गिरफ्तार दूसरी मुख्य आरोपित देवयानी मुखर्जी ने सनसनीखेज पदार्पण करते हुए सीबीआई को बताया कि चिटफंड घोटाले से संबंधित सभी सुबूत तत्कालीन एसआईटी प्रमुख राजीव कुमार को उन्होंने सौंपे थे। इसके अलावा तथ्यों की सूची को अलग से एक लैपटॉप में भी दी थी।

एनआरसी पर बोलीं ममता-जब तक हम हैं, तब तक सब सुरक्षित

जागरण संवाददाता, कोलकाता

राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) के मुद्दे पर दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर लौटी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर कहा कि बंगाल में एनआरसी लागू नहीं किया जाएगा। चार दिवसीय दिल्ली दौरे के बाद शुक्रवार शाम राज्य सचिवालय नवान्न में मीडिया से मुखातिब हुईं ममता ने कहा, 'कोन क्या कह रहा है, इसे लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं जब नेता मुकुल राय और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने घटना को लेकर शुक्रवार अपराह्न राज्यपाल से मुलाकात की। बाद में मीडिया से बातचीत में मुकुल ने इसके पीछे 'बाहरी लोगों' का हाथ बताया है। वहीं, दिलीप घोष ने बाबुल पर हमले करने वालों को समाजविरोधी और देशद्रोही करार देते हुए कहा कि जेयू देशद्रोहियों और कम्युनिस्टों का केंद्र बन गया है। भाजपा कार्यकर्ता बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक कर इसे नष्ट कर देंगे।

बाबुल ने हमलावरों को बताया कायर : बाबुल मुख्यमंत्री को केंद्र बन गया है। भाजपा कार्यकर्ता बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक कर इसे नष्ट कर देंगे।

बाबुल ने हमलावरों को बताया कायर : बाबुल मुख्यमंत्री को केंद्र बन गया है। भाजपा कार्यकर्ता बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक कर इसे नष्ट कर देंगे।

दिल्ली में मोदी और शाह से मुलाकात कर लौटी मुख्यमंत्री ने कहा- बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा एनआरसी



ममता बनर्जी

फाइल

है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मृतकों के परिजनों को सरकार की तरफ से दो-दो लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

उन्होंने भाजपा पर एनआरसी को लेकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'भाजपा राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसा कर रही है, लेकिन इसके पीछे कोई राज नहीं है। इस समय डिजिटल राशन कार्ड का संशोधन का काम चल रहा है, लेकिन इसका एनआरसी से कोई लेना-देना नहीं है। ममता ने आगे कहा, 'एनआरसी लागू होने के दुष्प्रचार से भयभीत होकर दो लोगों की मौत की खबर हुआ था।

उत्तराखंड में पांच दिन से लिखी जा रही है एफआईआर, तीन दिन और लगेंगे

जागरण संवाददाता, ऊधमसिंह नगर

उत्तराखंड में पहली बार इतनी लंबी एफआईआर दर्ज होने वाली है। अभी तक पांच दिन में 43 पेज ही लिखे जा सके हैं, जबकि अभी 11 पेज और लिखे जाने हैं। आयुष्मान योजना के घोटाले से संबंधित इस एफआईआर को लिखने में पुलिस के पर्सनल छूट रहे हैं। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग ने घोटाले की हर रिपोर्ट ही पुलिस को एफआईआर के रूप में दे दी है। इसके चलते पुलिस पांच दिन से लगातार लिखा-पढ़ी में जुटी है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अटल आयुष्मान योजना के तहत काशीपुर के एम्पी मेमोरियल अस्पताल और देवकी नंदन अस्पताल में भारी अनियमितताएं पकड़ी थीं। जांच में सामने आया कि अस्पताल के संचालक नियमों के खिलाफ मरीजों के फर्जी इलाज के बिलों का क्लेम वसूल रहे हैं। एम्पी अस्पताल में मरीजों के डिस्चार्ज होने के बाद भी उनको कई-कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती दिखाया गया। इसके अलावा आईसीयू में भी क्षमता से ज्यादा रोगियों का इलाज होना बताया गया। मामले की पूरी जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूरी जांच रिपोर्ट ही पुलिस



कटोराताल चौकी में पांच दिन से मुंशी प्रमोद जोशी एफआईआर दर्ज करने में जुटे हैं। जागरण

को एफआईआर दर्ज करने के लिए दे दी। स्वास्थ्य विभाग की जांच ही पुलिस के गले की फांस बनी हुई है। अगर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जांच का निष्कर्ष निकालकर दिया गया होता तो पुलिस का काम आसान होता। हालांकि, बांसफोड़ान पुलिस चौकी में देवकी नंदन अस्पताल के संचालक पुनीत बंसल के खिलाफ 22 पेज की एफआईआर लिखी जा चुकी है, जबकि अभी एम्पी मेमोरियल अस्पताल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का सिलसिला जारी है।

आंकड़े भी उलझा रहे : कटोराताल पुलिस चौकी में एफआईआर को लिखने में पुलिस के मुंशी प्रमोद जोशी के सामने सबसे बड़ी

आयुष्मान घोटाले की फांस में पुलिस की भी अटक रही सांस

एफआईआर के 43 पेज लिखे जा चुके हैं, जबकि 11 और लिखे जाने हैं

यह देश या प्रदेश की सबसे बड़ी एफआईआर है, ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है। एफआईआर लंबी है इसीलिए समय भी अधिक लग रहा है।

-बरिंदरजीत सिंह, एसएसपी ऊधमसिंह नगर

दिवकत भाषा भी बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा एफआईआर लिखने को दी गई जांच रिपोर्ट में हिंदी और अंग्रेजी भाषा तो है ही, साथ ही गणित के आंकड़े भी उलझा रहे हैं। इससे एक पेज लिखने में घंटों का समय लग रहा है। हालांकि, मैंगुल के साथ-साथ पुलिस इसे सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर में भी अपडेट कर रही है।

एफआईआर लिखे जाने में खर्च हो चुके हैं आठ कलम : कटोराताल पुलिस चौकी में एम्पी मेमोरियल अस्पताल के खिलाफ लिखी जा रही एफआईआर में अभी तक आठ कलम लग चुके हैं। एफआईआर को लिखने में मुंशी को प्रतिदिन 14 घंटे का समय देना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय जल मसले निपटाने को केंद्र ने बड़ाए हाथ

राज्य व्यूरो, चंडीगढ़

केंद्र की मोदी सरकार राज्यों के जल विवाद सुलझाने को लेकर गंभीर हो गई है। उत्तर क्षेत्रीय परिषद की 29वीं बैठक में इसे महसूस किया गया। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल ने जब अपने-अपने राज्यों से जुड़े जल विवाद उठाए तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इन विवादों के निपटारे के लिए नई नीति पर विचार हो रहा है। केंद्र सरकार ड्रस तर्कों से निपटने को राष्ट्रीय नीति बनाने को तैयार है।

शुक्रवार को चंडीगढ़ में करीब पांच घंटे तक चली उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठक में सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उप मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और मुख्य सचिवों ने भागीदारी की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आह्वान किया कि अब समय आ गया है कि जलहित को देखते हुए जल विवाद सुलझाए जाएं। कई राज्यों में यह विवाद दशकों से चले आ रहे हैं।

हरियाणा की मेजबानी में हुई इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने भी भागीदारी की। उन्होंने लद्दाख का भी प्रतिनिधित्व किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जल विवाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा इस मामले में सहयोग नहीं किया जा रहा है। राजस्थान को उसके हिस्से की पानी मिलना चाहिए। इसका समर्थन करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने गृह मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। पानी पर विवाद जब बढ़ा तो हरियाणा के



चंडीगढ़ में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में भाग लेते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। उनके साथ हैं हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह व जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक।

उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठक में राज्यों ने उठाए जल विवाद

शाह ने दिया भरोसा, केंद्र सरकार बुलाएगी राज्यों की संयुक्त बैठक

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सुझाव दिया कि इस विषय पर सभी राज्यों के अपने-अपने तर्क हैं। इसलिए इस मुद्दे पर अलग से बैठक बुलाई जानी चाहिए, ताकि सिवात साफ हो सके। इस पर शाह हुए कहा कि दिल्ली विवाद पर सार्थक रूप से काम करना होगा। बहुत जल्द संबंधित राज्यों की संयुक्त बैठक अलग से बुलाई जाएगी।

हरियाणा के एक हजार गांव और लाखों अग्रज जमीन घासी : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य में पानी की

कैप्टन ने दिया नेशनल ड्रग पॉलिसी का सुझाव

बैठक में नशे का मुद्दा जोरदार ढंग से उठा। सभी मुख्यमंत्रियों ने अब तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी गृह मंत्री के समक्ष पेश की। सबसे कहा कि राज्य सरकारों के प्रयास काफी नहीं हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नेशनल ड्रग्स पॉलिसी बनाने का सुझाव दिया।

मांग 36 एमएएफ (मेट्रिक एकड़ फीट) है, जबकि आपूर्ति केवल 14.7 एमएएफ है। इसलिए इस मुद्दे पर अलग से बैठक बुलाई जानी चाहिए, ताकि सिवात साफ हो सके। इस पर शाह हुए कहा कि दिल्ली विवाद पर सार्थक रूप से काम करना होगा। बहुत जल्द संबंधित राज्यों की संयुक्त बैठक अलग से बुलाई जाएगी।

हरियाणा के एक हजार गांव और लाखों अग्रज जमीन घासी : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य में पानी की

भूमि आज भी प्यासी है।

बीबीएमबी में मिलेगी हिमाचल व राजस्थान को हिस्सेदारी : राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत व हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) में हिस्सेदारी नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। कहा कि बीबीएमबी का सीधा संबंध होने के बावजूद हमें स्थाई सदस्यता नहीं मिल पाई है। गृह मंत्री शाह ने आश्चर्य किया कि वे प्रस्ताव बनाकर भेजें, जिस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

किया साफ

बिहार के मुख्यमंत्री बोले-25 साल से निरंतर काम कर रहा, मन में कभी भ्रम नहीं रहा, अनाप-शनाप बोलने वालों का हवाला बुरा हाल

गठबंधन पर कोई संकट नहीं : नीतीश

राज्य व्यूरो, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के संदर्भ में शुक्रवार को कहा कि हम 200 सीट से बहुत आगे जाएंगे। गठबंधन (एनडीए) पर कोई संकट नहीं। अनाप-शनाप बोलने वालों का बुरा हाल होगा। नेताओं को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की हैसियत से मुख्यमंत्री ने कहा, 'अनाप-शनाप बोलने वालों पर ध्यान मत दीजिए। राजनीति का ककहरा कि जिन्हें नहीं मालूम वे लोग मेरे खिलाफ बयान देकर चर्चा में आ जाते हैं।' जदयू के नवगठित राज्य परिषद की पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने यह बातें कहीं।

इस मौके पर जदयू के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह को विधिवत पुनः प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 25 वर्षों से निरंतर काम कर रहे हैं। मन में कभी भी किसी तरह का भ्रम नहीं रहा। आधारहीन बात पर चर्चा होती रहती है। चिंता न करें आने वाले विधानसभा चुनाव में 200 सीट से बहुत आगे जाएंगे। जिसे जो मर्जी आए बोलता रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में जो काम हो रहा

बिहार में एनआरसी लागू नहीं होने देगा राजद : तेजस्वी

राज्य व्यूरो, पटना : बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी पार्टी एनआरसी का विरोध करेगी। अगर केंद्र सरकार इसे लागू करने का प्रयास करेगी तो पुरजोर विरोध किया जाएगा। तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी का इस बात के लिए आभार जताया कि रंची के एक कार्यक्रम में उन्होंने उसी मंच से बिहार में एनआरसी नहीं लागू होने की बात कही, जिस मंच पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे पूरे देश में इसे लागू करने की घोषणा की थी। वहीं, चमकी बुखार से बच्चों की मौत पर तेजस्वी ने राज्य सरकार

है उसका लोगों को अनुभव है। जनता को मेरे काम से खुशी होती है। काम से खुश लोग जुवान नहीं चलाते पर पूरी मजबूती से वोट देते हैं। महिलाओं, अल्पसंख्यक, अति पिछड़ा और महादलितों के लिए जो काम हुआ है वह लोग भूलते नहीं। बिहार में कोई बंटने वाला नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपराध,

भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता इन तीन चीजों से कभी समझौता नहीं किया है। इस क्रम में उन्होंने जल-जीवन-हरियाली अभियान की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि जल नहीं तो हरियाली नहीं और इसके बिना जीवन नहीं बचने वाला। दो अक्टूबर से एक-एक पंचायत में इस अभियान के तहत काम आरंभ हो जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं को उपकृत किया तो सोनिया के सामने खड़ा करा दूंगा : बाबरिया

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार के मंत्रियों को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने चेतावनी दी है कि वे व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंधों में भेद करने की समझ दिखाएं। जिन मंत्रियों को यह समझ नहीं है, वे मंत्री बनने लायक नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ता को उपकृत किया तो वे उसे पार्टी की अंतर्निम अध्यक्ष सोनिया गांधी के सामने खड़ा करा देंगे। इसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार में उसका मंत्री पद छिन सकता है।

बाबरिया ने यह बात मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रियों, विधायकों और पार्टी के प्रदेश व राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि एक मंत्री को बिना जीवन नहीं बचने वाला। दो अक्टूबर से एक-एक पंचायत में इस अभियान के तहत काम आरंभ हो जाएगा।

दिग्गजों के लिए अनुशासन का पाठ

बाबरिया ने कहा कि पार्टी नेता अनुशासन में रहे। अनुशासन के मामले में बड़ा हो या छोटा नेता, कोई भी बख्शा नहीं जाएगा। बयानबाजी या साक्षात्कार देते समय गंभीरता और सतर्क रहे। चुप रहने वाले नेताओं पर तंज काफ़ी कि ऐसा नहीं हो कि आपके बर्ताव से अनुशासन बिगड़े। जाय-जय कमलनाथ के नारे लगाने पर भी उन्होंने नाराजगी जाहिर की और कहा कि इतना ही है तो केलाश विजयवर्गीय के घर के बाहर मुर्दाबाद के नारे लगाओ। जब बाबरिया अनुशासन पर यह बात कह रहे थे तभी भोपाल मध्य के विधायक आरिफ मसूद ने गणपति परिक्रमा करने वाले भोपाल के 600 लोग पद ले जाने के बयान पर हंगामा कर दिया। वह तब आवाज में बाबरिया के भाषण के बीच ही शोर मचाने लगे।

कांग्रेस कमेटी की अनुरंशा पर नियुक्ति करना बताया। उनसे जिला कांग्रेस कमेटी की अनुरंशा के का पत्र मांगा है, लेकिन अभी तक वे उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। बाबरिया ने यह भी कहा कि गणपति राजनीतिक समझ नहीं होने, जेनबुझकर या फिर किसी और वजह से मंत्री भाजपा कार्यकर्ताओं को उपकृत कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कमलनाथ से आग्रह किया कि वे मंत्रियों को निर्देशित करें कि पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद बनाकर रखें।

भोपाल में गणपति परिक्रमा वाले ही न ले जाएं सब पद : बाबरिया ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए 10-10 पद बांटें। ऐसा नहीं हो कि भोपाल में गणपति परिक्रमा करने वाले भोपाल के लोग 600 पद ले जाएं और दूसरे जिलों के लिए कोई पद ही नहीं बचे। बाबरिया ने यह बात निगम-मंडल और अन्य शासकीय पदों पर राजनीतिक नियुक्तियों के संदर्भ में कही, लेकिन उन्होंने पदों के बारे में जानकारी नहीं दी।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने से खुश हैं श्रीनगर के आम लोग : जितेंद्र सिंह

मुंबई, प्रे़ट : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले से श्रीनगर के लोग खुश हैं। छह महीने के भीतर ही कश्मीर के लोग कहने लगेंगे कि जो भी हुआ वह उनके हक में है।

उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के फैसले के बाद वहां एहतियाती कदमों को उठाने के क्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने बहुत नम्रता व उदारता बरती। प्रधानमंत्री कार्यालय में ग्यज्यमंत्री सिंह ने वहां एक कार्यक्रम में उन दावों को चुनौती दी, जिसमें पूरे जम्मू-कश्मीर में पाबंदी लागू होने की बात कही गई है।

सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने से केवल उन मुट्ठीभर लोगों को दुख होे रहा है जो सिर्फ 10 फीसद मतदान के कारण सत्ता को मलाई खाते हुए तीन दशकों से वंशवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। गुलाम कश्मीर पर दावे का मतलब क्या हमला है, सिंह ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि सेना हमला ही करे।

अगर रिहाई मिले तो अब नहीं लगाएंगे आजादी के नारे

बदला सुर े मीरवाइज और पीडीपी नेता समेत पांच ने भरा बांड

रिहाई के बाद कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे कानून व्यवस्था बिगड़े

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

आतंकवाद और अलगाववाद अनुच्छेद 370 की देन रहा है। इसके समाप्त होने के साथ ही आजादी, ऑटोनामी और सेल्फ रूल का नारा देने वालों के सुर भी बदलने लगे हैं। ऐसे कई वरिष्ठ नेता लिखकर दे रहे हैं कि अगर उन्हें रिहा किया जाता है तो वे यह नारे नहीं करेंगे, जिसके अलावा वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, जिससे कानून व्यवस्था का संकट पैदा हो या जनभावनाएं भड़कें।

सूत्रों ने बताया कि उदारवादी हुर्रियत चेयरमैन मीरवाइज मौलवी उमर फारूक, नेशनल कांफ्रेंस के दो पूर्व विधायकों, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस से जुड़े दो नेताओं ने राज्य प्रशासन को बांड लिखकर दिया है कि वह अपनी रिहाई के बाद कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे माहौल बिगड़े।

धारा 107 के तहत हिरासत में हैं लगभग 1200 नेता : पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से कानून

एनआरआइ कारोबारी की हिरासत पर सुप्रीम कोर्ट ने जवाब मांगा

नई दिल्ली, प्रे़ट : सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से मलेशियाई एनआरआइ की पत्नी को याचिका का जवाब देने के लिए कहा है। महिला ने अनुच्छेद 370 समाप्त किए जाने के बाद अपने पति को हिरासत में लिए जाने को चुनौती दी है।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने महिला की याचिका सुनवाई के लिए मंजू्र कर ली। याचिका में अधिकारियों को कारोबारी को कोर्ट में पेश करने का निर्देश देने की मांग की गई है। राज्य प्रशासन को दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा गया है। सुनवाई कर रही पीठ में जस्टिस एसए बोब्डे और जस्टिस एसए नजीर भी शामिल थे। पीठ ने कहा, ‘नोटिस जारी किया जाए। इसका जवाब दो सप्ताह में सौंपा जाए।’

यह याचिका मुबीन अहमद शाह की पत्नी आसिफा मुबीन ने दायर की है। महिला ने सात अगस्त के हिरासती आदेश के साथ ही उसके आधार जम्मू एवं कश्मीर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1978 की धारा 8(1)(ए) को निस्त करने की मांग की है। अपनी याचिका में आसिफा ने कहा है कि उसके पति अभी आगरा सेंट्रल जेल में बंद हैं और उन्हें गलत तरीके से आजादी महरूम कर दिया गया है। यह कानूनी तौर पर गलत है। इसलिए उन्हें रिहा किया जाए।

दो टूक

अपने ननिहाल थाती गांव पहुंचे थलसेना प्रमुख ने कहा कि सेना उपलब्ध संसाधन के अनुरूप अपनी कार्रवाई कर रही है

महबूबा का ट्विटर हैंडल फिर सक्रिय, बेटी ने संभाली कमान

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती लगभग डेढ़ माह बाद ट्विटर पर फिर सक्रिय हो गई हैं। वह अपना टिवटर हैंडल खुद नहीं, बल्कि उनकी बेटी इल्टिजा मुफ्ती संभाल रही हैं। इल्टिजा ने टिवटर पर केंद्रीय गृह सचिव और राज्य सचिव को लिखे अपने पत्र भी अपलोड किए हैं। इनमें उन्होंने अपनी मां की तरफ से राज्य में पांच अगस्त के बाद से बंदी बनाए लोगों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराए जाने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि महबूबा और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला सहित कई राजनीतिक नेताओं और अलगाववादियों को हिरासत में और कई को नजरबंद रखा गया है।

मां के आग्रह पर सवाल पूछने के लिए लिखा पत्र : इल्टिजा ने केंद्रीय गृह सचिव और

केंद्रीय और राज्य गृह सचिव को पत्र लिख मांगी जानकारी

दो दिन पहले लिखा था पत्र, सरकार की ओर से जवाब न देने का दावा



इल्टिजा मुफ्ती।

फाइल फोटो

राज्य गृह सचिव को दो दिन पूर्व लिखे पत्र को टिवटर अकाउंट पर अपलोड करते हुए दावा किया है कि वह किसी तरह के राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं रखती हैं और न कोई सियासत करना चाहती हैं। वह जो भी इस पत्र में पूछ रही हैं, सिर्फ

जानकारी नहीं मिली तो पत्र किया वायरल

इल्टिजा ने अपने इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए लिखा कि मैंने आपसे तीन दिनों के भीतर जानकारी मांगी थी। आपकी तरफ से कोई जवाब नहीं आने के बाद ही मैंने इसे सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने का फैसला किया है ताकि किन्हीं कारणों से अगर आपको यह पत्र न मिला हो तो इस तरह से मिल जाए। कृपा कर इस पत्र की प्राप्ति को स्वीकार करें।

अपनी मां की तरफ से, उनके आग्रह पर ही पृछ रही हैं। इल्टिजा ने पत्र में बताया है कि मेरी मां महबूबा मुफ्ती को हिरासत में रहते हुए न अखबार मिल रहा है और न उन्हें उनकी पार्टी के किसी सदस्य या स्टाफ द्वारा उन्हें किसी तरह के राजनीतिक घटनाक्रम के बारे

शहीद की पत्नी चाहती है कि जेल में सड़े अलगाववादी यासीन

राज्य ब्यूरो, जम्मू

वर्ष 1990 का वह काला दिन जब भारतीय वायुसेना के चार अधिकारियों को जेकेएलएफ के आतंकि्यों ने शहीद कर दिया था, इनमें स्कवाइन लीडर रवि खन्ना भी शामिल थे। तीस साल से इस मामले की सुनवाई चल रही है, लेकिन शहीदों के परिजन आज भी इंसाफ का इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं में एक हैं शहीद रवि खन्ना की पत्नी शालिनी खन्ना उर्फ निर्मल खन्ना।

निर्मल खन्ना का कहना है कि वह चाहती हैं कि जेकेएलएफ के यासीन मलिक व अन्य जेल की सलाखों के पीछे पूरी उम्र सड़ते रहें और तिल-तिल मरते रहें। टाडा कोर्ट में इस मामले का ट्रायल चल रहा है। यासीन मलिक इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में टेरर फंडिंग के मामले में बंद है। निर्मल खन्ना का कहना है कि 25 जनवरी 1990 का वह काला दिन आज भी उन्हें याद है। उनके पति सुबह करीब सात बजे वदी पहनकर ड्यूटी के लिए घर से निकले थे। इसके चार मिनट बाद ही उन्हें घर के बाहर गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी।

उन्होंने कहा कि वह उन दिनों रावलपोरा में रहती थीं। जहां पर यह घटना हुई, वहां से उनका घर सिर्फ पचास कदम की दूरी पर था। उस समय कर्फ्यू लगा हुआ था। कुछ गोлияयें चलने की आवाज सुनाई दी। वह घर की छत पर चली गईं। उन्होंने देखा कि सेना के कुछ जवान वदी में आ रहे हैं। उन्होंने देखा कि उनके पति के सूटकेस में गोली लगी हुई थी और एक जवान ने उसे उठाया है। उन्हें लगा कि उनके पति के

पाकिस्तान ने हीरानगर और नौशहरा में की भारी गोलीबारी

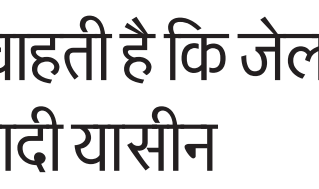
जागरण न्यूज नेटवर्क, जम्मू : पाकिस्तान को अपने शूक्रवार को सीमा पर लगातार चौथे दिन कठुआ के हीरानगर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर और राजौरी के नौशहरा में नियंत्रण रेखा पर भारी गोलाबारी की गई। भारत ने भी पाकिस्तान को करार जवाब दिया। हीरानगर सेक्टर में देर रात तक गोलाबारी जारी रही।

जानकारी के अनुसार, शाम पांच बजे पाकिस्तानी सेना ने नौशहरा के कलसिया सेक्टर में भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों के साथ-साथ रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर मोर्टार दमगने शुरू कर दिए। इस पर भारतीय सेना ने भी अपनी बंदूकों के मुंह खोल दिए। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तानी सेना ने गोलाबारी बंद कर दी। इस गोलाबारी से सीमा पर किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच, डोसी कठुआ के अदशे पर सीमा से सटे गांवों के पांच स्कूल शुक्रवार को बंद रहे।

वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों के आग्रह पर अमल करते हुए सीमावर्ती लोग आपने खेतों में काम करने नहीं गए। मन्थारी निवासी बलवंत राज, देवेंद्र कुमार, परस राम और कुलदीप राज आदि ने कहा कि पाकिस्तान पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह कोई भी नापाक हरकत कर सकता है, इसलिए उस और कड़ा जवाब दिया जाए।

में जानकारी दी जा रही है। उन्हें सिर्फ परिवार के सदस्यों से जिनमें मैं भी शामिल हूं, मिलने दिया गया है।

नजरबंद लोगों से जुड़ी मांगी कई जानकारीयों : महबूबा की बेटी ने अपने पत्र में लिखा है कि उनकी मां ने पांच अगस्त के बाद से राज्य में हिरासत में लिए गए और नजरबंद किए गए लोगों के बारे में विस्तृत जानकारी का आग्रह किया है। इनमें कितने नाबालिग और महिलाएं हैं, कितने लोगों को राज्य से बाहर स्थानांतरित किया है, कितने लोग रिहा किए गए हैं, कितने लोगों को हिरासत में मौत हुई है, कितनों को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत बंदी बनाया गया। कितनों को हिरासत में लिए जाने के बाद परिजनों से मुलाकात का मौका नहीं दिया, किन लोगों के बारे में बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबिएस कॉर्पस) दायर होने पर नॉटिस जारी हुए हैं। पत्र में इन सभी के बारे में पूरी जानकारी मांगी गई है।



शालिनी खन्ना उर्फ निर्मल खन्ना।

जागरण

साथ कुछ हुआ है। उनके पति का पार्थिव शरीर खून में लथपथ था। उन्हें बदामी बाग कैंटोनमेंट अस्पताल में मृत लाया घोषित कर दिया गया था। पूरी मँगजिन खाली कर दी गई थी।

निर्मल ने कहा कि कफ़ू के कारण उन्होंने पति से कहा था कि घर से वदी पहनकर नहीं जाना, लेकिन वह नहीं माने। उनका कहना है कि यह हैरानी की बात है कि एक सिपाही बिना वदी के घर से नहीं जा सकता, उस पर हर समय मौत का साया रहे। छत से उन्होंने देखा कि कुछ लोग ढोल की थाप पर नाच रहे थे और हवा में बंदूकें लहरा रहे थे। जैसे ही सेना के जवान वहां पर पहुंचे, वह लोग वहां से भाग गए।

निर्मल ने दावा किया जेकेएलएफ के चीफ यासीन मलिक और अन्य दो ने उनके पति की हत्या की। उन्होंने कहा कि उस समय के पलाइंट लेफ्टिनेंट बीआर शर्मा उनके पति के साथ थे। उन्होंने बताया था कि यासीन मलिक ही उनके पति की हत्या के पीछे हैं। उन्होंने कहा कि अभी हिम्मत नहीं हारी है। वह चाहती है कि यासीन मलिक जेल की सलाखों के पीछे सड़े।

नमाज-ए-जुमा के दौरान हिंसा भड़काए जाने की आशंका पर लगाई निषेधाज्ञा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में नमाज-ए-जुमा के दौरान हिंसा भड़काए जाने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने शुक्रवार को डाउन-टाउन समेत विभिन्न संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लगा दी। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे।

कश्मीर में पट्टरी पर लोट रही सामान्य जिनगी में खलल डालने के लिए आतंकि्यों और अलगाववादी तत्वों ने नमाज के दौरान कई जगह राष्ट्रनिरोधी प्रदर्शनों की आड़ में हिंसा फैलाने की साजिश रची हुई थी। खुफिया एजेंसियों की ओर से जारी अलर्ट को सज्जान लेते हुए प्रशासन ने डाउन-टाउन के अलावा अनंतनाग, कुपवाड़ा, गोंदरबल, बिजबिहाड़ा, हंढवाड़ा और सोपौर में एहतियातन प्रशासनिक कार्रवाियों को फिर से लागू कर दिया। कई इलाकों जहां प्रशासनिक पार्वीदियों नहीं थी, वहां भी आने जाने के कई रास्तों को बंद करके हुए बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात कर दिया गया।

हालांकि श्रीनगर के राजबाग, डलगेट, लाइजर नगर, जहांगीर चौक समेत सिविल जवाइर इलाकों में प्रशासनिक पार्वीदियां नहीं थी, लेकिन डाउन-टाउन में पार्वीदियों का असर इन इलाकों में भी नजर आया। जनजीवन जो कल तक सामान्य होता नजर आ रहा था,

कश्मीर में अब भी सक्रिय हैं 273 आतंकवादी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों और सुरक्षा एजेंसियों के लगातार आतंकरोधी अभियानों के बावजूद कश्मीर में आतंकि्यों की भर्ती कम नहीं हुई है। घाटी में अब भी 273 आतंकी सक्रिय हैं। इसका पता विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तैयार की गई आतंकि्यों की सूची से चलता है। वर्तमान में सबसे ज्यादा 158 आतंकी अकेले दक्षिण कश्मीर में ही सक्रिय हैं तो सबसे कम 19 आतंकी मध्य कश्मीर में अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। हैरानी की बात है कि विदेशी आतंकि्यों की तुलना में इनमें स्थानीय आतंकी ज्यादा हैं।

इस साल की शुरुआत में प्रशासन ने कश्मीर में सक्रिय आतंकि्यों की संख्या 270 बताई थी, जबकि बीते आठ माह के दौरान 140 आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। इसके बावजूद कश्मीर में आतंकि्यों की संख्या 273 है। दरअसल, वादी में सक्रिय आतंकि्यों की सूची की लगातार समीक्षा की जाती है। इस सूची में सिर्फ ए, बी और सी श्रेणी में वर्गीकृत देशी-विदेशी आतंकि्यों को ही गिना जाता है या फिर उन आतंकि्यों को शामिल किया जाता है, जिन्हें वर्गीकृत करने की प्रक्रिया चल रही होती है।

सितंबर के दूसरे पखवाड़े की शुरुआत में सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सूचनाओं के आधार पर तैयार की गई सूची के अनुसार पूरे कश्मीर में वर्तमान में 273 आतंकी सक्रिय हैं। इनमें से 158 आतंकी दक्षिण कश्मीर के चार जिलों कुलगाम, अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा में सक्रिय हैं। वहीं, उत्तरी कश्मीर के तीन जिलों बारामुला, बांडीपोरा और कुपवाड़ा में 96 आतंकी सक्रिय हैं। श्रीनगर, गोंदरबल और बडगाम समेत तीन जिलों पर आधारित मध्य कश्मीर में सिर्फ 19 आतंकी सक्रिय बताए जाते हैं। इस सूची के मुताबिक वादी में 166 स्थानीय और 107 विदेशी आतंकी हैं।

सवाल खड़े करती है यह रिपोर्ट : अधिकारिक तौर पर कोई भी पुलिस या सैन्य अधिकारी इस बारे में बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन संबंधित सूत्र बताते हैं कि यह सूची वादी में आतंकि्यों की भर्ती की पुष्टि भी करती है। ऐसे में कश्मीर में स्थिति को समझा जा सकता है। यह संख्या वादी में वही स्थानीय आतंकि्यों की भर्ती और घुसपैठ को लेकर किए जाने वाले दावों पर भी सवाल खड़े करती है।

लश्कर के 112 और हिजबुल 100 आतंकी हैं सक्रिय : सूत्रों ने बताया कि हाल में तैयार की गई सूची के मुताबिक लश्कर के 112, हिजबुल मुजाहिदीन के 100, जैश-ए-मुहम्मद के 58 आतंकि्यों समेत

नमाज-ए-जुमा के दौरान हिंसा भड़काए जाने की आशंका पर लगाई निषेधाज्ञा



श्रीनगर में शुक्रवार को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मुस्तेद सुरक्षाकर्मी।

जागरण

आज प्रभावित रहा। सिर्फ श्रीनगर में ही नहीं बारामुला, सोपोर, कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम, शोपियां, बडगाम में भी बीते दिनों की अपेक्षा सड़कों पर आम लोगों और वाहनों की आवाजोही कम रही। स्कूल भी बंद रहे, लेकिन सरकारी कार्यालय और बैंक खुले।

दोपहर को वादी के सभी इलाकों में नमाज के लिए लोग अपने-गली-मुहल्लों की मस्जिदों में जमा हुए। हैदरपोरा और बटमालू में नमाज

बार-बार हार के बावजूद हमारे नेतृत्व को हल्के में लेता रहा पाक : धनोआ

मुंबई, प्रे़ट : पाकिस्तान भारत की सामरिक क्षमता को जानता है। इसके बावजूद वह बार-बार गलती कर बैठता है। उसकी सबसे बड़ी गलती है कि बार-बार मुंह की खाने के बावजूद वह भारतीय नेतृत्व को हल्के में लेता रहा है। पुलवामा हमले के बाद भी उसने ऐसा ही सोचा था। पाकिस्तान को लगा ही नहीं था कि भारतीय वायुसेना उसके भीतर घुसकर बालाकोट के आतंकी शिविरों को तबाह कर देगी। ये बातें भारतीय वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। वह इसी महीने के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने कहा, ‘पाकिस्तान ने हमेशा हमारे नेतृत्व को हल्के में लिया। हमेशा। 1965 के युद्ध में उसने तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री को हल्के में लिया। उन्हें यह अंदाजा भी नहीं था कि शास्त्री सेना को लोहौर तक मोचां लेने की इजाजत दे देंगे।’

वायुसेना प्रमुख ने कहा, ‘...और उन्हें झटका लगा। उन्हें लगा था कि हम केवल कश्मीर के भीतर ही लड़ते रह जाएंगे... लेकिन कारगिल

वर्तमान में सबसे ज्यादा 158 आतंकी अकेले दक्षिण कश्मीर में ही सक्रिय

सूची में स्थानीय आतंकि्यों की अधिक संख्या हैरान करने वाली



वादी में छिपे आतंकी।

फाइल फोटो

आतंकि्यों को दबोचने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल

बलबीर सिंह जम्वाल, किश्तवाड़ : जम्मू में ‘मिशन किश्तवाड़’ ने आतंकि्यों और उनके समर्थकों में खलबली मचा दी है। किश्तवाड़ शहर के चार किलोमीटर के दायरे में छिपे आतंकि्यों और उनके मददगारों की धरपकड़ के लिए सेना और पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान शुक्रवार को ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। यह ड्रोन सुबह से लेकर दोपहर तक शहर में मंडरता रहा। पिछले दो दिन में सुरक्षाबल 36 आतंकी मददगारों को पकड़ चुके हैं। इसके अलावा शहर में 36 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकि्यों को दबोचने के लिए अलग-अलग जगहों पर ड्रोन छोड़े हैं ताकि कोई घुराग हाथ लगे तो तुरंत कार्रवाई की जा सके। ड्रोन की ऊंचाई इतनी अधिक थी कि आसानी से किसी को नजर नहीं आ रहा था। ड्रोन ने कई इलाकों के ऊपर चक्कर लगाए, लेकिन किसी को पता नहीं चल पाया।

अल-बदर के तीन आतंकी इस समय कश्मीर में हैं।

घटती-बढ़ती रहती है संख्या : अधिकारी
राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि वादी में सक्रिय आतंकि्यों की सही संख्या का दावा नहीं किया जा सकता। यह लगातार घटती-बढ़ती रहती है। सूची में वही आतंकी शामिल होते हैं, जिनका पूरा ब्यौरा और गतिविधियों की जानकारी विभिन्न एजेंसियों द्वारा पुष्टि की जाती है। इस समय वादी में टेलीफोन और इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने के कारण भी इस संदंभ में पूरी जानकारी जुटाना मुश्किल है। इस समय जो भी जानकारी है, वह पूरी तरह से हदूमन इंटेलीजेंस नेटवर्क के आधार पर ही है।

न्यूज गैलरी

सोनभद्र नरसंहार के आरोपितों के खिलाफ वारंट जारी

सोनभद्र : सोनभद्र के उम्भा गांव में 17 जुलाई को हुए नरसंहार मामले में फरार चल रहे 14 आरोपितों के खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी कर दिया है। इसके बाद पुलिस अधीक्षक की तरफ से इन आरोपितों पर 10–10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। फरार आरोपितों में तीन नामजद और 11 अज्ञात शामिल हैं। इसके पहले कुल 64 आरोपित जेल भेजे जा चुके हैं। नरसंहार में 10 लोगों की जान गई थी और 28 लोग घायल हुए थे। बाद में एक महिला की और मौत हो गई थी। इस मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं संचालन लेते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया था। पुलिस ने 28 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। धीरे-धीरे करके घटना के मुख्य आरोपित ग्राम प्रधान यज्ञदत्त सहित कई आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कुछ ने कोर्ट में समर्पण कर दिया। इस इस तरह से कुल 64 को गिरफ्तार कर लिया गया।

(जास)

तटरक्षकों ने चालक दल के आठ सदस्यों को बचाया

मंगलुरु : भारतीय तटरक्षक ने कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में करवार तट के पास मुसीबत में फंसी मछली पकड़ने वाली नाव श्री दुर्गा को बचा लिया। उसके चालक दल में आठ लोग शामिल थे। इससे पहले बुधवार को भारतीय तटरक्षक जहाज (आइसीटीएस) राजदूत ने भटकल में मछली पकड़ने की नाव पर फंसे 23 लोगों को सुरक्षित बचाया था। तटरक्षक ने एक बयान में बताया, नाव के पतवार में कुछ समस्या आ गई थी और वह करवार के पास खतरनाक रूप से बहने लगी थी। इसकी सूचना मिलने पर करवार तटरक्षक स्टेशन से आइसीजीएस– 446 को नाव की मदद के लिए भेजा गया। वहां पता चला कि मछली पकड़ने की नाव में तकनीकी खराबी मौके पर टीक नहीं की जा सकती, इसलिए उसे खींचकर किनारे पर ले जाना पड़ेगा। तटरक्षक कर्नाटक के कमांडर व डीआइजी एसएसर दसिला ने बताया कि आपास से आग्रह कर गुरुज्योति नामक नाव को वहां मंगाया गया और खराब श्री दुर्गा नाव को खींचकर सुरक्षित किनारे पर लाया गया।

(प्रेर)

आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों ने ली

कांकेर : छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता वादूसिंह कोटरीया की हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों ने ली है। नक्सलियों ने कांकेर जिले के दुर्गकोदल के बाजार में गुरुवार रात भारी मात्रा में बैनर पोस्टर लगा कर इस मामले में गिरफ्तार हुए गए आदिवासियों को निर्दोष बताते हुए छोड़ने की मांग की है। नक्सलियों ने बैनर-पोस्टर में आरएसएस कार्यकर्ता के परिवार को मदद करने वालों को चेतावनी भी दी है। पोस्टर में नक्सलियों ने लिखा है कि भाजपा, आरएसएस और पुलिस द्वारा षड्यंत्र कर आदिवासियों को फंसाया जा रहा है। गौरतलब है कि 27 अगस्त की रात आरएसएस कार्यकर्ता के घर पहुंचे कुछ लोगों ने उन्हें गोली मार दी थी।

(नईदुनिया)

केरल में चर्च के गुटों के संघर्ष में तीन पुलिसकर्मी समेत 11 घायल

एर्नाकुलम : केरल के कोथामंगलम कस्बे में गुरुवार को एक चर्च में आर्थोडाक्स और जैकोबिट गुटों के सदस्यों के बीच संघर्ष में तीन पुलिसकर्मीयों समेत कम से कम 11 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि फादर थामस पॉल रामबन की अगुआई वाले आर्थोडॉक्स गुट ने जैकोबिट के कदम का जब विरोध किया तब दोनों गुटों के बीच संघर्ष शुरू हो गया। जैकोबिट गुट के सदस्य कोथामंगलम में बाबा के नाम से मशहूर संत येल्डो मार बारीसिलोस के अवशेष हटाने जा रहे थे। दिवंगत संत के अवशेष मार थोमा चेरिया पल्ली में रखे हुए हैं। संघर्ष के दौरान फादर रामबन भी घायल हो गए।

(एएनआइ)

पीलीभीत में अगवा कर युवती से दुकर्म, छत से फेंका

पीलीभीत : उग्र के पीलीभीत में परचून की दुकान से चीनी लेने जा रही युवती को दूसरे समुदाय के दो युवकों ने अगवा कर लिया। घर ले जाकर बंधक बना लिया। छत पर बने कमरे में दुकर्म किया। फिर छत से नीचे फेंक दिया। जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

(जास)

बोले राजनाथ

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट में निरीक्षण करने पहुंचे थे, वैज्ञानिकों का काम देख रक्षा मंत्री बोले- आपको उचित सम्मान नहीं मिला

लंबा चलेगा मानसून, औसत से अधिक बरसात

मुंबई, रायटर : भारत में इस साल मानसून देर से जाएगा। मौसम विज्ञानियों को उम्मीद है कि इसके अक्टूबर के शुरूआती हफ्ते तक खिंचने के प्रबल आसार हैं। लिहजा, देश में पिछले छह सालों में पहली बार इस साल औसत से अधिक बरसात होगी।

भारतीय मौसम विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि देश में औसत से अधिक बरसात की पूरी संभावना है। अगले दो हफ्ते में देश के कुछ हिस्सों में जमकर बारिश होगी। इसके साथ ही इस मौसमी बरसात का आंकड़ा 104 प्रतिशत पार कर जाएगा। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार औसत या सामान्य बरसात 96 फीसद से 104 फीसद के बीच रहती है। जून से शुरू होने वाले चार माह के मानसून में इस औसत का आधार पिछले 50 सालों के 89 सेंटीमीटर बारिश के औसत से निर्धारित होता है। भारत में पिछली बार औसत से अधिक मानसूनी बरसात वर्ष 2013 में हुई थी।

मौसम विभाग के अधिकारियों का



मुंबई में शुक्रवार को बारिश के दौरान आसमान की ओर देखते लोग।

एएनआइ

कहना है कि अरब सागर में निम्न दबाव की प्रणाली के चलते पश्चिमी राज्यों जैसे महाराष्ट्र और गुजरात में और अधिक बरसात हो सकती है। 26 सितंबर

और तीन अक्टूबर के हफ्तों में भारत में 20 प्रतिशत और 99 प्रतिशत तक औसत से अधिक बरसात हो सकती है। अक्टूबर के पहले हफ्ते में भी औसत से अधिक मानसूनी

बेतिया सामूहिक दुष्कर्म कांड में चालक गिरफ्तार

मिली सफलता

चौथे नामजद आरोपित की पुलिस कर रही तलाश

जागरण संवाददाता, बेतिया (प. चंपारण)

बेतिया के बालिका गृह की पूर्व संवासिन से हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना में प्रवृत्त स्काॅपियो पुलिस ने जब्त कर ली। साथ ही चालक दीपक को भी गिरफ्तार कर लिया। एस्प्री जयंत कांत ने बताया कि मुफरिसल थाना क्षेत्र के बरवत सेना से स्काॅपियो (बीआर 22 पीए 0931) जब्त की गई। यह स्काॅपियो बरवत सेना गांव की एक महिला के नाम पर है। शुक्रवार शाम गांव के एक व्यक्ति के घर से डायमंड व्हाइट कलर की स्काॅपियो मिली। बताया गया कि टेक्निकल सेल व महिला थाने की पुलिस शुक्रवार दोपहर योगापट्टी थाना क्षेत्र के एक गांव से दीपक को पकड़ा। वह अपने समुदाय में छिपकर रह रहा था। उसकी निशानदेही पर बरवत सेना में छापेमारी की गई तो गाड़ी मिली। प्रारंभिक पूछताछ में दीपक ने माना कि गाड़ी किराये पर लेकर ले गईं आई थी। एस्प्री ने कहा कि स्पेशल टीम गाड़ी की जांच करेगी। पुलिस को अब चौथे नामजद व फगर आरोपित की तलाश है।

पीड़िता की भाभी की हो रही खोज : पीड़िता 13 सितंबर की रात जिस भाभी के



जब्त वाहन।

जागरण

घर सोने के लिए आ रही थी। अब पुलिस उसे तलाश कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और पीड़िता के बयान में विरोधाभास के कारण प्रार्थमिकी के आधार पर पुलिस जांच के दायरे में उसकी भाभी आई। शुक्रवार को नगर थाने की पुलिस उसकी खोज में एक मोहल्ले में गई थी। कई लोगों से पूछताछ भी की। लेकिन, वह नहीं मिली। एसपीओ और पंकज कुमार रावत ने कहा कि मामला संगीन होने के कारण पुलिस हर बिंदु की गहराई से पड़ताल कर साक्ष्य जुटा रही है। पीड़िता की प्रार्थमिकी में भाभी के घर सोने के लिए जाने के दौरान अगवा करने का उल्लेख

हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स में लगी आग, 13 लोग झुलसे



हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स में शुक्रवार को लगी आग के बाद निकलता धुआं

एएनआइ

जेएनएन, खड़गपुर

बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिला अंतर्गत हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स में शुक्रवार की सुबह भीषण आग लग गई। वाक्ये में संवंत्र में मौजूद 13 लोग झुलस गए। जानकारी के मुताबिक हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स के नैथा क्रैकर यूनिट से आग फैली। वाकया सुबह 10.45 बजे का बताया गया है। पेट्रोकेमिकल्स संवंत्र होने से आग के कभी भी विकराल रूप धारण कर लेने की आशंका बनी रही। लिहजा आग बुझाने वाले 10 इंजनों की सहायता से दमकलकर्मियों ने लपटों पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।

राहत व बचाव दल के सदस्यों ने संवंत्र में मौजूद कई लोगों को बाहर निकाल लिया। यद्यपि इसके बावजूद 13 लोग आग की लपटों में आकर झुलस गए। एक को इलाज के बाद छोड़ दिया गया, जबकि 12 घायलों को कोलकाता के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना के करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स के एचआर प्रबंधक देवाशीष सेन ने कहा कि अगलगी की वजहों की जांच की जा रही है। वैसे स्थानीय स्तर पर किसी संवंत्र के अत्यधिक गर्म हो जाने से आग लगने की आशंका व्यक्त की जाती रही।

एबीसी के चेयरमैन बने मधुकर कामत

जेएनएन, नई दिल्ली : आडिट ब्यूरो ऑफ सकुलेशन (एबीसी) की 71वें सालाना बैठक



मधुकर कामत।

के देवेंद्र वी दर्डा को ध्वनिमत से उपाध्यक्ष चुना गया है। एसीबी के महासचिव होमुंज्द मसानी ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में इस आशय की जानकारी दी है। मधुकर कामत के पास विज्ञापन एवं मार्केटिंग में 40 वर्षों से ज्यादा का अनुभव हैं। वह विज्ञापन एजेंसी संघ के अध्यक्ष, भारतीय विज्ञापन मानक परिषद के चेयरमैन भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह मुद्रा फाउंडेशन के चेयरमैन और एमआइसीए के प्रमुख रहे हैं। सालाना बैठक में वर्ष 2019-20 के लिए सर्वसम्मति से एबीसी का चेयरमैन चुना गया। लोकमत मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के देवेंद्र वी दर्डा को ध्वनिमत से उपाध्यक्ष चुना गया है। एसीबी के महासचिव होमुंज्द मसानी ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में इस आशय की जानकारी दी है। मधुकर कामत के पास विज्ञापन एवं मार्केटिंग में 40 वर्षों से ज्यादा का अनुभव हैं। वह विज्ञापन एजेंसी संघ के अध्यक्ष, भारतीय विज्ञापन मानक परिषद के चेयरमैन भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह मुद्रा फाउंडेशन के चेयरमैन और एमआइसीए के प्रमुख रहे हैं। सालाना बैठक में वर्ष 2019-20 के लिए एबीसी परिषद के सदस्यों का भी चुनाव किया गया। जागरण प्रकाशन लिमिटेड को श्रेष्ठ गुणा सहित प्रकाशन समूहों के आठ प्रतिनिधियों को परिषद में चुना गया है। गुणा के अलावा सदस्य बनाए गए अन्य लोगों में एबीबी प्राइवेट लिमिटेड से चंदन मजुमदार, बेनेट कोलमैन एंड को. से राज कुमार जैन, एचटी मीडिया लिमिटेड से प्रवीण सोमेश्वर एवं अन्य शामिल हैं। विज्ञापन एजेंसियों और विज्ञापनदाताओं के चार-चार प्रतिनिधियों को भी परिषद का सदस्य बनाया गया है।

झारखंड के जसीडीह में पैसेंजर ट्रेन का ब्रेक फेल, बाल-बाल बचे यात्री

जागरण संवाददाता, जसीडीह (देवघर)

आसनसोल डिब्बीजन क्षेत्र के जसीडीह स्टेशन पर बैधनाथधाम-जसीडीह पैसेंजर ट्रेन शुक्रवार को ब्रेक फेल होने की वजह से सुरक्षा दीवार तोड़कर 15 फीट बाहर निकल गई। हालांकि ट्रेन थोड़ा आगे बढ़कर रुक गई, इस कारण सभी यात्री सुरक्षित रहे। रफ्तार कम होने की वजह से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना के वक्त ट्रेन में लगभग 70 यात्री सवार थे। इनमें कुछ यात्रियों को मामूली चोट आई है।

उधर दुर्घटना की वजह से देवघर-जसीडीह के बीच चलने वाली सभी गाड़ियों को रद्द कर दिया गया है। दक्कर की जोरदार आवाज सुनकर काफी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। यात्रियों के बीच भी अफ़सतफरी मच गई। हादसे के बाद रेलकर्मों ट्रेनों का परिचालन शुरू करने में जुट गए। डीआरएम सुमित सरकार ने एक जांच टीम को दुर्घटना के कारण का पता लगाने का निर्देश दिया है। गठित टीम में शामिल सीनियर डीएसओ, सीनियर डीएसई, सीनियर डीईएन ने दुर्घटना के कारणों की छानबीन की।

बताया जाता है कि 63154 बैधनाथधाम सवारी गाड़ी बैधनाथधाम स्टेशन से सुबह नौ बजकर 33 मिनट पर खुली और नौ बजकर 50 मिनट में जसीडीह स्टेशन पर पहुंची। गाड़ी

झारखंड हाई कोर्ट ने सरकार की स्थानीय नीति को सही ठहराया

राज्य ब्यूरो, रांची

झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की स्थानीय नीति को सही ठहराया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस एचसी मिश्र व जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की खंडपीठ ने शुक्रवार को स्थानीय नीति को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि सरकार की स्थानीय नीति में कोई कमी नहीं है। कहा कि प्राथी की ओर से उठाए गए बिंदु उचित नहीं हैं, इसलिए याचिका को खारिज किया जाता है। इस संबंध में आदिवासी बुद्धिजीवी मंच ने हाई कोर्ट में उल्लिखित याचिका दाखिल की थी। इसमें सरकार की स्थानीय नीति को अवैध बताया गया था।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान प्राथी के अधिवक्ता जेजे सांगा ने कहा कि वर्ष 2003 में पांच जजों की बेंच ने स्थानीय नीति में राज्य के स्थानीय व्यक्ति को तय करने का निर्देश दिया था, लेकिन सरकार ने व्यक्ति के बदले निवासी शब्द का इस्तेमाल किया है। सरकार ने स्थानीय व्यक्ति तय नहीं करके स्थानीय निवासी के नाम पर डोमिसाइल तय कर दिया है। डोमिसाइल पूरे

अदालत ने नीति को चुनौती देने वाली याचिका को किया खारिज

सरकार ने कहा, पांच जजों की बेंच के आदेश के तहत बनी नीति

देश का होता है। इस कारण सरकार की ओर से जारी यह अधिसूचना अवैध है। इसे निरस्त कर देना चाहिए।

राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनोज टंडन ने खंडपीठ को बताया कि स्थानीय नीति को लेकर झारखंड के सभी स्टेट होल्डर, बुद्धिजीवी और पार्टियों से इस पर राय ली गई है। काफी गहन मंथन के बाद सरकार ने स्थानीय नीति को लागू किया है। 16 साल से यह मामला लंबित था और इस नीति के जरिये स्थानीय लोगों को परिभाषित किया गया है। वर्ष 2003 में प्रशंसित विद्यार्थी बनाम झारखंड सरकार के मामले में पांच जजों की संवैधानिक पीठ की ओर से पारित आदेश का इलाक में ही इस नीति को बनाया गया है। सरकार ने स्थानीय निवासी होने के लिए कई मानक तय किए हैं।

हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची उत्तराखंड सरकार

जागरण संवाददाता, नैनीताल : पंचायत राज संशोधन अधिनियम को लेकर हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर दी है। जिस पर सुनवाई सोमवार को होनी है। गुरुवार को हाई कोर्ट ने 25 जुलाई 2019 से पहले दो बच्चों से अधिक वाले ग्राम पंचायत प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने के योग्य करार दिया। इस फैसले को सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा था। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटिशन) दायर करने का निर्णय किया। हाई कोर्ट ने दो से अधिक बच्चों वाले प्रत्याशियों के मामले में पारित आदेश पर साफ किया है कि कोर्ट के सामक्ष जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत का सम्बन्ध आया ही नहीं। सिर्फ ग्राम पंचायतों का ही मामला आया। अदालत ने 25 जुलाई 2019 के बाद ही तीन बच्चों वाले प्रत्याशियों को अयोग्य घोषित किया है जबकि इस तिथि से पहले वालों को योग्य माना है। उधर पूर्व कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष जोत सिंह बिज की ओर से बीडीसी व जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए भी इस आदेश को लागू करने की मांग को लेकर याचिका दायर करने की तैयारी हो चुकी है।

सुरक्षा दीवार तोड़ 15 फीट बाहर निकल गई ट्रेन, रफ्तार कम होने से टला हादसा

हादसे के कारण देवघर-जसीडीह के बीच चलने वाली सभी गाड़ियां रद्द



देवघर जिले के जसीडीह स्टेशन पर बैधनाथधाम-जसीडीह सवारी गाड़ी का इंजन शुक्रवार को ब्रेक फेल होने की वजह से सुरक्षा दीवार को तोड़ते हुए 15 फीट बाहर निकल गया।

जागरण

का ब्रेक फेल हो जाने के कारण स्टेशन पर ट्रेन जसीडीह के लिए रवाना किया गया। ट्रेन के ड्राइवर एके शर्मा और गाई मोहम्मद चुर्सी। इस क्रम में ट्रेन का अगला हिस्सा स्टेशन की सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए 15 फीट बाहर निकल गया। अधिकारियों की ओर से घटना की जानकारी मंडल के डीआरएम को दी गई। इसके

उत्तराखंड में जहरीली शराब से छह की मौत, तीन गंभीर

जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड की राजधानी में शहर के बीचोंबीच पथरिया पीर इलाके में जहरीली शराब पीने से छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन बीमार हैं। उनका इलाज शुरू रहा है। तीनों की हालत नाजुक बनी हुई है। जहरीली शराब से मौत होने का क्रम गुरुवार दोपहर से शुरू हो गया, लेकिन पुलिस और जिम्मेदार जन प्रतिनिधि 30 घंटे तक खामोशी ओढ़े रहे। शुक्रवार दोपहर पथरियापीर में दो और मौत हुई तो उनकी नौद टूटी। जहरीली शराब का यह मामला उस इलाके में सामने आया है, जो सचिवालय, राजभवन, पुलिस थाना और डीएम आवास के लगभग सवा किलोमीटर के दायरे में है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अगर यहाँ हालात ये हैं तो दूरदराज इलाके में क्या स्थिति होगी। मुख्यमंत्री ने मामले की दिए मंजिस्टेटी जांच के निर्देश देकर पूरे मामले पर रिपोर्ट तलब की है।

शुक्रवार दोपहर मामले ने उस वक्त तूल पकड़ लिया जब पीड़ित परिवारों के साथ

देहरादून में गुरुवार दोपहर से ही शुरू हो गया था मौतों का सिलसिला

30 घंटे बाद टूटी पुलिस और जनप्रतिनिधियों की नींद

स्थानीय लोगों की भीड़ मसूरी क्षेत्र के भाजपा विधायक गणेश जोशी के आवास के बाहर जमा होकर हंगामा करने लगी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। तब पता चला कि इलाके में गुरुवार दिने में 11 बचे से लेकर शुक्रवार शाम तक छह की मौत हो चुकी हैं। इसमें से तीन की तो गुरुवार को ही मौत हो चुकी है और उनका अंतिम संस्कार तक कर किया जा चुका है। मृतकों की पहचान राजेंद्र (45), लल्ला (35), सरन (58), आकाश (23), सुंदर (40) और इंदर (50) के रूप में हुई हैं। वहीं ननू, लक्की और लीला को दूरा और महत इंद्रेश अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मौत से पहले इन सभी में एक ही तरह के लक्षण दिखे थे और आरोप है कि सभी ने इलाके के ही एक घर से शराब खरीद कर पी थी।

एसआइटी से चिन्मयानंद ने कहा, मैं शर्मिंदा हूं

कुबूल किया जुर्म ▶ एसआइटी के सामने पूर्व केंद्रीय मंत्री ने माना कि वीडियो में वही हैं, अश्लील बातें करने की बात भी मानी

भाइयों ने कहा, निर्दोष हैं

चिन्मयानंद, गहरी साजिश की आशंका जताई

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

जब प्रमाण सामने आए तो मुंह से बस चंद शब्द निकले ‘... मुझे कुछ नहीं कहना, शर्मिंदा हूं मैं।’ वीडियो वायरल होने के बाद चार सितंबर को चिन्मयानंद पहली बार मीडिया के सामने आए थे। कहा कि छवि खराब करने की साजिश हो रही, जिसमें कॉलेज के ही कुछ लोग शामिल हैं। बचने के लिए उनके यह तर्क साक्ष्यों के आगे नहीं टिके। एसआइटी ने जांच में बड़ी संख्या में साक्ष्य इकट्ठे किए। शुक्रवार दोपहर को एसआइटी प्रमुख आइजी नवीन अरोड़ा ने मीडिया से बात की। कहा कि पीड़िता ने जो वीडियो सौंपे थे, उन्हें चिन्मयानंद को दिखाया गया। कुछ फोटो भी थे। अरोड़ा बोले, चिन्मयानंद ने माना कि वीडियो में वही हैं। अश्लील बातें करने की बात भी स्वीकारी। आगे वह सिर्फ इतना बोले कि अब उन्हें कुछ नहीं कहना है। मैं शर्मिंदा हूं। वीडियो में प्रमाणित हो चुका था कि किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई।

भाई मानते निर्दोष, गहरी साजिश की आशंका : चिन्मयानंद पर लगे आरोपों को उनके भाई झूठा मानते हैं। भाई रामकुपाल, रामभवन व तुंगनाथ कलेत हैं कि साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। बचपन से लेकर युवा अवस्था तक उनके ऊपर कोई आरोप इस तरह के नहीं लगे।

मददगार से बन गए छात्रा के गुनहगार : 2013 में छात्रा ने लॉ कालेज में

27 दिनों में सलाखों तक पहुंच गए चिन्मयानंद

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद का पिछले 27 दिनों के अंदर सबकुछ बदल गया। पहले बड़े अधिकारियों से लेकर तमाम नेताओं तक सबकी उनके आश्रम में आवाजाही रहती, लेकिन अब चिन्मयानंद जेल की सलाखों के पीछे हैं। आइए जानते हैं महज कुछ दिनों में ही मुश्म आश्रम स्थित दिव्यधाम का नजारा कैसे बदला और चिन्मयानंद कैसे जेल पहुंचे।

वायरल वीडियो से हुई शुरुआत : 24 अगस्त की शाम लॉ कालेज की छात्रा ने अपनी ससुरबु क आइटी पर वीडियो वायरल किया, जिसमें चिन्मयानंद का नाम लिए बिना उन पर तमाम गंभीर आरोप लगाए थे। उसके बाद छात्रा लापता हो गई थी। अगले दिन यानी 25 अगस्त को उसके पिता ने चौक कोतवाली में स्वामी चिन्मयानंद पर अपहरण, दुष्कर्म व यौन शोषण के आरोप लगाते हुए तहरीर दी। मामला लखनऊ और दिल्ली तक पहुंचा। इस बीच चिन्मयानंद के वकील ओम सिंह सामने आए और बताया कि 24 अगस्त को उनकी तहरीर पर चिन्मयानंद से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने का अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। 22 अगस्त को चिन्मयानंद के मोबाइल नंबर पर भेजे गए वाट्सएप मैसेज का हवाला भी दिया।

पिता ने दी दुष्कर्म की तहरीर, मुकदमा हुआ अपहरण का : माना जा रहा था कि इसके

70 वर्षीय पादरी ने तीन नाबालिग लड़कियों के साथ की छेड़छाड़

कोच्चि, प्रेट्र : 70 वर्षीय कैथोलिक पादरी ने तीन नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाानी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पिछले महीने एर्नाकुलम जिले में चेंडामंमलम में चर्च के दप्तर में जब लड़कियां आशीर्वाद लेने गई थीं तब पादरी ने उनके साथ छेड़छाानी की थी। सीरियन कैथोलिक चर्च का विकर पादरी जार्ज पादायट्टी मामला दूर होने के बाद से फरार हो गया है।

वडाक्करकराग थापे के एक अधिकारी ने बताया कि पादरी के खिलाफ पोक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, एक महीने पहले चर्च में सर्विस के बाद जब नौ वर्षीया लड़कियां आशीर्वाद लेने पहुंची तब यह घटना घटी थी।

सार्थक पहल
<p>गाय देने में शहीदों के परिवार, विधवा, सेना-पुलिस जवानों और आत्महत्या करने वाले किसानों के परिजनों को दी प्राथमिकता</p>

9 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय से संचालित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत। ये पुरस्कार जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों को दिए गए हैं।



मीडिया से बात करते एसआइटी प्रमुख आइजी नवीन अरोड़ा।

एएनआइ

चिन्मयानंद पर लगी ये धाराएं

धारा 376 सी : अगर कोई सहमति से किसी का शारीरिक शोषण करता है या इसके लिए प्रेरित करता है। इसमें पांच से दस वर्ष तक की सजा हो सकती है।

धारा 354 डी : किसी का पीछ करने पर यह धारा लगती है। यह पीछ सांशल मीडिया पर भी

पांच साल की एलएलबी में प्रवेश लिया। पांच साल तक उसने पढ़ाई की। 2018 में उसने एलएलएम में प्रवेश लिया। छात्रा की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। यह बात उसने शिक्षकों व प्राचार्य को बताई तो उन लोगों चिन्मयानंद ने उसे मिलने की सलाह दी। छात्रा चिन्मयानंद से मिली तो उन्होंने नियमानुसार फीस में छूट दी। जुलाई

27 अगस्त को चिन्मयानंद पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किया। इस बीच वकीलों के पैनल की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान ले लिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर छात्रा व उसके परिवारजनों को सुरक्षा मुहैया कराई थी। जिसके बाद पुलिस हरकत में आयी। 30 अगस्त को छात्रा को राजस्थान में उसके दोस्त संजय के साथ बरामद कर लिया गया। वहां से उसे सीधे सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया था।

गवित हुई एसआइटी : दो सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में छात्रा के बयान हुए, जिसके बाद प्रदेश सरकार को एसआइटी गठित करने व छात्रा का दूसरे कॉलेज में प्रवेश करने के आदेश दिए। अगले दिन नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। इसकी निगरानी हाईकोर्ट को करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

एसआइटी ने डाल लिया था डेरा : छह सितंबर को एसआइटी ने इस मामले

कोर्ट में पेश किया गया था। जिसके बाद प्रदेश सरकार को एसआइटी गठित करने व छात्रा का दूसरे कॉलेज में प्रवेश करने के आदेश दिए। अगले दिन नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। इसकी निगरानी हाईकोर्ट को करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

एसआइटी ने डाल लिया था डेरा : छह सितंबर को एसआइटी ने इस मामले कोर्ट में पेश किया गया था। जिसके बाद प्रदेश सरकार को एसआइटी गठित करने व छात्रा का दूसरे कॉलेज में प्रवेश करने के आदेश दिए। अगले दिन नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। इसकी निगरानी हाईकोर्ट को करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

एसआइटी ने डाल लिया था डेरा : छह सितंबर को एसआइटी ने इस मामले कोर्ट में पेश किया गया था। जिसके बाद प्रदेश सरकार को एसआइटी गठित करने व छात्रा का दूसरे कॉलेज में प्रवेश करने के आदेश दिए। अगले दिन नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। इसकी निगरानी हाईकोर्ट को करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

एसआइटी ने डाल लिया था डेरा : छह सितंबर को एसआइटी ने इस मामले कोर्ट में पेश किया गया था। जिसके बाद प्रदेश सरकार को एसआइटी गठित करने व छात्रा का दूसरे कॉलेज में प्रवेश करने के आदेश दिए। अगले दिन नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। इसकी निगरानी हाईकोर्ट को करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

9 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय से संचालित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत। ये पुरस्कार जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों को दिए गए हैं।

9 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय से संचालित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत। ये पुरस्कार जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों को दिए गए हैं।

चिन्मयानंद के खिलाफ पुलिस के पास पर्याप्त सुबूत : डीजीपी

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि स्वामी चिन्मयानंद पर पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोप जांच में पुष्ट हुए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही शुक्रवार सुबह आश्रम से उनकी गिरफ्तारी की गई है। इस मामले में पीड़िता के जितने भी वीडियो थे, उनकी फॉरेंसिक टीम से जांच कराई गई है। जांच में सभी वीडियो सही पाए गए हैं। इस प्रकरण में ब्लैकमेल करने वाले तीन अन्य को भी गिरफ्तार किया गया है।

वह यहां शुक्रवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में सुबे के पुलिस उच्चाधिकारियों के री-यूनियन सेमिनार में शामिल हुए और अफसरों को कर्तव्य बोध करया। इससे पूर्व पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पुलिस ने उस वीडियो की भी जांच कराई है, जिसमें

लगा दिए। उनसे एक दिन हॉस्टल में नहाते वक्त वीडियो बनवा लिया। जिन्हें दिखाकर ब्लैकमेल करने लगे, मालिश के लिए बुलाते। बाद में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। फिर छात्रा ने दोस्त संजय के साथ चिन्मयानंद की करतूतों को खुफिया तरीके से कैद करने की योजना बनी। संजय के भाई विक्रम

आठ महीने में पूर्व केंद्रीय मंत्री और छात्रा ने एक-दूसरे को 200 बार किया कॉल

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

एसआइटी ने चिन्मयानंद, छात्रा व उसके दोस्त संजय के मोबाइल की कॉल रिकॉर्ड निकलवाई। जनवरी से लेकर अगस्त तक इनके बीच लंबी बात होती थी। चिन्मयानंद व छात्रा के बीच दो

सौ कॉल हुईं। संजय व छात्रा के बीच 4200 कॉल की गईं। एक दिन में दोनों के बीच कई बार लंबी बातचीत भी होती थी। कॉल रिकॉर्ड में आउटगोइंग और इनकमिंग दोनों शामिल हैं। छात्रा के दोस्त संजय ने बताया था कि छात्रा ने जब आवती थीं सुनाई तो उसे चिन्मयानंद के चंगुल में फंसा देते। तीनों युवकों को जेल भेज चिन्मयानंद ने संजय पर हॉस्टल आने पर रोक लगा दी थी, इसलिए दोनों के बीच फोन पर बात रही तो मैडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। गुरुवार को चेकअप में दिल के दायीं साइड में ब्लाकेज, बीपी और शुगर संबंधी समस्याएं सामने आईं तो केजीएमयू रेफर किया गया, पर चिन्मयानंद वहां से दिव्य धाम चले गए। 20 सितंबर को सुबह एसआइटी ने उन्हें आश्रम से गिरफ्तार कर लिया।

23 को दाखिल होगी कोर्ट में रिपोर्ट : चिन्मयानंद व तीनों युवकों को जेल भले भेजे जा रहा गया मगर, एसआटी की जांच अभी खत्म नहीं हुई। प्रभारी नवीन अरोड़ा ने बताया कि कई

अब आजम की स्वर्गवासी मां पर भी धोखाधड़ी का मुकदमा

जागरण संवाददाता, रामपुर

प्रशासन ने अब सांसद आजम खां की स्वर्गवासी मां अमीर जहां बेगम के खिलाफ भी धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करा दिया है। नायब तहसीलदार की ओर से दर्ज कराए गए हिंदी ही है जो पूरे देश को जोड़ सकती हैं। गृह मंत्री के इस बयान की विपक्ष ने तीखी आलोचना की, विशेषकर दक्षिण भारत के रज्यों की ओर से जबर्दस्त विरोध हुआ था।

बाद में शाह ने अपने इस बयान को लेकर सफाई भी दी कि उनके कहने का मतलब यह था कि लोगों को हिंदी सीखनी चाहिए। उनका मतलब पूरे देश में हिंदी थोपना नहीं था। त्रमुक मंत्री रहे राधाकृष्णन ने कहा, इसी के साथ-साथ हमें संवाद के लिए केवल एक भाषा को स्वीकार करना चाहिए।

बता दें कि 14 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी को पूरे देश में एक भाषा के रूप में अपनाए जाने पर जोर दिया था जिसके बाद दिख रहा है। तमिलनाडु के एक भाजपा नेता पोरा राधाकृष्णन भी शुक्रवार को इस विवाद में कूद गए और तमिल को राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

एसआइटी ने डाल लिया था डेरा : छह सितंबर को एसआइटी ने इस मामले कोर्ट में पेश किया गया था। जिसके बाद प्रदेश सरकार को एसआइटी गठित करने व छात्रा का दूसरे कॉलेज में प्रवेश करने के आदेश दिए। अगले दिन नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। इसकी निगरानी हाईकोर्ट को करने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। चार सितंबर को चिन्मयानंद मुमुक्षु आश्रम आए। उन्होंने आरोपों को गलत बताया। पांच सितंबर को छात्रा ने शाहजहांपुर आने से दिल्ली के लोधी कालोनी थाने में चिन्मयानंद के खिलाफ दुष्कर्म की जीरो एफआइअर दर्ज करा दी। जो बाद में एसआइटी को ट्रॉसफर कर दी गई।

नेशनल न्यूज 7

चार दिन पहले ही हो गया था गिरफ्तारी का एहसास



दुष्कर्म के आरोपों में घिरे चिन्मयानंद को कड़ी सुरक्षा में जेल भेजती एसआइटी।

जागरण

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

पिछले चार दिन से चिन्मयानंद को आभास हो गया था कि शिकंजा कस गया है। दरअसल, वीडियो देखने के बाद जब एसआइटी ने उनसे सवाल किए तो वह निशब्द थे। जिसके बाद सोमवार की रात से ही बीमारी का हवाला देने लगे। बार-बार डॉक्टरों को बुलाया। मैडिकल कॉलेज में भर्ती भी हुए। लखनऊ रेफर किए जाने की बारी आई तो उठकर सीधे आश्रम आ गए। वहां से गुरुवार रात करीब एक बजे लखनऊ निकलने की तैयारी में थे, मगर एसआइटी पहुंच गई।

सेवादारों ने कहा, इलाज को ले जा रहे: एसआइटी ने उन्हें गेका तो उनके सेवादारों ने कहा कि दवा के लिए लखनऊ में किंग जार्ज मैडिकल कॉलेज ले जा रहे हैं। उनकी बात को दरकिनार कर एसआइटी ने वहीं डॉक्टर बुलाकर चेकअप कराने को कहा फिर पुलिस तैनात कर दी। तभी से माना जाने लगा कि चिन्मयानंद की गिरफ्तारी किसी समय हो सकती है। एसआइटी को भी आभास था कि सुबह कॉलेज खुलने पर विरोध की स्थिति हो सकती है, इसलिए सुबह साढ़े आठ बजे ही टीमें आश्रम पर पहुंचना शुरू हो गईं। एसपी सिटी दिनेश त्रिपाठी के अलावा कई थानों का फोर्स भी साथ गया, जिसके बाद चिन्मयानंद को गिरफ्तार कर लिया गया। उनका मैडिकल कराया गया। फिर कोर्ट में पेश किया गया। जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर के इंस्पेक्टर डॉ. अनुग्रह पाशार ने कहा कि कोर्ट में पेश होने से पहले जिस तरीके से मैडिकल परीक्षण किया जाता है, उसी तरह से स्वामी चिन्मयानंद का किया गया। सीने में भारीन की शिकायत हदय रोग विशेषज्ञ से जांच कराई गई। जिसमें सबकुछ सामान्य निकला।

जेल में बंदियों के साथ खाई रोटी: चिन्मयानंद को जेल में सामान्य बंदियों की तरह रखा गया है। स्वास्थ्य की दृष्टि से डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। चिन्मयानंद को शुक्रवार पूर्वाह्न करीब सवा ग्यारह बजे जेल में दाखिल किया गया। इसके डायरी को में पेश नहीं हो सकी, जिसके चलते कोर्ट अब शनिवार को सुनवाई करेगी। प्रशासन ने भाजपा लघु उद्योग फंड को अर्धे घण्टे के भीतर आदेश दिया था। प्रशासन ने यहां बिजली की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। दोपहर में बंदियों के साथ सामान्य भोजन मिला। आम बंदियों की तरह ही रहेंगे। जेल के

डॉ. नरेंद्र पाल उनकी लगातार निगरानी रख रहे हैं। कहा यह था कि रहा कि उन्हें जेल के अस्पताल में रहने को कह दिया गया है, लेकिन जेल प्रशासन इस मामले में कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था: चिन्मयानंद से पांच करोड़ से रंगदारी मांगने के मामले में गिरफ्तार संजय सिंह, विक्रम उर्फ दुर्गाश व सचिन सेंगर को जेल की बैरक नंबर नौ रखा गया है। उनके जेल में आने के बाद स्वामी की सुरक्षा बढ़ा दी गई।

एनआइए करेगी नरनतारन धमाके की जांच

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

पंजाब के तननतारन में 4 सितंबर को हुए बम धमाके मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) करेगी। पाकिस्तान और सिख फोर् जस्टिस (एसएफजे) से जुड़ा मामला होने के कारण मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर ने केंद्र सरकार से अपील की थी कि वह एनआइए से जांच कराए। पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को इस संबंध में केंद्र का पत्र मिला चुका है। तननतारन के गांव पंडोरी गोला के एक खाली प्लॉट में हुए शक्तिशाली बम विस्फोट में दो लोग मारे गए थे और एक व्यक्ति घायल हो गया था। मारे गए लोग छिपाए गए बम को निकालने के लिए गड़ढा खोद रहे थे कि विस्फोट हो गया था। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित मौड्यूल के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ के दौरान इस पड्यंत्र का पता चला। मौड्यूल का मुख्य साजिशकर्ता विक्रमजीत सिंह उर्फ ग्रंथी ऑपरिट्वा में है। वह पेशे से ग्रंथी और दमदमी टकसाल का अनुयायी है। बिक्रमजीत पहले पाठी के रूप में काम करता था। साजिश में शामिल सात अन्य आरोपित भी विदेश में हैं।

रजनेता, हिंदू नेता व धार्मिक स्थान थे निशाने पर: कट्टरपंथी बिक्रमजीत की

मंशा रजनेताओं, सामाजिक-धार्मिक स्थानों, स्थानीय प्रतिद्वंद्वी राजनेताओं, हिंदू नेताओं और सिख प्रचारकों को निशाना बनाने की थी। अन्य आरोपितों में कैलिफोर्निया में रह रहा गुरपीत सिंह, सैन जोस में रह रहा गुरविंदर सिंह उर्फ प्रिंस, आर्मीनिया में रह रहा सोझी सिंह, अरविंदर सिंह उर्फ हनी, कुलदीप सिंह और रंजीत सिंह उर्फ बबलू शामिल हैं।

पंजाब पुलिस ने अब तक हरजीत सिंह, मनकीत सिंह मान, चन्न्दीप सिंह खालसा उर्फ गब्बर सिंह, मलकीत सिंह उर्फ शेर सिंह उर्फ शेरा, मनदीप सिंह उर्फ भस्मा सिंह, अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत, अमरजीत सिंह उर्फ अमर और गुरजुट सिंह को गिरफ्तार किया है। चन्न्दीप सिंह और गब्बर सिंह पाकिस्तान के उस्मान के संपर्क में था। उस्मान चन्न्दीप को वॉट्सएप संदेश भेजता था। उस्मान ने गब्बर सिंह को खालिस्तान के अलग राज्य का स्थापना के लिए काम करने व कश्मीरी जेहादियों को एकजुट करने के लिए प्रेरित किया। चन्न्दीप की कॉन्टैक्ट लिस्ट में कई पाकिस्तानी नंबर भी पाए गए हैं। गुरजुट सिंह, बिक्रमजीत सिंह व विक्की गिल ने दिसंबर 2016 में तननतारन में एक मिशनरी पर दो बम फेंके थे। बम विस्फोट नहीं हुआ था और घटना में किसी को चोट नहीं आई थी।



दैनिक जागरण

जो ऊंची छलांग लगाना चाहता है, उसे लंबा दौड़ना होगा

एक बड़ा फैसला

मंदी के माहौल को दूर करने के लिए कॉरपोरेट टैक्स घटाने के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के फैसले पर उद्योग जगत से लेकर शेयर बाजार ने जैसी उत्साहजनक प्रतिक्रिया व्यक्त की उससे यह अपने आप साबित हो जाता है कि व्यापक असर वाला एक बड़ा कदम उठा लिया गया है। यह फैसला भारतीय उद्योग जगत के साथ वैश्विक कारोबारियों को भी आकर्षित करने वाला तो है ही, आर्थिक सुस्ती को दूर करने और साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति सकारात्मक सोच का संचार करने वाला भी है। इस फैसले के तहत कॉरपोरेट टैक्स 30 फीसदी से घटाकर 22 फीसदी कर दिया गया है। इसके साथ ही मैनुफैक्चरिंग सेक्टर की कई कंपनियों के लिए टैक्स 25 फीसदी से घटाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। करीब-करीब सभी यह मान रहे हैं कि इस बड़े फैसले के अपेक्षित परिणाम सामने आएंगे, लेकिन यह सरकार के साथ उद्योग जगत को भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसा वास्तव में हो और उसका लाभ आम आदमी को रोजगार के बढ़ते अवसरों के रूप में मिले। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि उद्योग-धंधों की बढ़त के साथ ही रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हों। इससे ही मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था गति पकड़ेगी।

उद्योग जगत एक अरसे से कॉरपोरेट टैक्स में कमी की मांग कर रहा था ताकि वह वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा का सामना कर सके, लेकिन यह मांग पूरी करने के बजाय इस वर्ष आम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए गए जिससे कारोबारी हतोत्साहित हुए। शायद इसी कारण वित्त मंत्री के फैसले को भूल सुधार की संज्ञा देने के साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि अपने देश में मुश्किल वक्त में ही बड़े कदम उठाए जाते हैं। यह जरूरी है कि मुश्किल वक्त की आहट समय रहते महसूस की जाए। कॉरपोरेट टैक्स घटाने के फैसले का एक पहलू यह भी है कि इससे सरकारी खजाने में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये की कमी आएगी। चूंकि जीएसटी के जरिये अपेक्षित राजस्व की प्राप्ति नहीं हो पा रही है इसलिए सरकार को इसकी संतुष्टि करनी होगी कि उसे आवश्यक धन की प्राप्ति कहाँ से हो? यह सही समय है कि सरकार विनिवेश प्रक्रिया को गति प्रदान करे। जब सैद्धांतिक तौर पर यह मान लिया गया है कि सरकार का काम उद्योग-धंधे चलाना नहीं तब फिर सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की दिशा में आगे बढ़ा ही जाना चाहिए। इसके साथ ही एक अरसे से लंबित पड़े श्रम सुधारों और औद्योगिक विवाद से जुड़े जटिल कानूनों की भी सुध ली जानी चाहिए। यह सब करके ही कारोबारी माहौल को सचमुच सुगम बनाने में सहूलियत मिलेगी।

योजनाओं में बढ़े भागीदारी

वैसे तो सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में बिहार के किसानों की भागीदारी कभी बढ़-चढ़ कर नहीं देखी, लेकिन प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना की रिपोर्ट इससे इतर है। इस योजना में यहाँ के किसानों ने यूपी को भी पीछे छोड़ दिया है। भागीदारी में हरियाणा के बाद फिलहाल बिहार के किसान दूसरे स्थान पर हैं। यह उनकी सुरक्षित और सुगम जीवन के प्रति सकारात्मक सोच को ईंगित करता है। जरूरत है सक्रियता और सतर्कता के साथ मुकाम को हासिल करना। खासकर वैसे किसानों के लिए इस योजना में भागीदारी ज्यादा अहम है, जिनका खेती-बाड़ी के अलावा आय का कोई दूसरा स्रोत नहीं है। दो हेक्टेयर की जोत वाले वैसे किसान जिनकी उम्र 18 से 40 वर्ष की हो, मामूली अंशदान कर इस पेशन योजना को उम्र के अंतिम पड़ाव में गुजर-बसर का आधार बना सकते हैं। यदि दो हेक्टेयर की खेती को संवार जाए तो 55 से 220 रुपये का मासिक अंशदान बड़ी रकम नहीं कही जाएगी। यही अंशदान योजना के भागीदार को 60 की उम्र के बाद प्रतिमाह पेशन के रूप में तीन हजार रुपये की मदद करेगा। अंशदान की उम्र सीमा भी ऐसी रखी गई है जिस अवधि में किसान ज्यादा से ज्यादा मेहनत करने में शारीरिक रूप से सक्षम होते हैं। किसानों के लिए किसान सम्मान योजना भी खाद-बीज के लिए मददगार है। इसका लाभ भी बड़ी तादात में किसान उठा रहे हैं। हालांकि आधे-अधूरे कागजात की वजह से इस योजना में चयन के स्तर पर कुछ जगहों पर चूक भी देखी गई। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुधार की प्रक्रिया के बाद वास्तविक लाभुकों के लिए यह लाभ सुव्यवस्थित हो जाएगा। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के लिए अब तक राज्य के 1.87 लाख किसान आवेदन कर चुके हैं। यह फिलहाल यूपी के अब तक के 1.84 लाख किसानों के आवेदन से ज्यादा है, लेकिन इसे और गति देने की जरूरत है। बिहार में 1.60 करोड़ किसान परिवार हैं। इनमें कुछ किसान योजना की योग्यता के बाहर होंगे, लेकिन 1.84 लाख की संख्या कम ही कही जाएगी। आवेदन की प्रक्रिया इस साल अगस्त से ही शुरू कर दी गई थी। सवाल यह है कि यह आंकड़ा हरियाणा के अब तक के 3.99 लाख आवेदन के आंकड़े को पार क्यों नहीं कर सकता। गौर करें तो बिहार के 22 जिलों में इस योजना के प्रति पर्याप्त सक्रियता नहीं दिख रही। इसे गति देने की आवश्यकता है।

महिला से अलग पुरुष की अभिव्यक्ति

मेरा मन करता है कि मैं दुनिया को पुरुषों की नजर से देखूँ, लेकिन देख नहीं पाती हूँ। क्यों नहीं देख पाती, क्योंकि मेरे पास पुरुष की सोच नहीं है और ना ही पुरुष की सोच क्या है, यह किसा किताब से अनुभव मिला है! पुरुष स्वयं को कम ही अभिव्यक्त करते हैं, जिससे उनके दर्द क्या है, उनकी सोच क्या है, उनकी चाहत क्या है, पता नहीं चल पाता है! उनकी बातें दुनिया-जहाँ पर होती हैं, लेकिन कभी खुद के बारे में नहीं होती हैं। वे महिला का दर्द खूब उकेर लेते हैं, लेकिन पुरुष का असली दर्द कभी नहीं उकेरते। बस अपने बंध पर लिख देते हैं कि मर्द को दर्द नहीं होता।

यदि मर्द को दर्द नहीं होता तो दुनिया में इतना दर्द किसका है। कोई भी पुरुष जब किसी को दर्द देता है तो उससे पहले वह दर्द लेता है। उसके सीने में दर्द पैदा होता है और उस दर्द को पाटने के लिए दूसरों को दर्द देता है। मैं वही जानना चाहती हूँ कि आखिर यह दर्द क्या है? आखिर वह दर्द क्या है जो एलेक्जेंडर को सुदूर मेसिडोनिया से लेकर आता है? क्या सत्ता पाना उसका सबसे बड़ा दर्द है? क्या पुरुष का दर्द यौन पिपासा है? वह कौन सा दर्द है जो पुरुष को मृत्यु के बाद भी जन्मत की कल्पना में हूँ



डॉ. एके वर्मा

लोकतंत्र में आलोचना जरूरी है, पर उसकी विश्वसनीयता के लिए जनप्रतिनिधियों में ज्ञान, विशेषज्ञता, अनुभव और शालीनता का होना अपरिहार्य है

आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है। यदि इस आत्मा का स्वरूप विकृत हो जाए तो लोकतंत्र भी विकृत हो जाएगा। आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए ताकि विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं में 'अवरोध और संतुलन' बना रहे तथा सरकार उत्तरदायी, संवेदनशील एवं पारदर्शी हो सके। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को जनता चुनती है। केवल ज्यादा वोट पाने से सरकार को अधिकार नहीं मिलता कि वह अपनी ही पार्टी का प्रोग्राम लागू करे और विपक्ष को दरकिनार कर दे। इंग्लैंड में 'ब्रेकिंग्टन' का अनुभव इसका ताजा उदाहरण है। विपक्षी दलों और प्रेस पर आलोचना की प्रमुख जिम्मेदारी होती है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस में विचारधारा, नेतृत्व और दलीय विश्वास का संकट है जिससे आंतरिक कलह बढ़ गया है। यही हल कमीवेश अन्य दलों का भी है। मीडिया का भी एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे सत्तापक्ष और विपक्ष में बंटता जा रहा है जिससे उनकी विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में है। इसमें संदेह नहीं कि लोकतांत्रिक आलोचना में गिरावट आई है। आलोचना की प्रकृति आरोप लगाने वाली हो गई है। ऐसा लगता है कि सरकार पर आरोप लगाना ही विश्वास का एकमात्र उद्देश्य रह गया है। इससे दो नुकसान हुए हैं। एक, सरकार को पता नहीं चल पाता कि उसने वास्तव में क्या गलत किया और उसे कैसे बेहतर किया जा सकता

था? दूसरा, जनता मान चुकी है कि विरोधी दल, राजनीतिज्ञ और मीडिया का बड़ा वर्ग रचनात्मक और सकारात्मक भूमिका छोड़ नकारात्मक और विध्वंसात्मक भूमिका में आ गए हैं। परिणामस्वरूप वाजिब आलोचनाएं भी संदेह के घेरे में आ जाती हैं। आलोचना को आरोप का स्वर देने से देश, सरकार और विपक्ष, तीनों को नुकसान हुआ है। आलोचना व्यक्तिमूलक हो गई है। सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और निर्णयों की आलोचना करने के बजाय नेतृत्व या व्यक्ति पर प्रहार हो रहे हैं। यह भ्रष्टाचार है जो आलोचना की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। ऊपर से भाषा में गंभीर गिरावट आई है। यह दिखाता है कि आलोचक बौद्धिकता से कितनी दूर हो गई है। उनके पास विचार, तथ्य या भाषाई शिष्टाचार नहीं है। राज्य विधानसभाओं में भी विरोध करने में तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति का स्थान शक्ति-प्रदर्शन ने ले लिया है। यह सब जनता मूक और असहाय दर्शक के रूप में देखती रहती है। वह नहीं जानती कि लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा और लोकतांत्रिक आलोचना के बिगड़ते स्वयं ने तालमेल कैसे बैठया जाए?

नवंबर 2016 में विपुदीकरण की आलोचना करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उसे 'संगठित एवं कानूनी लुट' की संज्ञा दी थी और 'जीएसटी' को 'टैक्स-टेररिज्म' कहा था। राहुल गांधी ने उसी 'जीएसटी' को गबबर सिंह टैक्स कहा जिसका संसद में स्वयं कांग्रेस



अवधेश राजगुप्त

पार्टी ने समर्थन किया और जिसे राज्यसभा में मनमोहन सिंह ने पास करवाने में अहम भूमिका निभाई। हाल में मनमोहन सिंह ने संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान न देने के लिए मोदी की आलोचना की, लेकिन वह भूल गए कि अपने दस वर्षों के लंबे कार्यकाल में नरसिंह राव द्वारा स्वीकृत उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण से उत्पन्न माहौल में उन्होंने भूमि संबंधी कानूनों, श्रम-कानून और मंडी-एक्ट में वांछित सुधार नहीं किए जिससे कृषि और 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम' विकसित नहीं हो सके। ऐसी अताकिंक आलोचनाओं का जनता पर गहरा असर पड़ा जिससे 2019 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई। इस समय भी आर्थिक मंदी की चर्चा है। आलोचकों के अनुसार अगस्त 2019 में भारत का निर्यात छह प्रतिशत घट गया है, लेकिन वे यह छुपा गए कि विदेशों से आयात भी 13.45 प्रतिशत घटा है जिससे व्यापार संतुलन बेहतर हुआ। इसी प्रकार महंगाई दर चार प्रतिशत से कम होने पर भी ध्यान नहीं दिया गया। फिर भी इन आलोचनाओं के चलते मोदी सरकार ने अपने निर्णयों में नमनीयता दिखाई, चाहे वह

कॉरपोरेट टैक्स में कटौती का फैसला हो या फिर इसके पहले उठाए गए अन्य कदम। कैसे बड़े आलोचना की विश्वसनीयता? इसके लिए राजनीतिक दलों को कम से कम तीन कदम उठाने पड़ेंगे। प्रथम, वे अपने सांसदों और विधायकों को विभिन्न विषय या मंत्रालय आवंटित कर दें और उनसे इन विषयों या मंत्रालयों के कामकाज में विशेषज्ञता हासिल करने को प्रेरित करें। इससे पार्टी में संबंधित मंत्रालयों या विषयों के विशेषज्ञ होंगे जो सरकार की तार्किक आलोचना कर सकेंगे। इससे आलोचना का स्वरूप व्यक्ति केंद्रित न हो कर नीतियों, कार्यक्रमों और निर्णयों पर केंद्रित होगा जिससे सरकार सतर्क होगी, जनता शिक्षित होगी और विपक्ष की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

दूसरा, दलों को राजनीतिक स्पर्द्धा के साथ-साथ राजनीतिक-सौहार्द भी बढ़ाना पड़ेगा। लोकतंत्र में विरोध और आलोचना को संवैधानिक मान्यता प्राप्त है। विरोध का अर्थ शत्रुता नहीं, आलोचना का अर्थ मनमुटाव नहीं। ऐसा प्रयास करना होगा कि सदन के अंदर और बाहर विभिन्न दलों और नेताओं में पारस्परिक सौहार्द बना रहे। इसमें पहल हमेशा सत्तारूढ़

कमजोरी का प्रतीक नहीं हैं आंसू

चंद्रान-दो अभियान से जुड़े लैंडर विक्रम की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग न हो पाने और फिर ऑर्बिटर से उसका संपर्क टूट जाने बाद इससे प्रमुख के. सिवन भाव विह्वल हो गए और अपने आंसू रोक नहीं पाए। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गले लगाकर उनका हाँसला बढ़ाया। इस तस्वीर के आते ही लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। बहुत से लोगों ने कहा कि यह इन दिनों की सबसे अच्छी तस्वीर है, लेकिन बहुतों ने पंजाब की उड़ाया। वैज्ञानिक वर्षों तक जिस प्रोजेक्ट पर कड़ी मेहनत करते हैं उसमें सफल हो जाए, यह जरूरी नहीं। इसलिए सिवन का रोना या वैज्ञानिकों का सिर पकड़कर बैठना बहुत स्वाभाविक प्रतिक्रियाएं थीं। मनुष्य के सुख-दुख, उसके आंसू, उसकी तमाम भावनाएं जैसे इस एक चित्र में प्रकट हो गई थीं। यह तस्वीर इसलिए भी अनोखी थी कि देश के प्रधानमंत्री का इस तरह से अपने ही देश के वैज्ञानिकों को गले से लगाना, उसकी पीठ थपथपाना, उसे ढाढस देना और भविष्य की आशा बंधाना मानवीय अभिभावक होने की गवाही दे रही थी। सिवन ने कहा भी कि जब देश का प्रधानमंत्री आपको गले लगा रहा हो तो आपको प्रेरणा मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि रॉकेट साईंस में हमेशा कुछ रहस्य बने रहते हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों में सफलता की कोई गारंटी नहीं होती, फिर भी सफलता की आशा में प्रयोग लगावार चलते रहते हैं। हर बार कोई गलती, हमेशा एक नया सबक देती है।

पता नहीं क्यों सिवन के आंसू भारत से लोगों को रास भी नहीं आए। कुछ लोग कहने लगे कि ऐसे भी कोई रोता है। किसी ने कहा किसी मुसीबत के वक्त इस तरह से रोना बताता है कि ऐसा आदमी वैज्ञानिकों की टीम का नेतृत्व करने लायक ही नहीं। यह भी कहा गया कि दफ्तर में या काम की जगह पर रोना गैर पेशेवराना है। जाहिर है कि बहुतांश को पुरुषों का रोना पसंद नहीं आता। जैसे कि पुरुष हाड़-मांस के इंसान नहीं होते, उनकी भावनाएं नहीं होतीं, उन्हें कोई दुख नहीं सालता, उन्हें जीवन में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ता। पिछले 50 वर्षों में पुरुष की ऐसी रुढ़िवादी छवि बना दी गई है कि लोग और मीडिया उसके बाहर जाकर उसे देखना ही भूल गए हैं। आखिर पुरुष होकर क्यों कोई नहीं रो सकता? इसलिए कि जिन लोगों ने उनकी क्रूर, स्वाधी, पत्थर दिल होने की छवि बनाई है, इससे उस छवि को नुकसान पहुंचता है। जबकि सबसे अधिक पुरुष आत्महत्या करते हैं, उन्हें बड़ी संख्या में हृदय रोग और बीमारियाँ होती हैं। घर-गृहस्थ की चिंता में रात-दिन खरटें हैं, मगर इसका कोई श्रेय शायद ही उन्हें कभी दिया जाता है। शायद इसी कारण सिवन के रोने को लोगों ने अजुबे की तरह देखा।

इस तरह की बातों में हमारा वही सदियों पुराना सोच छिपा हुआ है। जो आज भी किसी रोने वाले पुरुष को



क्षमा शर्मा

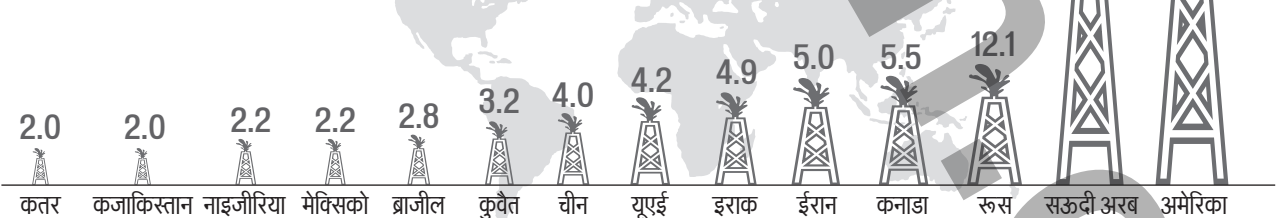
पुरुष भी दुखी-आहत होते हैं और उनके भी आंसू निकलते हैं, इसे मानने में भला इतनी तकलीफ क्यों?

कमजोर की तरह देखता है। उनकी नजर में रोना औरतों का काम है, क्योंकि औरतें आदमियों से कमजोर होती हैं। जब आदमी रात-दिन काम करता है तो उसे उस काम की सफलता भी चाहिए। इस सोच में कुछ बुरा भी नहीं है। ऐसे में जब एकाएक कोई हदसा हो जाए और आंसू छलक पड़ें तो इन आंसूओं का मजाक उड़ाना नृशंसता को बताता है। आखिर आंसू कमजोरी का प्रतीक क्यों हैं? दुनिया में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के बनाए यान अपना कार्यकाल पूरा करके जब अन्तर् की यात्रा पर निकल पड़ते हैं तो भी उनका निर्माण करने वाले वैज्ञानिक फूट-फूटकर रोने लगते हैं। यह बिछड़ना ऐसा ही होता है जैसे अपने बच्चे से बिछड़ना। जिसका निर्माण किया, वर्षों तक अंतर्िक्ष में पाला-पोसा और जब बिछड़ने का वक्त आता तो आंसू निकल पड़े। इसमें हंसने जैसा क्या है? या फिर आज के दौर में भी पुरुष की वही छवि चाहिए कि मर्द को दर्द नहीं होता। पुरुष भी दुखी-आहत होते हैं और उनके भी आंसू निकलते हैं, इसे मानने में भला इतनी तकलीफ क्यों? एक वैज्ञानिक सिर्फ वैज्ञानिक नहीं होता है, बल्कि वह एक इंसान भी होता है। सिवन के इस तरह से अफसोस प्रकट करने से यह भी पता चला कि वह चंद्रयान-दो अभियान से भावनात्मक रूप से भी कितने गहरे जुड़े थे। सच तो यह है कि जब तक किसी अभियान से आप भावनात्मक रूप से नहीं जुड़े होते, उसे कभी पूरा नहीं कर सकते। जब अमिताभ बच्चन किसी बात से दुखी होकर पर्दे पर आंसू बहाते हैं तब तो हम खूब तालियां बजाते हैं, मगर जीवन में हमें आंसू नहीं चाहिए। (लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | वैश्विक तेल उत्पादन में हिस्सेदारी

(2018 के आंकड़े फीसद में)



राजनीति में भी हो रीटायर होने का प्रावधान

राजनीति से रीटायर होने से इन्कार शीर्षक लेख के तहत प्रदीप सिंह ने देश की राजनीति में नए चेहरों को आगे आने का मौका देने के लिए पुराने राजनेताओं को नसीहत दी कि वे खुद ही राजनीति से संन्यास ले लें। अक्सर हम सब देखते हैं कि जब किसी क्रिकेट खिलाड़ी को यह एहसास होने लगता है कि वह खेल में शायद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगा तो वह संन्यास लेने का मन बना लेता है। लेकिन हमारे देश की राजनीति में बहुत से ऐसे नेता हैं जो अमरदराज होने पर ही राजनीति से रीटायर नहीं होना चाहते, लेकिन भाजपा के दो मुख्य दिग्गज अरुण जेटली और सुभाष स्वराज ने अपने खराब स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार से बाहर रहने का मन बनाकर मिशाल पेश की थी। उन्हें किसी मंत्री पद का लालच नहीं था। अगर कांग्रेस की बात की जाए तो सोनिया गांधी ने फिर से कांग्रेस की बागडोर खुद संभाल कर यह बता दिया कि कांग्रेस या तो परिवारवाद से मुक्त नहीं होना चाहती या फिर इसको गांधी परिवार के अलावा किसी अन्य अपने व्यक्ति पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस को इस पर गौर जरूर करना चाहिए कि पार्टी कि गिरती साख के लिए कहीं इसका परिवारवाद का मोह तो जिम्मेदार नहीं है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन अफसोस इस बात का है कि कुछ स्वाधी लोगों ने देश की राजनीति में आकर लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर दिया। देश की राजनीति में तो ऐसे चेहरे भी हैं जो न जाने कितने वर्षों से राजनीति में डेरा डाले बैठे हैं, इन्हें से कुछ भ्रष्टाचार के आरोपी और दागी भी हैं। चुनाव आयोग को चाहिए कि यह लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने और आमजन का विश्वास राजनीति में बढ़ाने

मेलबाक्स

के लिए कुछ टोस और उचित कदम उठाए, जैसे चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की शैक्षिक योग्यता, उम्र निर्धारित की जाए, शैक्षिक योग्यता कम से कम बारहवीं से ऊपर और उम्र 60-65 से कम, ताकि देश की राजनीति में नए चेहरे आ सकें।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

हिंदी का राजनीतिक विरोध

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हिंदी को लेकर दिए बयान का विरोध गलत है। उन्होंने किसी भी गैर हिंदी भाषी राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने की बात नहीं कही है, बल्कि हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में अपनाने की बात कही है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं है, जहाँ कई भाषाएं न बोली जाती हों। लेकिन हर देश की एक भाषा होती है, जिसके नाम से उस देश की वैश्विक पहचान बनती है। डिटेन में भी कई भाषाएं हैं, लेकिन वहाँ को मान्य भाषा अंग्रेजी है। भारत में ऐसा नहीं है। जबकि देश की आजादी के समय सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा के रूप में हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने का विचार था। वैश्विक स्तर पर देश की पहचान एक भाषा से होती है। इसमें कोई दुर्घट्ट नहीं है। भारत में आज हिंदी को लेकर कुल 22 राज भाषाएं हैं, लेकिन किसी को राष्ट्र भाषा का दर्जा प्राप्त नहीं है। हिंदी को केवल हिंदी भाषी राज्यों में ही नहीं, अपितु दक्षिण के राज्यों में भी बोलने व समझने वाले कम नहीं हैं। हिंदी को राष्ट्र भाषा बना देने से देश की अन्य भाषाओं को कोई नुकसान भी नहीं है। उनके बोलने-समझने वाले उसी तरह

दल को ही करनी पड़ेगी। उसे यह समझना होगा कि विपक्ष भी अपने संवैधानिक दायित्वों का ही पालन कर रहा है जिसका सम्मान होना चाहिए। सरकार के विरोध का अर्थ देश का विरोध नहीं होता। विरोध के स्वयं को दरकिनार नहीं किया जाना चाहिए। सरकार गंभीर मुद्दों पर विपक्ष से सतत संवाद बनाए और शांत वातावरण में विपक्ष की बात समझे और आलाप पक्ष समझाए। चूंकि लोकतंत्र में सत्ता-परिवर्तन अपरिहार्य है इसलिए आज जो दल विपक्ष है वह कल सत्तापक्ष में होगा। जब राजनीतिक दलों में सौहार्द रहेगा तब लोकतांत्रिक व्यवस्था और उसकी संस्थाओं में भूमिका निभाना एक सुखद अनुभूति होगी।

लोकतंत्र में आलोचना जरूरी है, पर उसकी विश्वसनीयता हेतु जनप्रतिनिधियों में ज्ञान, विशेषज्ञता, अनुभव और शालीनता का होना अपरिहार्य है। इसीलिए तीसरे कदम के तहत राजनीतिक दलों को भाषाई शिष्टाचार पर भी ध्यान देना होगा। संविधान संसद और विधानसभाओं में सांसदों और विधायकों की अभिव्यक्तियों को संरक्षण देता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सांसद और विधायक उसका दुरुपयोग करें। भाषा में गिरावट न केवल पूरे माहौल को खराब कर देती है वरन संसदीय प्रक्रिया को भी कलंकित करती है। संसदीय कार्यवाही के सजीव प्रसारण से संसदीय अभिव्यक्तियों और व्यवहार का साक्षी पूरा देश होता है। वह जनता के लिए प्रतिमान बनता है और वे उसका अनुकरण करते हैं। वे समझते हैं कि सांसदों-विधायकों की तरह उनका भी कुछ नहीं होगा। भ्रष्ट पुलिस के कारण ऐसा होता भी है। आम नागरिक परेशान होता है, जबकि अपराधी बच निकलते हैं।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसायटी एंड पॉलिटिक्स के निदेशक हैं)

response@jagran.com



सकारात्मक नजरिया

मनुष्य के जीवन में सकारात्मक नजरिये का बहुत महत्व है। जिंदगी के शुरुआती दौर से लेकर अंत तक हम किसी न किसी प्रकार से संघर्ष के दौर से गुजर रहे होते हैं। ऐसे में हमारे अंतर्मन में तमाम प्रकार के नकारात्मक विचार भी प्रबलता से अपना स्थान बनाते जाते हैं जो कुछ समय अपना एक स्थायी पैठ बना लेते हैं। ये हमारे जीवन में हर मोड़ पर बाधा बनकर खड़े हो जाते हैं। जीवन के प्रत्येक मोड़ पर मुश्किल हालातों का सामना यदि हम अपनी नकारात्मक सोच और नजरिये को हटा कर करें तो हमारी सफलता दर काफी हद तक बढ़ जाएगी। एक निराशावादी व्यक्ति को हर अवसर में कठिनाई दिखती है वहीं एक आशावादी व्यक्ति को हर कठिनाई में अवसर दिखता है।

सकारात्मक सोच ही सफलता की बुनियाद होती है, क्योंकि इस पर आगे मनुष्य के अंदर संघर्ष, धैर्य और प्रेरणा जैसे गुण विकसित होते हैं जो सफलता के भाव को जगाते हैं। सकारात्मक दृष्टि मनुष्य के अंदर आशा को जन्म देती है जिससे वह अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने अंदर छुपी प्रतिभा को उकेरता है। नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति दूसरों में हताशा कियों को खोजते रहते हैं जो व्यक्ति के अंदर हीनभावना को जन्म देती है। हीनभावना से प्रभावित व्यक्ति कभी भी अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाता। वह इस सच्चाई को नहीं समझ पाता कि नकारात्मक सोच ही असफलता का मूल कारक है। वहीं सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति अपनी कमियों को दूर कर सकारात्मक मन से लक्ष्य के प्रति आगे बढ़ता है। इसका एक कारण यह भी है कि ऐसे लोगों में आत्मविश्वास भरा होता है जो वास्तव में सबसे बड़ी प्रेरणा है। सकारात्मक नजरिये का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे मनुष्य के अंदर मुश्किलों से लड़ने की क्षमता विकसित हो जाती है, उनके अंदर भाईचारे, सामाजिक सहयोग और समन्वय के गुण आ जाते हैं। इस प्रकार यह तनाव, कड़वाहट और बिना लक्ष्य के जिंदगी जीने जैसी कमियों को दूर कर एक अच्छी शिष्टियत के निर्माण में सहयोग करता है।

राजेश राय

अपनी भाषा में काम करते रहेंगे। उन्हें हिंदी पढ़ने की भी कोई बाधता नहीं होगी। हिंदी के साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं का भी विकास चलता रहेगा। केवल राजनीति के लिए विरोध करना उपयुक्त नहीं है। इससे किसी का भला होने वाला नहीं है। जो नेता हिंदी का विरोध कर रहे हैं उन्हें हिंदी का विरोध करने के बजाय अपनी भाषा के विकास के लिए सरकार को सुझाव देने चाहिए, जिससे हिंदी के साथ अन्य भारतीय भाषाओं के विकास के लिए सरकार कुछ कदम उठा सके।

rumasingh12345@gmail.com

अयोध्या का विवाद

अयोध्या राम जन्मभूमि एवं बाबरी मस्जिद विवाद लंबे अरसे से चला आ रहा है। अब इसके समाधान की उम्मीद बंधी है। सुप्रीम कोर्ट हर पक्ष को सुन एवं साथ ही देख रहा है। इसके बाद जो फैसला आता है, उसे दोनों ही पक्ष को स्वीकार करना चाहिए। सामाजिक सौहार्द के लिए भी इस विवाद का हल जरूरी है।

hemahariupadhyay@gmail.com

इस संतर्भ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

आजकल



प्रो. ललन प्रसाद
पूर्व विभागाध्यक्ष,
बिजनेस इकोनॉमिक्स
विभाग, दिल्ली
विश्वविद्यालय

देश भर में कई सेक्टर में गिरती मांग के कारण उत्पादन में कमी आई है और बेरोजगारी बढ़ाने की वजह बनी है। कर नीति और बड़े संस्थागत सुधार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं। निवेश में कमी आ रही है, विदेशी निवेशकों का आकर्षण कम हो रहा है। स्वदेशी निवेशक भी हथ रोके बैठे हैं। रिजर्व बैंक की संचित पूंजी और रिजर्व से जितनी बड़ी रकम सरकार ने ली है उसनी एक वित्त वर्ष में पहले कभी नहीं ली। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के दायरे में आने वालों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, किंतु करों से मिला राजस्व अपेक्षा से कम हुआ है। कीमतों का स्तर नियंत्रण में रख, किंतु उत्पादकों को इससे नुकसान हुआ है।

विनिर्माण क्षेत्र का विकास अगस्त 2019 में पिछले 15 महीनों के सबसे निचले स्तर पर आ गया था। जुलाई 2018 में इस क्षेत्र का विकास दर 7.3 प्रतिशत था जो जुलाई 2019 में 2.1 प्रतिशत हो रह गया। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी की वस्तुओं के उत्पादन में गिरावट बनी रही। ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगभग 20 से 30 प्रतिशत तक की गिरावट का अनुमान है जो पिछले दो दशकों में नहीं हुआ। दो-पहिया वाहनों, कारों, वाणिज्यिक वाहनों आदि की मांग गिरी है। बड़ी कंपनियों ने उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है। कच्चे माल के सप्लायर्स को भुगतान मिलने में देर हो रही है, बैंकों से कर्ज लेना उतना आसान नहीं है जितना सरकार वादे कर रही है। जीएसटी की प्रक्रिया में सरलीकरण की मांग सभी क्षेत्रों के छोटे और मध्यम उद्यमियों और व्यापारियों द्वारा शुरू से है, किंतु सरकार उसनी संवेदनशील नहीं है, जितनी अपेक्षा है। समय-समय पर आश्वासन दिए जाते हैं, किंतु अमल कागजों पर अधिक, धरातल पर कम है।

उपभोक्ता के पास नकदी का अभाव : आम उपभोक्ता के पास नकदी की कमी है। डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास जिस गति से किया जा रहा है उससे नकदी की किल्लत और बढ़ी है। एटीएम से रुपये निकालने की सीमा पहले से ही बाजार में रुपये के सर्कुलेशन को प्रभावित कर रही है। अमीर देशों में जहां लोगों की औसत आमदनी भारत से कई गुना अधिक है, वहां की परिस्थितियां अलग हैं। डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ने में भी लोग बड़ रहे हैं, किंतु आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी इसे पूरी तरह से अपना नहीं पाया है और वह इसे असहज मानता है जिससे यह कहा जा सकता है कि बहुत जल्दबाजी की आंच अर्थव्यवस्था पर पड़ रही है। यह सच है कि विमुद्रीकरण की मार से अर्थव्यवस्था अभी पूरी तरह उबरी नहीं है।

ट्वीट-ट्वीट

कॉरपोरेट टैक्स की दर को घटाकर 25 प्रतिशत पर लाना बहुत बड़ा सुधारवादी कदम है। इससे भारतीय कंपनियां भी अमेरिका जैसे निम्न कर वाले देशों की कंपनियों से प्रतिस्पर्द्धा कर पाएंगी। यह संकेत देता है कि सरकार आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और कर संबंधी नियमों का पालन करने वाली कंपनियों का समर्पन करती है। यह एक प्रगतिशील फैसला है।

उद्यय कोटक@udaykotak

कॉरपोरेट टैक्स में कटौती कर सच में आपने बहादुरी का काम किया है वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी। आप शाबाशी पाने की हकदार हैं। जीएसटी के मोर्चे पर भी ऐसे साहसिक कदमों की दरकार है।

प्रीतिश नंदी@PritishNandy

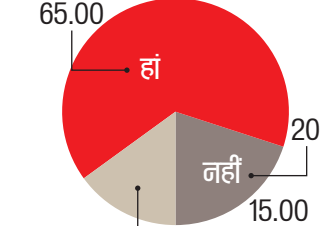


पिछले तीन हप्तों के दौरान वित्त मंत्री द्वारा आर्थिक सुधारों से संबंधित जितनी भी घोषणाएं की गई हैं, वे सभी अगर उनके जुलाई के बजट भाषण में होती तो मनमोहन सिंह के 1991 के बजट भाषण की तरह उनका भी बजट भाषण ऐतिहासिक होता।

संजय बारु@Barugaru1

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की मांग केंद्र सरकार को मान लेनी चाहिए?



सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या वित्त मंत्री के एलान के बाद आर्थिक सुस्ती का दौर खत्म होगा?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y**, **N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें **Y** – हाँ, **N** – नहीं, **C** – कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

मंदिर जाने में कहां रुचि है उनको या, फर्क न पड़ता तुम हम दो प्रतिबंध हार। दो प्रतिबंध हजार हुए खुश दिग्गी भाई, दाढ़ी-बुकों बीच वोट की बड़ी कमाई। कहां जा रहे रोज प्रभू के घरणों में गिर, जो होगी तकलीफ न जा पाए यदि गईर।

— ओमप्रकाश तिवारी

आम आदमी की आमदनी बढ़ाने की जरूरत

पिछली पांच तिमाही में विकास दर में लगातार कमी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में पांचवें से सातवें पायदान पर ला दिया है। विकास दर पिछले छह वर्षों के निचले स्तर पर है। वर्ष 2023–24 तक अर्थव्यवस्था का आकार पांच ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए वर्तमान अर्थनीति को अधिक उदार एवं संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। हालांकि बीते माह से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश की आर्थिक दशा में व्यापक सुधार के लिए प्रयासरत दिख रही हैं, लेकिन छोटे किसानों, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों– कामगारों, लघु व मध्यम उद्योगों एवं व्यापारियों और सेवाकर्मियों की आमदनी में तेजी से वृद्धि के बिना वस्तुओं की मांग में बढ़ोतरी गति नहीं पकड़ सकती



बनी हुई है आर्थिक तेजी की उम्मीद

अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सरकार ने जो बड़े कदम उठाए हैं उनमें सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंकों को आपस में समामेलित करके चार बड़े बैंक बनाना शामिल है। एकीकरण से बैंकों की कर्ज देने और ग्राहकों को सेवाएं देने की क्षमता बढ़ेगी, किंतु इसके लिए भ्रष्टाचार मुक्त चुस्त प्रशासन की आवश्यकता होगी जो पारदर्शी हो और बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाए, वित्तीय मामलों में बैंक स्वतंत्रिर्भर हो और सरकार पर बोझ न बने, जो स्थिति आज है। पिछले एक वित्त वर्ष में बैंकों का एनपीए 8.95 लाख करोड़ रुपये से घटकर 8.06 लाख करोड़ रुपये पर आया है। भविष्य में एनपीए पर कायम नियंत्रण की आवश्यकता बनी रहेगी। बैंकों के पुनः पूंजीकरण के लिए सरकार ने 70,000 करोड़ रुपये के प्रावधान बजट में किए हैं जो कम है। रिजर्व बैंक से सरकार को इस वर्ष 1.23 लाख करोड़ का डिजिटैड और 52,637 करोड़ रुपये का सरलस जो मिला है उसका बड़ा हिस्सा पुनर्गठित बैंकों की पूंजीकरण के लिए खर्च किए जाने का अनुमान है। बाकी रकम करो की उगानी में 65,000 करोड़ रुपये की जो कमी आई है, उसकी पूर्ति और विकास के अन्य कार्यों में लगाए जा सकते हैं। सरकार ने विमल जालान कमेटी की सिफारिशों पर रिजर्व बैंक के कैपिटल फ्रेमवर्क में परिवर्तन किया है जिसका अनुमोदन रिजर्व बैंक बोर्ड ने कर दिया है। इस समय रिजर्व बैंक का इकोनॉमिक कैपिटल फ्रेमवर्क 23.3 प्रतिशत है, जालान कमेटी का मानना है कि विश्व मानक 16 प्रतिशत के आसपास है। सरकार की नजर रिजर्व बैंक के सरलस पर पहले से है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल रिजर्व बैंक की संचित सर्पलस 9.6 लाख करोड़ रुपये में किसी कमी के विरुद्ध थे, लेकिन सरकार अपने डिजिटैड का हिस्सा बढ़ाना चाहती थी। विमल जालान कमेटी की सिफारिशों के बत पर सरकार को अपेक्षा से अधिक रकम रिजर्व बैंक से इस वित्त वर्ष में मिला है। उम्मीद है कि इससे विकास के कार्यों में तेजी आएगी।

उपलब्ध हैं जिस पर हमारे यहां के उद्योग उत्पादन करते हैं। चीन की डीपिंग नीति के कारण यह स्थिति सिर्फ भारत में ही नहीं, अपितु विश्व के बहुत सारे देशों के बाजारों में देखी जा सकती है। चीन से व्यापार नीति पर भारत सरकार को पुनर्विचार की आवश्यकता है, वर्तमान स्थिति में बदलाव की जरूरत है। अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों में भी कुछ तनाव रहा है। मुक्त व्यापार का सबसे बड़ा पक्षधर अब

कायम होती दिख रही स्टार्टअप योजना

प्रशिक्षित नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2016 में स्टार्टअप इंडिया की जो योजना प्रारंभ की थी उसके अच्छे परिणाम दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2016–19 के बीच शुरु किए गए 13,176 स्टार्टअप से 1,48,897 लोगों को काम पर लगाया यानी 11 व्यक्ति प्रति स्टार्टअप। स्टार्टअप जिन क्षेत्रों में शुरू किए गए हैं उनमें प्रमुख हैं– ट्रांसपोर्ट व लॉजिस्टिक्स, हिनिर्माण, कंज्यूमर सॉफ्टवेयर, फूड टेक, हाई टेक, रिटेल टेक, ऑटोमोटिव, टैवल, मीडिया एवं मनोरंजन, एग्री टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, श्रौधी प्रिटिंग, ड्रोन आदि। स्टार्टअप योजना में पूंजी की सुविधा, टैक्स में छूट, पेटेंट आदि आसानी से उपलब्ध है, जिस कारण यह योजना लोकप्रिय हो रही है। किंतु देश की बढ़ती जनसंख्या के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता पूर्ति इस योजना से आंशिक रूप से ही संभव है। आज जो बेरोजगार हैं उनके लिए कुछ समय के लिए ही सही, जब तक आर्थिक सुस्ती का असर है, बेरोजगारी भता देने की योजना भी बनानी चाहिए। भता के बदले शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, सुरक्षा और निर्माण आदि क्षेत्रों में काम दिलाने का भी प्रयास सरकार को करना चाहिए। बेरोजगारी भत्ता योजना अर्थव्यवस्था में रुपये की कमी को कुछ हद तक दूर कर सकेगी।

ऐसे परिदृश्य में भारत को भी अपने बाजार सुस्थित करने और निर्यात को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। वर्ष 2017-18 में भारत का निर्यात विकास दर 13.3 प्रतिशत था जो 2018-19 में सात प्रतिशत पर आ गया। विश्व व्यापार में वर्ष 2019 में 2018 की अपेक्षा कमी का अनुमान लगाया जा रहा है तीन प्रतिशत से 2.6 प्रतिशत पर आने का।



मनोज झा
स्थानीय संपादक, बिहार

बिहार में विधानसभा चुनावों को महज साल भर का समय शेष रह गया है, लेकिन तैयारियों के लिहाज से देखें तो पक्ष और विपक्ष में अभी भी बड़ी-सी खाई नजर आती है। सतारूढ़ राजग खेमा जहां चुनाव तक लिए गए-चौबंद और एकदम तैयार दिखाई देने लगा है, वहीं विपक्षी महागठबंधन में अभी भी तमाम अंतरविरोध और ऊहापोह का वातावरण है। वहां अभी कई चीजें न केवल अस्पष्ट हैं, बल्कि गठबंधन की अगुआई को लेकर भी खींचतान दिखाई दे रही है। ऐसे में राजग की तैयारियां न सिर्फ विपक्ष पर भारी पड़ सकती हैं, बल्कि सतारूढ़ खेमे की ओर से जिस तरह एक के बाद एक सियासी समीकरण साधे जा रहे हैं, उनसे महागठबंधन का चुनावी रास्ता मुश्किल भी हो सकता है। सतारूढ़ खेमे के दो प्रमुख घटक दलों जदयू और भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों की अभी ताजा-ताजा ताजपोशी हुई है। जदयू ने जहां



संगठन के आजमाए हुए अपने पुराने नेता बशिष्ठ नारायण सिंह के अभिभावकत्व पर भरोसा जताया है, वहीं भाजपा ने इस बार अति पिछड़ा समुदाय के तेजतर्रार नेता और बेतिया के मौजूदा सांसद संजय जायसवाल पर दांव लगाया है। जदयू अध्यक्ष के तौर पर बशिष्ठ बाबू की तीसरी बार ताजपोशी को बिहार के सियासी हलके में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक और सखा दुआा कदम माना जा रहा है। ईमानदार छवि के बशिष्ठ नारायण पिछले नौ साल से न सिर्फ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं, बल्कि पार्टी संगठन के लिए उन्हें लेकर बेहद सहज और सरल भी माना जाता है। नीतीश का उनका साथ बहुत पुराना है और जेपी आंदोलन से ही दोनों ने राजनीतिक और वैचारिक धरातल पर साथ-साथ संघर्ष भी किया है। नीतीश आदर्पूर्वक उन्हें बशिष्ठ दादा कहते हैं। इनके अलावा प्रदेश के मौजूदा सियासी परिदृश्य में सर्वण बिहारी से होना भी दादा के पक्ष में होता है। ऐसे में कोई नया नाम अनुकूल दिख रहे इन तमाम हालात में कोई व्यवधान भी पैदा कर सकता था। जाहिर है कि चुनाव के



मधेनजर जदयू नेतृत्व इसके लिए कतई तैयार नहीं हो सकता।

बशिष्ठ नारायण की ताजपोशी से अभी चंद दिन पहले ही जदयू ने अपने जिला और नगर संगठनों में भी बड़ा फेरबदल किया है। नगर और जिला स्तर के कुल 46 अध्यक्ष बदले गए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें दिख रहे इन तमाम हालात में कोई व्यवधान भी पैदा कर सकता था। जाहिर है कि चुनाव के

ज्यादा मौका अति पिछड़े वर्ग को दिया है। यह प्रकारांतर से प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के लिए सीधा संदेश है कि प्रदेश की सियासत में जातियों का लालू राज वाला समीकरण अब शायद बीते दिनों की बात हो गई है। बिहार ने चुनाव दर चुनाव इस बात को प्रमाणित भी किया है कि अब कोई जाति या पार्टी नेतृत्व ने जातीय संतुलन को बनाए रखने की भरसक कोशिश की है। इसमें सबसे

कुशलता से ज्यादा कर्मठता की कमी!

अपनी टिप्पणी पर गंगवार के स्पष्टीकरण को मान लेने के बाद भी यह कहना गलत नहीं होगा कि कुशलता से ज्यादा हमारे देश में कर्मठता की कमी है। देश में कार्य संस्कृति का सर्वथा अभाव दिखाई देता है। और यही देश में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है

उनका आशय कौशल विकास की कमी से था जिस पर उनका मंत्रालय काम कर रहा है। संतोष गंगवार का खुद का नाता भी देश के सबसे बड़े हिंदी पट्टी के राज्य उत्तर प्रदेश से है। इसलिए कोई उन पर उत्तर भारत विरोधी होने का आरोप नहीं लगा सकता। गंगवार वरिष्ठ नेता हैं। केंद्रीय मंत्री के तौर पर उनका लंबा अनुभव है। ऐसे में उनके मुंह से ऐसा बयान सुना थोड़ा अटपटा लगता है।

इन बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि देश में कुशल श्रमिकों की भारी कमी है। और हमारे यहां अकुशल श्रमिकों की संख्या भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष कुमार गंगवार से जुड़ा है। दरअसल पिछले दिनों संतोष गंगवार ने देश में अधिक सुस्ती और बेरोजगारी पर टिप्पणी करते हुए कहा दिया कि देश में नौकरियों की कमी नहीं, लेकिन उत्तर भारतीयों में योग्यता का अभाव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग उत्तर भारत में भर्ती करने आते हैं उनकी शिकायत होती है कि उन्हें योग्य उम्मीदवार नहीं मिल रहे। विपक्ष के हमलावर होते ही गंगवार सफाई देने को मजबूर हुए। उन्होंने कहा कि



प्रतीकात्मक फोटो

अपने देश में श्रमिक का अर्थ सामान्य तौर पर उस व्यक्ति से होता है जो किसी कार्य विशेष में परगत तो नहीं होता, पर ऐसा काम कर सकता है जिसमें श्रम की जरूरत हो। श्रम मंत्रालय ने भी इसीलिए कुशल व अकुशल श्रमिक की श्रेणियां बना रखी हैं। कुशल श्रमिक के लिए लंबे प्रशिक्षण की जरूरत होती है, इसलिए उत्पादन-प्रक्रिया के अंतर्गत उसके द्वारा किया गया योगदान अधिक श्रम- नहीं है, जो हमारी जरूरतों को पूरी कर सके।

अकुशल कर्मचारी के काम में किसी भी प्रकार की विशेषज्ञता नहीं होती। उसको आमतौर पर वह कार्य सौंपा जाता है, जिसे कोई भी व्यक्ति आसानी से कर सकता है। इसलिए उसके योगदान को अपेक्षाकृत कम श्रम-मूल्य द्वारा आंका जाता है।

हमें समझना होगा कि भारत में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार श्रम कानून तो बना दिए गए, लेकिन उसके अनुपात में उत्पादकता सुनिश्चित नहीं होने की वजह से श्रमिकों

को लेकर तो कुछ ज्यादा जागरूकता आ गई जबकि कर्तव्यों की समुचित निर्वहन के प्रति उदासीनता का भाव कामेंट की प्रवृत्ति के लुप्त होने से हो देश में कम करने वालों की कमी होती गई जिसका परिणाम बेरोजगारी के रूप में सामने है। बदलती अर्थव्यवस्था और वैश्विक चुनौतियों के बीच आज देश को सबसे बड़ी जरूरत उत्पादन लागत घटाने की है जिसके लिए समय पर और ज्यादा काम करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। देश के जिन शहरो में झड़कर, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, बर्ड्स जैसे कुशल व्यक्तियों के साथ घरेलू काम करने वाले लोगों, जिन्हें रसोइया भी शामिल है, की भारी मांग है तो ग्रामीण इलाकों में भी खीतिहर मजदूरों की किल्लत है। यदि आंकड़ों के मकड़जाल से हटकर केवल काम संस्कृति के विकास पर ध्यान देते हुए आगे बढ़ा जाए तो बेरोजगारी की समस्या को हल किया जा सकता है। मोदी सरकार रिक्त इंडिया मिशन द्वारा इस दिशा में आगे बढ़ रही है। जैसे-जैसे देश में कुशल श्रमशक्ति बढ़ेगी, उसी अनुपात में बेरोजगारी घटेगी, ये जमीनी सच्चाई है। गंगवार जिम्मेदार पद का निर्वहन कर रहे हैं। उन्हें बोलना चाहिए, लेकिन सौच समझकर, क्योंकि उनके मुंह से निकलना एक-एक शब्द उनके साथ-साथ सरकार की नीति-नीति और मंशा पर सवालिया निशान लगा देता है।

खरी-खरी

मांगीलाल और मैंने...!

राजेश सेन

हे लोकतंत्र के लुच्चो, दगाबाज टुच्चो...! तुम्हारे सच्चे-झूठे वार्दे से आम जनता त्रस्त है। तुम्हारी आदतें आज भी भ्रष्ट हैं। लोकतंत्र में वोट दहप तुम जनता का सुख-चैन टग लेते हो। जनता के हक की मलाई अपनी बेईमानी के पात्र में रखकर छक लेते हो। ये राजपाट, ये सत्तासुख और लोकतंत्र का ये अशुष्ण वैभव तुम्हें किसने दिलाया?

मांगीलाल और मैंने! हे लोकतंत्र के चौथे बेसुध खंभो! कद है तुम्हारा बौना, और मानते हो खुद को जंबो! खबरों के बाजार में खुला नाम और दाम है। टीआरपी के झमले ने तुम्हारा नाम और काम दोनों बिगाड़ है। तुम्हें जनना था देश के लिए भरोसे की दुधारू गाय, पर तुमने जना विश्वासघात का पाड़ा है। अरे, इस लोकतंत्र में तुम्हें जनता का प्रहरी किसने बनाया?

मांगीलाल और मैंने! हे साहित्य-हंताओ! जनता के समझ में न आए, ऐसा काव्य लिखंताओ! तुमने कुछ तो भी लिखते हुए साहित्य को इतना नीचे गिरा दिया है, तुम्हें लिखनी थी मधुशाला, पर तुमने तो मधु का प्याला पिया है। खुद ही पुरस्कार तुम्हें और शॉल-श्रीफल देकर अपना ही सम्मान करवाया है, तुम्हें देनी थी समाज को दिशा, मगर तुमने उसे खूब भरमाया है। अरे, तुमको समाज का दर्पण किसने कहलवाया, तुम्हें मद्यधीशी के पुर सिखाकर एक-दूजे की पीठ खूजाना किसने सिखाया?

मांगीलाल और मैंने! हे मुस्क के भीतरघातियो! जयचंद के सगे बोलो नातियो! तुमने कभी इस देश से प्यार करना तक नहीं सीखा। इसीलिए तुम्हारी देशभक्ति का रंग है बहुत फीका। जिस देश का खाते हो, उसी में थुकते हो, श्वानवदी की भांति फिर तेज आवाज में भींकते हो। तुम्हारी इहलीं प्रहक्ताओं से समूचा देश शर्मिदा है, दुर्भाग्य तो ये है कि तुम्हारा अस्तित्व अभी तक जंझिदा है!

अरे, इस देश में तुम्हें छत, रोटी, स्वतंत्रता का अधिकार किसने दिलाया, परे सम्मान और आनंद से यहां रहना किसने सिखाया?

हे भ्रष्ट सरकारी बिल्लियो! जीप पर सवार इल्लियो! तुम्हारी रंगों में जो खून बहता है, वो देश की बर्बादी की कलानी कहता है! पुल, सड़क, जंगल, फाड़ल... तुमने क्या नहीं डकारा, फिर भी तुम्हारी नीयत को होता नहीं अफात!

तुमने देश की पीठ में छुरी घोंपी, तुम्हारे हाथों में देश की कमान किसने ही सीपी?

मांगीलाल और मैंने!

को एक प्रकार से अभेद्य बनाता है। ऐसे में माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी यह खेमा लोकसभा चुनाव के नतीजों को दोहराएगा। बशिष्ठ नारायण की ताजपोशी के अवसर पर नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यह संकल्प दोहराया भी। राजग की इन पुछ्ता तैयारियों के बरखा यदि महागठबंधन की बात करें, तो लंबे अंतराल के बाद राजद नेता तेजस्वी मैदान में भले उतरे हों, लेकिन उनके पास कोई ठोस चुनावी योजना नहीं दिखाई दे रही है। वह मीडिया के सामने आ भले रहे हों, पर कुछ नया पेश करना बाकी है। ऐसे में विपक्ष न तो एकजुट हो पा रहा है और न ही चुनावों को लेकर उसकी कोई रणनीति सामने आ पा रही है। वहां नेता पद को लेकर प्रत्यास्की चल रही है। कोई कहीं बैठक कर रहा है तो कोई कहीं बोल रहा है। संयुक्त बैठक बुलाई भले ही जाती हो, पर उसमें दिग्गज गायब दिखते हैं और प्रहक्ताओं की बयानबाजियों से काम चलाया जा रहा है। एकजुटता का संदेश देने के प्रयास में अवसर बेसुरे राग सुनाई पड़ते हैं।

संतोष गंगवार चूँकि खुद उत्तर भारत के हैं इसलिए उन्होंने उदाहरण देते हुए उत्तर भारत का जिक्र किया होगा। लेकिन गंगवार को ऐसा बयान देते समय यह ध्यान रखना चाहिए था कि उत्तर भारतीय लोग भले ही आर्थिक रूप से पीछे हों, परंतु उनमें योग्यता की कोई कमी नहीं है। हाल ही में यूपीएससी परीक्षा में 400 पदों पर उत्तर भारतीयों ने ही कब्जा किया। ऐसे में संतोष गंगवार का बयान उत्तर भारतीय लोगों में काबिलविली नहीं होती, शर्मनाक है। लेकिन अगर बात रोजगार के संदर्भ में की जाए तो बयान पर हल्ला मचाने की बजाय जमीनी हालातों पर नजर दौड़ाना भी बहुत जरूरी है। जमीनी हालातों का निपझा आकलन करें तो पता चलेगा कि हालात विरोधाभासी हैं। शहरों में झड़कर, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, बर्ड्स जैसे कुशल व्यक्तियों के साथ घरेलू काम करने वाले लोगों, जिन्हें रसोइया भी शामिल है, की भारी मांग है तो ग्रामीण इलाकों में भी खीतिहर मजदूरों की किल्लत है। यदि आंकड़ों के मकड़जाल से हटकर केवल काम संस्कृति के विकास पर ध्यान देते हुए आगे बढ़ा जाए तो बेरोजगारी की समस्या को हल किया जा सकता है। मोदी सरकार रिक्त इंडिया मिशन द्वारा इस दिशा में आगे बढ़ रही है। जैसे-जैसे देश में कुशल श्रमशक्ति बढ़ेगी, उसी अनुपात में बेरोजगारी घटेगी, ये जमीनी सच्चाई है। गंगवार जिम्मेदार पद का निर्वहन कर रहे हैं। उन्हें बोलना चाहिए, लेकिन सौच समझकर, क्योंकि उनके मुंह से निकलना एक-एक शब्द उनके साथ-साथ सरकार की नीति-नीति और मंशा पर सवालिया निशान लगा देता है।

किमी के सफर के लिए महाराष्ट्र के पुणे में एक ऑटो चालक ने यात्री से 4,300 रुपये वसूल किए। पीड़ित युवक ने यैरवड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

इस स्कूल में हर बच्चे के नाम पर एक पौधा

संजीव कांबोज, यमुनानगर

हरियाणा के यमुनानगर में स्थित दादपुर का राजकीय मिडिल स्कूल बाल मन में पर्यावरण संरक्षण के सुंदर संस्कार रोप रहा है। यहां बच्चों का पौधों के प्रति इस तरह का लगाव है कि वे उनसे गले मिलते हैं। बातें करते हैं। अब तो इन छात्र-छात्राओं ने इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया है। सुबह स्कूल में प्रार्थना से पहले बच्चे पौधों की पूजा करते हैं। दोपहर को खाना खाने के बाद पानी देते हैं।



पर्यावरण संरक्षण

इस स्कूल के प्रांगण में सैकड़ों पौधे लगे हैं। स्कूल के बच्चों ने ही इन्हें रोपा है और वे ही इनकी देखभाल करते हैं। हर पौधे पर एक बच्चे के नाम की पट्टिका लगी है। पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिशाल पेश कर ये बच्चे अब स्थानीय लोगों के दिलों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम की अलख जगा रहे हैं। यह मुहिम 2018 में शुरू हुई। स्कूल के बच्चों ने अलग-अलग किस्म के पौधे स्कूल के लंबे-चौड़े प्रांगण में रोपे। इनमें 'पोपल, कदम, नींबू, अमरूद, आवला, अर्जुन के पौधे शामिल हैं। इस मुहिम के तहत स्कूल के करीब

100 बच्चों ने एक-एक पौधा लगाया। तब से यह मुहिम जारी है। हेडमास्टर कृष्ण लाल सैनी और शिक्षक अमर पाल ने अन्य शिक्षकों के साथ बैठक की। तय किया कि पौधे लगाने से अधिक जरूरी है इनकी देखभाल। पौधे तभी बच सकेंगे, जब इन्हें रोपने वाले बच्चे इनके प्रति संवेदनशील होकर इनकी देखरेख भी करेंगे। फिर बच्चों को ही पौधों को बचाने का दायित्व सौंपा गया। शिक्षकों का यह प्रयास रंग लाया और देखते ही देखते स्कूली बच्चों ने पौधों को अपना दोस्त बना लिया।

अब स्कूल में लगे हर पौधे पर बच्चों के नाम की पट्टिका लगी है। बच्चों ने ही इसे

दैनिक प्रार्थना का हिस्सा बनी पौधों की वंदना

बच्चों को जब शिक्षकों ने यह बताया कि भारतीय संस्कृति में तो पेड़-पौधों को भी पूज्य माना जाता है, तब बच्चों ने इस बात को आत्मसात करना शुरू कर दिया। अब वे स्कूल की दैनिक प्रार्थना से पहले अपने-अपने पौधे की वंदना भी करते हैं। दोपहरमें खाना खाने के बाद इन्हें पानी देते हैं। बच्चों की इस लगन को देखकर यहां आने वाले अतिथि प्रभावित हुए बिना नहीं रहते। अब तो प्रशासन तक भी यह बात पहुंच गई है और बच्चों के प्रयास की सराहना करते हुए इस तरह की मुहिम को अन्य स्कूलों में भी शुरू करने की बात प्रशासन ने कही है।

लगाया है। जब पौधों पर नाम लिखे गए, तो इसका असर भी हुआ। छात्र-छात्राओं ने खुद ही अपने-अपने पौधों की देखभाल शुरू कर दी। बच्चे इन पौधों से जुड़ाव महसूस करने लगे। यही कारण रहा कि शुरूआती 100 पौधों में से केवल पांच पौधे ही अस्वस्थ हुए। अब तो पौधों की संख्या दोगुनी कर दी गई है। शिक्षक अमर सिंह बताते हैं कि नेमप्लेट लगाने से बच्चे पौधों पर अपना अधिकार समझने लगे और उनकी देखरेख के प्रति भी गंभीर हो गए।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

हुआ कमाल, देसी भिंडी भी हो गई लाल

जागरण विशेष

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव, वाराणसी

भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने 23 साल की मेहनत के बाद आखिरकार भिंडी की नई प्रजाति 'काशी लालिमा' विकसित करने में सफलता पा ली है। लाल रंग की यह भिंडी एंटी ऑक्सीडेंट, आयरन और कैल्शियम सहित अन्य पोषक तत्वों से भरपूर है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजीटेबल रिसर्च, आइआइवीआर) ने अपनी इस सफलता को खास करार दिया है। लाल रंग की भिंडी अब तक पश्चिमी देशों में प्रचलन में रही है और भारत में आयात होती रही है। इसकी विभिन्न किस्मों की कीमत 100 से 500 रुपये प्रति किलो तक है। अब भारतीय किसान भी इसका उत्पादन कर सकेंगे। दिसंबर से संस्थान में इसका बीज आम लोगों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। पोषक तत्वों से भरपूर इस भिंडी के उत्पादन से न केवल भारतीय किसानों को फायदा मिलेगा, बल्कि आम लोगों को भी पोषण की पूर्ति का एक बेहतर विकल्प उपलब्ध हो जाएगा।

संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. बिजेंद्र की अगुआई में लाल भिंडी की प्रजाति पर 1995-96 में ही कार्य शुरू हो गया था। उन्हीं के मार्गदर्शन में काशी लालिमा का विकास शुरू हुआ। इसमें डॉ. एसके सानवाल, डॉ. जीपी मिश्रा और तकनीकी सहायक सुभाष चंद्र ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। 23 साल बाद इसमें सफलता मिली। भिंडी का रंग बैंगनी-लाल है, लंबाई 11-14 सेमी और व्यास 1.5-1.6 सेमी है।



भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में विकसित काशी लालिमा नामक लाल भिंडी का पौधा।

एक हेक्टेयर में 150 विंटल पैदावार

लाल भिंडी के प्रति पौधे में 20-22 फल देने की क्षमता है। इस किस्म में बोआई के 45 दिन बाद ही फल की तुड़ाई शुरू हो जाती है। प्रति हेक्टेयर की पैदावार 150 विंटल तक है। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कर्मकार और डॉ. विद्या सागर ने बताया कि इस किस्म को गमी और बरसात, दोनों ही मौसमों में बोया जा सकता है। एंथोसायनीन तत्व की प्रमुखता के कारण इसका रंग लाल है। इससे आयरन की मात्रा 51.3 पीपीएम, ज़िंक की मात्रा 49.7 पीपीएम और कैल्शियम की मात्रा 475 पीपीएम है।

भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने विकसित की भिंडी की नई प्रजाति 'काशी लालिमा'

पोषक तत्वों से भरी है यह भिंडी, एंटी ऑक्सीडेंट, आयरन, कैल्शियम और एंथोसायनीन की प्रचुर मात्रा

स्वदेशी किस्म विकसित करने में लगे 23 साल, फिलहाल 100 से 500 रुपये किलो तक है आयातित लाल भिंडी की कीमत



डॉ. जगदीश सिंह

जागरण

किसानों को इसका बीज दिसंबर से मिलने लगेगा। लाल भिंडी के सफल अनुसंधान और ट्रायल के बाद उत्तर प्रदेश राज्य किस्म विमोचन समिति और केंद्रीय किस्म विमोचन समिति ने इसे अधिसूचित कर दिया है।

डॉ. जगदीश सिंह, निदेशक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, उप्र

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवीरणा से भर सकती हो। सक्षिप्त विवरण response.story@jagran.com पर भेजें।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special



विकसित की गई काशी लालिमा नामक लाल भिंडी।

जागरण

चिंताजनक ▶ भूलने को सामान्य मानकर नजरअंदाज किया तो जिंदगी हो जाएगी असामान्य

70 साल की उम्र में होने वाली भूलने की बीमारी अब 40 में ही होने लगी

वर्ल्ड अल्जाइमर डे आज

नईदुनिया, इंदौर

रोजमर्रा की बातों को भूलने की समस्या आजकल बढ़ती जा रही है। कुछ समय पहले तक भूलना बुजुर्गों की बीमारी मानी जाती थी पर बदलते दौर में यह बीमारी युवा अवस्था में ही लोगों को चपेट में ले रही है। भूलना सामान्य प्रक्रिया होने के साथ-साथ बीमारी भी है, जिसे 'अल्जाइमर' कहा जाता है। इसे नजरअंदाज करने पर कुछ ही समय में इससे जिंदगी 'असामान्य' कर सकती है। चिकित्सकों के अनुसार, पहले 70 वर्ष से ऊपर के लोगों में अल्जाइमर के लक्षण दिखते थे, लेकिन अब 40 वर्ष में भी लोग इस बीमारी के शिकार हो रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की आयु के बाद सतर्कता जरूरी है। इस बीमारी के संकेत उम्र के इसी दौर में मिलने लगते हैं। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अपूर्व पौराणिक कहते हैं कि 25 वर्ष पहले अल्जाइमर को विकसित देशों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब भारत में औसत आयु बढ़ने और ज्यादा उम्र तक लोगों के काम करने से यहां भी बीमारी पहचान में आ रही



किस उम्र में कितने फीसद मरीज	
80 साल से ऊपर	25 फीसद
70 से 80 साल	10 फीसद
60 से 70 साल	5 फीसद
40 से 60 साल	3 फीसद

है। दरअसल, दिमाग में प्रोटीन की संरचना में गड़बड़ी के कारण यह समस्या होती है। दिमाग में केमिकल और पैथोलॉजिकल बदलाव होते हैं। इससे दिमाग और शरीर का संपर्क टूटने लगता है। कम उम्र में ही लक्षणों को भांपकर पकड़ लेना ज्यादा जरूरी है क्योंकि बड़ी उम्र में ब्रेन में केमिकल खतम होने लगता है।

इंदौर साइक्रेटी सोसायटी के सचिव डॉ. पवन

अगर ऐसा है तो घबराएं नहीं...

चिकित्सक मानते हैं कि छोटी-छोटी बातों को भूल जाना यह मानव स्वभाव की सामान्य बात है। अगर ऐसा है तो बहुत ज्यादा घबराहने की जरूरत नहीं है। इसका और बीमारी का वास्ता नहीं है। जैसे-

चाबी रखकर भूल जाना

फोन लगाते-लगाते भूल जाना कि किसे लगा रहे थे

काम में व्यस्तता के चलते खाना खाना भूल जाना

किसी ने चाय या खाने पर बुलाया था और याद नहीं रहना

भाषण देते हुए शब्द भूल जाना

परीक्षा में याद किया हुआ भूलना

शटी कहते हैं कि अल्जाइमर रोग युवाओं को भी गिरफ्त में ले रहा है। कई बार अवसाद और तनाव के कारण भी व्यक्ति इस बीमारी से थिर जाता है। बीते दस सालों में अल्जमाइमर के पांच फीसदी मरीज बढ़ गए हैं।

अब तक पुष्पा इलाज नहीं : एक तरफ अल्जाइमर के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं दूसरी तरफ इसका पुष्पा इलाज

ऐसा हो रहा है तो सतर्क हो जाएं

किसी काम में मन एकाग्र नहीं होना, जरूरी फैसला लेते समय आत्मविश्वास कम होना

सामान्य बातचीत में बार-बार शब्द भूलना, वाक्य नहीं बन पाना

रोजमर्रा की दिनचर्या में तेजी से बदलाव

रोज आने-जाने वाले रास्तों में उलझना

ये बातें बीमारी से बचा सकती हैं

सोशल मीडिया से ज्यादा वास्तविक दुनिया जाना

खेल गतिविधियों व उचित व्यायाम से शरीर और दिमागी तंदुरुस्ती बनी रहती है

गुस्सा, चिड़चिड़ापन से दूर रहें। खुद भी खुश रहें और दूसरे को भी खुश रखें

अब भी नहीं मिल पाया है। बीते 20 वर्षों में उपचार के लिए नई दवा बाजार में नहीं आई है। चिकित्सक भी मानते हैं कि उपचार के तरीके में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आए हैं। लक्षणों के आधार पर चिकित्सक इलाज करते हैं। कुछ मरीज न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाते हैं तो कुछ मनोचिकित्सक के पास। अभी भी इसकी 100 प्रतिशत निदान पर अध्ययन चल रहे हैं।

नई योजना से मछली पालन में होगी पानी की बचत

डीपी आर्य, सोनीपत

अब सर्दियों में पानी ठंडा हो जाने पर मछलियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। मत्स्य विभाग ने बांग्लादेश की तर्ज पर मछली पालन कराने की योजना तैयार की है। हैदराबाद में पिछले साल इसका प्रयोग सफल रहा था। अब हरियाणा के सोनीपत जिले के जाहरी गांव में भी एक प्लांट तैयार कर इसका सफल परीक्षण किया गया है। इसमें पानी की बचत होगी। मछलियों को आरओ से साफ किए पानी में पाला जाएगा। पानी का तापमान सामान्य रखने को भी सिस्टम लगाया जा रहा है। इससे मछलियां पूरे साल बढ़ती रहेंगी और तीन गुना तक अधिक उपलब्ध हो सकेंगी।

सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन व मछली पालन को बढ़ावा देने की योजना तैयार की है। सर्दियों में पानी ठंडा हो जाता है। इसके चलते मछलियों का विकास और प्रजनन रुक जाता है। नई तकनीक में टैंकों का पानी भयंकर ठंडा होने पर भी सामान्य तापमान पर रहेगा। इसके लिए एक हीटर यूनिट का निर्माण कराया जा रहा है। इससे

बांग्लादेश की तर्ज पर मत्स्य पालन कराएगा विभाग, तीन गुना अधिक मिल सकेंगी

हैदराबाद के बाद सोनीपत में किया गया सफल परीक्षण

कम पानी में होगा उत्पादन, आरओ और हीटर के पानी में रहेंगी मछली



मछलियों का विकास तेजी से होगा, जिससे वह पूरे साल मिल सकेंगी। ऐसे में सामान्य की अपेक्षा तीन गुना तक मिल सकेंगी।

विभाग की योजना के तहत अब किसानों से काल्पनिक तालाबों में मछली पालन कराया जाएगा। ईंटों से बनवाए गए बड़े-कड़े टैंकों में कातला, मूल व रोहू आदि आइएमसी (इंडियन मेजर कार्प) की पाला जाएगा। ये आठ-दस टैंक बने होंगे। इनके पानी को बायोप्लास तकनीक की तरह तीसरे दिन बदलना नहीं पड़ेगा। टैंकों में मछलियों के रहने से पानी गंदा हो जाता है। इसको साफ करने के लिए एक आरओ सिस्टम लगाया जाएगा। इससे पानी साफ होने के साथ

सोनीपत में आठ हजार एमटी मछली का उत्पादन होता है। किसानों को नई तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए विभाग की ओर से ऋण भी दिलाया जा रहा है। नई बांग्लादेशी तकनीक का हैदराबाद के बाद सोनीपत के गांव जाहरी में एक यूनिट लगाकर सफल परीक्षण किया जा चुका है। नई तकनीक में मछलियों को स्वच्छ पानी में एक समान तापमान पर रखा जाएगा, जिससे वह सर्दी में भी सामान्य रहेंगी और रबीर उत्पादन देंगी।

योगेश शर्मा, जिला मत्स्य अधिकारी

ही उसमें ऑक्सीजन मिलाई जाएगी। इससे मछलियों का विकास नहीं रुकेगा।

दुधवा में जल्द बढ़ेगा गैंडों का कुनबा

श्वेतांक शंकर उपाध्याय, लखीमपुर : दुधवा नेशनल पार्क में चल रही गैंडा पुनर्वासन योजना फेज टू सफलता की ओर बढ़ रही है। यहां पल रहे गैंडा परिवार से जल्द ही खुशखबरी आने वाली है। परिवार में चार गैंडे हैं, जिसमें एक गर्भवती है। पुनर्वासन फेज टू का यह पहला बच्चा होगा। गैंडा पुनर्वासन योजना का फेज-टू अप्रैल 2018 में शुरू हुई थी। उस समय सोनारीपुर रेंज में एक नर और तीन मादा गैंडा बेलाया रेंज के छंगा ताला क्षेत्र में करीब 14 किलोमीटर एरिया में बसाए गए थे। सौर ऊर्जा चालित बाड़ से घेर कर गैंडों के लिए नया घर बनाया गया था। इसमें तीन मादा गैंडा श्रीदेवी, शमा, कल्पना और एक नर गैंडा नेपोलियन को लाकर रखा गया। कई वर्षों तक इन गैंडों की देखरेख की गई, इनमें कल्पना के गर्भवती होने की सूचना है।

1977 में दुधवा नेशनल पार्क की स्थापना हुई तो गैंडों को बसाने के प्रयास शुरू हुए। एक अप्रैल, 1984 को असम से तीन मादा और दो नर गैंडे लाए गए थे।

जागरण संवाददाता, लखनऊ

देश की पहली कॉर्पोरेट ट्रेन तेजस पहले ट्रायल रन में पास हो गई है। इसमें लखनऊ जंक्शन से गोरखपुर की करीब 279 किमी की दूरी चार घंटे 10 मिनट में पूरी कर ली। अब तेजस चार अक्टूबर से यात्रियों के साथ ढाड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए लगे हाथ किराए की भी घोषणा कर दी गई। शनिवार से नियमित टिकटों की बुकिंग शुरू हो जाएगी। चार अक्टूबर को संचालन से पहले तेजस एक्सप्रेस का एक बार और ट्रायल किया जाएगा। यह अंतिम ट्रायल होगा, जिसके बाद तेजस को चलाने के लिए क्लीयरेंस देकर रेलवे इस रैक को आइआरसीटीसी को सौंप देगा।

दिल्ली तक किराया 1125 : चार अक्टूबर को तेजस स्पेशल ट्रेन सुबह 9:30 बजे लखनऊ से चलकर कानपुर 10:40 बजे, गाजियाबाद दोपहर 3:03 बजे होते हुए नई दिल्ली शाम चार बजे पहुंचेगी। लखनऊ से नई दिल्ली का एसी चैचरका का शुरूआती किराया 1125 रुपये रखा गया है। जबकि चार अक्टूबर को

देश की पहली कॉर्पोरेट ट्रेन लखनऊ से गोरखपुर तक दौड़ी, चार घंटे 10 मिनट में गय की 279 किमी की दूरी

किराए की भी की गई घोषणा, आज से शुरू हो जाएगी टिकटों की बुकिंग



लखनऊ के चारबाग से गोरखपुर तक ट्रायल रन के दौरान गोमती नगर रेलवे स्टेशन से निकलती तेजस ट्रेन।

जागरण

शताब्दी एक्सप्रेस का चैचरकार का किराया 1180 रुपये चल रहा है। वहीं तेजस स्पेशल का एक्जक्यूटिव क्लास का लखनऊ से नई दिल्ली का किराया 2310 रुपये है। शताब्दी एक्सप्रेस में अनुभूति कोच का किराया 2255 रुपये चल रहा है। इस लिहाज से तेजस के यात्रियों को 55 रुपये ज्यादा देने होंगे।

तब होगा यह समय : नियमित रूप से तेजस

मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन सुबह लखनऊ जंक्शन से 6:10 बजे चलकर कानपुर 7:20 बजे, गाजियाबाद 11:45 बजे होते हुए नई दिल्ली 12:25 बजे पहुंचेगी। जबकि वापसी में नई दिल्ली से दोपहर 3:35 बजे चलकर गाजियाबाद शाम 4:09 बजे, कानपुर रात 8:35 बजे और लखनऊ जंक्शन रात 10:05 बजे पहुंचेगी।

भायला के लोग जीते नशे से जंग

मोईन सिद्दीकी, सहानपुर

मंचों से भी नशामुक्ति की बातें होती हैं और तमाम इबारतों में भी नशे के नुकसान झलकते हैं, लेकिन कितने लोग इस पर अमल कर पाते हैं। नशामुक्ति की नजीर बने उत्तर प्रदेश के सहानपुर के भायला गांव के लोगों ने इसके मायने भी समझे और अमल की इच्छाशक्ति भी दिखाई। नतीजा, नशे की हार हुई और गांव वालों की जीत। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश का पहला गांव है, जहां तंबाकू का इस्तेमाल और बिज्जी पूरी तरह बंद हो गई है।

ऐसे शुरू हुई मुहिम : देवबंद से सात किमी. दूर स्थित भायला कलां और भायला खुर्द गांव की कुल आबादी करीब 17 हजार है। कुछ दिन पहले कुछ युवाओं ने दोनों गांवों को नशामुक्ति करने के लिए मुहिम चलाई। घर-घर जाकर नशा, खासकर तंबाकू के नुकसान बताए और नशा न करने की अपील की। दुकानदारों से बीड़ी-सिगरेट, गुटखा व तंबाकू के अन्य उत्पादों की बिक्री न करने का अनुरोध किया। मुवादी भी कराई। इस मुहिम में शामिल युवा विकास शर्मा, राकेश कुमार, मुकेश कुमार, जयकुमार, कामेश, अमित उर्फ लाला, अमित

तंबाकूमुक्त हुए उग्र के सहानपुर के भायला कलां और भायला खुर्द

दोनों गांव नशामुक्त होकर अन्य गांवों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। इन युवाओं की तरह अन्य गांवों के युवकों को भी नशे से दूर रहना का संकल्प लेना चाहिए।

आलोक कुमार पांडेय, डीएम सहानपुर

राणा, संदीप राणा, रणपत राणा, शेखर धीमान व पवन उपाध्याय कहते हैं कि बच्चों व युवाओं के भविष्य की खातिर यह पहल की गई है। ग्रामीणों का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। अब यहाँ दुकानों पर तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णरूप से बंद है। दुकानदार शिव कुमार, करशन, ओम कुमार, रमन सिंह, भीम, प्रेम सिंह, अब्दुल, सूरजपाल, नरेंद्र, श्याम कुमार, राजवीर, सूरज व जब्बन सिंह बताते हैं कि इस मुद्दे पर गांव के साथ हैं। मॉनिटरिंग के लिए कमटी भी गठित की गई है।

प्रधान बोले, मुहिम में साथ : भायला कलां के प्रधान कुशलपाल सिंह व भायला खुर्द के प्रधान बबलू कहते हैं, हम इस व्यवस्था में कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। दोनों गांव अब नशामुक्त हो चुके हैं। यहाँ तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं होती।

सेवा

मध्य प्रदेश के इंदौर में श्री गुरु सिंह सभा शुरू की पहल, 55 साल से अधिक उम्र के लोगों के घर पर सेवादार पहुंचाएगा लंगर

एक फोन पर वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा गुरु का लंगर

रामकृष्ण मुले, इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर में सिख समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक बड़ी पहल की शुरुआत की गई है। इनके पास गुरु का लंगर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। यह पहल सिख समाज की सर्वोच्च संस्था श्री गुरु सिंह सभा ने की है। गुरु के लंगर के लिए वरिष्ठ नागरिकों को सिर्फ एक फोन गुरु सिंह सभा के गुरुद्वारा इमली साहिब स्थित कार्यालय पर करना होगा। सेवादार लंगर लेकर संबंधित व्यक्ति के पास पहुंच जाएगा। इस सेवा का निःशुल्क लाभ 55 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक नियमित रूप से ले सकेंगे। गुरु सिंह सभा के प्रचार प्रमुख देवेन्द्र सिंह गांधी का कहना है कि देश में सिख समाज में इस तरह की यह पहली सेवा होगी।

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख समाज द्वारा वरिष्ठ नागरिक के लिए यह योजना शुरू की गई है। शहर में सिख बचने के लोगों की जनसंख्या में करीब 70 हजार है। इसमें से 20 हजार लोग ऐसे हैं, जो वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आते हैं। यह सेवा खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो अलग-अलग कारणों से आर्थिक



गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में यह सेवा शुरू की गई है।

प्रतीकात्मक

या शारीरिक रूप से असमर्थ हैं। इसके अलावा कई ऐसे बुजुर्ग होते हैं, जिन्हें अपना का सच नहीं मिल पाता या किसी कारण से उनके कंधे बाहर रहते हैं। ऐसे में अक्सर देखा जाता है कि उन्हें भोजन संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गुरु सिंह सभा की इस पहल का ऐसे बुजुर्गों को बहुत लाभ मिलेगा।

यह सेवा शारीरिक रूप से असमर्थ, वैध बुजुर्ग और अपने परिवार से अलग रहने वालों वरिष्ठ नागरिक के लिए शुरू की गई है। ऐसे लोगों की जानकारी हमें दी जा सकती है, जिन्हें टिफिन सेवा की आवश्यकता है।

जसवीर गांधी, महासचिव, गुरु सिंह सभा

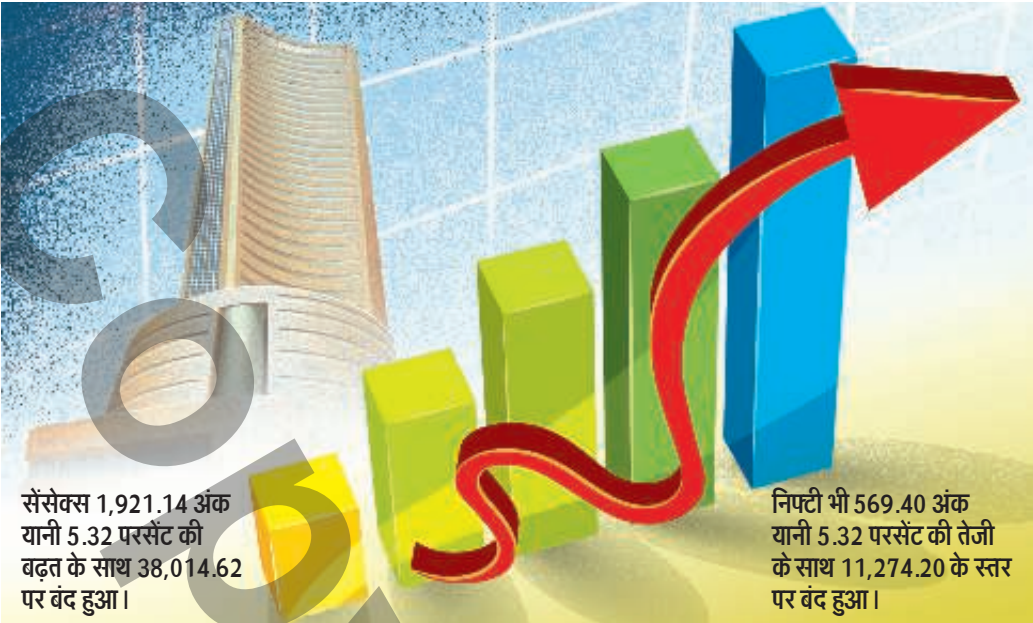
शेयर बाजारों के लिए मालामाल और शानदार वीकेंड

बीएसई-सेंसेक्स ने लगाई एक दशक की सबसे ऊंची एकदिनी छलांग, एनएसई-निफ्टी में रिकॉर्ड बढ़त दर्ज की गई

मुंबई, प्रे़ट : शुक्रवार को सरकार द्वारा किए गए टैक्स सुधारों का भारतीय शेयर बाजारों ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान बीएसई के सेंसेक्स ने एक दशक की सबसे ऊंची एक दिनी छलांग लगाई। वहीं निफ्टी तो सर्वकालिक एकदिनी बढ़त लेकर रुका। इस अप्रत्याशित उछाल की वजह से एक दिन में निवेशकों की संपत्ति में 6.82 लाख करोड़ रुपये का बड़ा इजाफा दर्ज किया गया।

दिन के कारोबार में बीएसई का 30-शेयरों वाला सेंसेक्स 1,921.14 अंक यानी 5.32 परसेंट की बढ़त के साथ 38,014.62 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में यह 2,284.55 अंक की बढ़त के साथ 38,387.02 के स्तर तक जा पहुंचा था। लेकिन बाद में प्रॉफिट बुकिंग के चलते इसमें कुछ गिरावट देखी गई। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई का 50-शेयरों वाला निफ्टी भी 569.40 अंक यानी 5.32 परसेंट की तेजी के साथ 11,274.20 के स्तर पर बंद हुआ।

शुक्रवार को सेंसेक्स में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एचयूपूल और एलएंडटी रहे। इस दौरान इन कंपनियों के शेयरों ने 12.52 परसेंट तक बढ़त दर्ज की। दिन के कारोबार में कैपिटल गुड्स, फाइनेंस, एनर्जी, ऑयल एंड गैस, मेटल और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में 9.85 परसेंट



तक तेजी देखी गई। इसके विपरीत आइटी कंपनियों में गिरावट का दौर रहा। इस दौरान टीसीएस, एनटीपीसी और टैक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट देखी गई।

उद्योग जगत ने वित्त मंत्रालय की घोषणाओं का खुलकर स्वागत किया। जियोजित

फाइनेंशियल सर्विसेस के रिसर्च हेड विनोद नायर ने बताया कि सरकार द्वारा कॉरपोरेट टैक्स में किया गया सुधार इकोनॉमी को गति देने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इससे विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश करने की माकूल वजह मिल गई है। इसके अलावा कंपनियों की

बचत में इजाफा होगा, जिसे भविष्य में ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकेगा। शुक्रवार को एशिया के दूसरे बाजारों में शंघाई कंपोजिट इंडेक्स, निक्केई और कोर्यो बढ़त के साथ बंद हुए, वहीं हॉंगकॉंग में गिरावट दर्ज की गई।

निवेशकों की संपत्ति लगभग सात लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली, प्रे़ट : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा की गई टैक्स सुधारों की घोषणा के बाद निवेशकों में जमकर उत्साह देखा गया। शुक्रवार को एक दिन के कारोबार में निवेशकों की संपत्ति में 6.82 लाख करोड़ का इजाफा हुआ। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6,82,938.36 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 1,45,37,378.01 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा। शुक्रवार को हुई घोषणाओं का सीधा असर अलग-अलग सेक्टरों पर देखा गया। इस दौरान ऑटो सेक्टर, बैंक, कैपिटल गुड्स, फाइनेंस, एनर्जी और ऑयल एंड गैस के शेयरों में जमकर खरीदारी हुई।

सरकार ने शुक्रवार को टैक्स सुधारों की घोषणा करते हुए कॉरपोरेट टैक्स करीब 10 परसेंट घटाकर 25.17 परसेंट कर दिया। इसके अलावा नई मैनुफैक्चरिंग कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की प्रभावी दर सिर्फ 17.01 परसेंट रह गई है। सेंट्रम वेल्थ मैनेजमेंट के हेड देवांग मेहता कहते हैं कि

सरकार द्वारा की गई नई घोषणाओं ने उद्योग जगत में नया जोश फूंक दिया है। कॉरपोरेट टैक्स में की गई कटौती का सीधा असर बचत पर पड़ेगा।

बजट के बाद यह सरकार द्वारा की गई चौथी सुधारात्मक घोषणाएं हैं। इस बार की गई मुख्य घोषणाओं में कॉरपोरेट टैक्स को 30 परसेंट से घटाकर 22 परसेंट कर दिया गया है। इसके अलावा इसी वर्ष एक अक्टूबर से 31 मार्च 2023 तक शुरू होने वाली नई कंपनियों को अब 25 परसेंट की जगह सिर्फ 15 परसेंट की दर से टैक्स देना होगा।

वित्त मंत्री ने कहा है कि सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा शेयर बाय बैंक पर कोई टैक्स नहीं लिया जाएगा। इक्विटी सेल से होने वाली कैपिटल गेन पर सरचार्ज भी नहीं लिया जाएगा। सीएसआर का दायरा भी बढ़ाने की घोषणा की गई है। अब रिसर्च एंड डेवलपमेंट की भी सीएसआर के दायरे में शामिल कर लिया गया है।



सरचार्ज और सेस सहित कारपोरेट टैक्स में कमी से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने के साथ ही विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। हमें विश्वास है कि आने वाले दिनों में यह कदम आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और हम आठ से नौ फीसद की जीडीपी हासिल कर सकेंगे। इन फैसलों से लाखों नौकरियों का सुजन होगा।

अनिल अम्बाला, कार्यकारी चेयरमैन, वेदांता रिसॉर्सज



कॉरपोरेट टैक्स में कमी करने का फैसला शायद पिछले 28 वर्षों में सबसे साहसिक सुधार है! इस तरह की कटौती से कंपनियों की बॉटमलाइन में जहां सुधार होगा वहीं उत्पाद की कीमतों में कमी आएगी।

रजनीश कुमार, चेयरमैन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

टैक्स घटाने से बढ़ेगी मैनुफैक्चरिंग की रफ्तार



जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : नई कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को निचले स्तर पर लाना देश के मैनुफैक्चरिंग सेक्टर के लिए वरदान साबित हो सकता है। इसका लाभ खासतौर पर नए उभरते सेक्टरों को मिलेगा जहां मैनुफैक्चरिंग इकाइयां स्थापित करने की संभावनाएं अधिक बन रही हैं। इससे देश में एफडीआई का प्रवाह भी बढ़ेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इकोनॉमी में जान फूंकने के क्रम में शुक्रवार को कॉरपोरेट टैक्स की दरें घटाने का बड़ा एलान किया। इससे सभी कंपनियों के लिए प्रभावी टैक्स की दर अब 25.17 परसेंट रह गई है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष पहली अक्टूबर के बाद स्थापित होने वाली कंपनियों को सिर्फ 15 परसेंट की दर से टैक्स देना होगा। उनके लिए प्रभावी दर 17.01 परसेंट बनेगी। जानकारों का मानना है कि टैक्स में कटौती के इस एलान से कंपनियों के पास 1.45 लाख करोड़ रुपये की विशाल राशि बचेगी, जिसका इस्तेमाल वापस इकोनॉमी में हो पाएगा। बताया जा रहा है कि कंप्यूटर फाइनेंस में लगे निजी और सरकारी बैंकों समेत होटल उद्योग को इसका सर्वाधिक लाभ मिलेगा।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने इस फैसले को इकोनॉमी के लिए बूस्टर डोज बताया। उन्होंने कहा कि उनका मंगलार मोबाइल, कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स और कंपोनेंट मैनुफैक्चरिंग में भारत को मैनुफैक्चरिंग हब बनाने के प्रयासों में जुटा है। वित्त मंत्रालय का यह एलान इन प्रयासों को और बल देगा। गौरतलब है कि सोमवार को ही प्रसाद ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और आइटी कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठक कर उनसे विचार-विमर्श किया था।

सरकार के मेक इन इंडिया अभियान को इसका सर्वाधिक लाभ मिलने की उम्मीद

आएगा एफडीआई

- मेक इन इंडिया को प्रोत्साहन में अब तक का सबसे बड़ा कदम
- मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग में दिखेंगे नतीजे

लगाई जा रही है। सरकार कुछ नये क्षेत्रों खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग पर फोकस कर रही है। बीते पांच वर्षों में मोबाइल मैनुफैक्चरिंग में काफी प्रगति हुई है। अब सरकार इसे एक कदम आगे ले जाना चाहती है। इसके लिए एपल जैसी बड़ी निर्माता कंपनियों के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों को आकर्षित करने के लिए यह एक मास्टस्ट्रोक है। वित्त मंत्री की घोषणा इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पीएम शनिवार से शुरू हो रही छह दिनों की अमेरिका यात्रा में हार्डवेयर और न्यूयॉर्क में पांच दर्जन दिग्गज कंपनियों के सीईओ व प्रमुखों से मिलेंगे। इनमें से कई कंपनियां हैं जिन्हें चीन में प्लांट हैं। लेकिन वे बढ़ती श्रम लागत और ट्रेड वार से परेशान हो

अमेरिकी कंपनियों के लिए बनेंगे बड़े मौके

कॉरपोरेट टैक्स की दर घटाने से भारत बना एक आकर्षक निवेश स्थल

वियतनाम, थाइलैंड, मलेशिया से भी कम स्तर पर आया कॉरपोरेट टैक्स

इलेक्ट्रॉनिक्स व ऑटो पार्ट्स कंपनियों के लिए आसियान से बड़ा आकर्षण होगा भारत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कॉरपोरेट टैक्स की दरों में ऐतिहासिक कटौती की घोषणा सिर्फ मंदी से लड़ने का उपाय नहीं है। इस कटौती से पहली बार भारत ने चीन से कारोबार समेटने वाली अमेरिकी व अन्य कंपनियों के सामने खुद को एक बेहद आकर्षक निवेश स्थल के तौर पर भी पेश किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स व अन्य मैनुफैक्चरिंग से जुड़ी इन कंपनियों को लुभाने में जुटे वियतनाम, थाइलैंड, मलेशिया, फिलीपींस जैसे अन्य देशों के सामने भी भारत ने जोरदार चुनौती पेश कर दी है। अब भारत में नई कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की नई दर इन देशों में लागू टैक्स से भी कम होगी। जानकारों की मानें तो पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका में कॉरपोरेट जगत के साथ दो अहम बैठकों में भी इस घोषणा का असर दिखेगा।

कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड के एमडी निलेश शाह का कहना है कि चीन से निवेश समेटने वाली कंपनियों को आकर्षित करने के लिए यह एक मास्टस्ट्रोक है। वित्त मंत्री की घोषणा इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पीएम शनिवार से शुरू हो रही छह दिनों की अमेरिका यात्रा में हार्डवेयर और न्यूयॉर्क में पांच दर्जन दिग्गज कंपनियों के सीईओ व प्रमुखों से मिलेंगे। इनमें से कई कंपनियां हैं जिन्हें चीन में प्लांट हैं। लेकिन वे बढ़ती श्रम लागत और ट्रेड वार से परेशान हो



कर शिफ्ट होने की संभावना तलाश रही है। वित्त मंत्रालय की घोषणा के मुताबिक इस वर्ष पहली अक्टूबर के बाद भारत में मैनुफैक्चरिंग व छोटी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां थाइलैंड व वियतनाम को नया ठिकाना बना रही हैं। ऑटो पार्ट्स व बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए भी चीन महंगा होता जा रहा है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2013 तक दुनिया की 23 फीसद मैनुफैक्चरिंग कंपनियों ने चीन

अभी तक 35 फीसद के करीब थी। इस तरह की खबरें लगातार हैं कि चीन की लेबर, टेक्स्टाइल व छोटी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों थाइलैंड व वियतनाम को नया ठिकाना बना रही हैं। ऑटो पार्ट्स व बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए भी चीन महंगा होता जा रहा है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2013 तक दुनिया की 23 फीसद मैनुफैक्चरिंग कंपनियों ने चीन

को ठिकाना बना रखा था लेकिन उसके बाद से वहां श्रम की लागत में 187 फीसद का इजाफा हो चुका है। कॉरपोरेट टैक्स की नई दर असल में भारत को दुनिया के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में शुमार कर सकती है। अभी अमेरिका में कॉरपोरेट टैक्स की दर 27, कनाडा में 26.5, ब्राजील में 34, चीन में 25, फ्रांस में 31 और जर्मनी में 30 फीसद है।

नए सिरे से तय करना होगा राजकोषीय गणित का आंकड़ा

जागरण ब्यूरो, पणजी (गोवा) : यह सामान्य गणित है कि उद्योग जगत को 1.45 लाख करोड़ रुपये के बोनस का असर राजकोषीय घाटे पर दिखेगा। खासतौर से तब जब चालू वित्त वर्ष के पहले तीन-चार महीनों में प्रत्यक्ष कर और जीएसटी संग्रह की स्थिति बहुत उत्साहवर्द्धक नहीं है। बावजूद इसके सरकार ने फैसला लिया है तो आरबीआई के रिजर्व से 1.74 लाख करोड़ रुपये की राशि का भी बड़ा अर्थ है। सरकार को पट्टे पर लाने में मदद मिलेगी। फिर भी सरकार की नजर इस संभावित घाटे पर है और शापद तय किया था। सरकार को उम्मीद है कि चालू कीमतों पर जीडीपी में 12 प्रतिशत वृद्धि होती है तो वित्त वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 211 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। इस आधार पर जीडीपी के अनुपात के रूप में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 3.4 प्रतिशत रखा गया। हालांकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में चालू कीमतों पर जीडीपी की महीनों में सरकार अगर खर्च में कटौती नहीं करती है तो राजकोषीय घाटा चार प्रतिशत हो सकता है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान तैयार करते वक़्त कुछ मंत्रालयों के खर्च की समीक्षा होगी और

राजकोषीय गणित नए सिरे से तय हो सकता है। राजकोषीय संतुलन साधने की एक चुनौती यह है कि चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। डाइरेक्ट टैक्स सरकार का खजाना भरने में अहम भूमिका निभा रहे थे लेकिन कारपोरेट टैक्स में कटौती के एलान के बाद धन जुटाना मुश्किल होगा। दरअसल सरकार ने पांच जुलाई 2019 को जब आम बजट पेश किया था तो उसने चालू कीमतों पर जीडीपी में 12 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद जताते हुए 7.03 लाख करोड़ राजकोषीय घाटे का आंकड़ा तय किया था। सरकार को उम्मीद है कि चालू कीमतों पर जीडीपी में 12 प्रतिशत वृद्धि होती है तो वित्त वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 211 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। इस आधार पर जीडीपी के अनुपात के रूप में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 3.4 प्रतिशत रखा गया। हालांकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में चालू कीमतों पर जीडीपी की महीनों में सरकार अगर खर्च में कटौती नहीं करती है तो राजकोषीय घाटा चार प्रतिशत हो सकता है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान तैयार करते वक़्त कुछ मंत्रालयों के खर्च की समीक्षा होगी और

इनको भी इनायत की दरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : उद्योगों को कॉरपोरेट टैक्स घटाकर सरकार ने सुस्त अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ी राहत दी है। शेयर बाजार में रिकॉर्ड उछाल के साथ रुपये की कीमत में बढ़ोतरी से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इससे पहले सरकार ने बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए पैकेज का एलान किया था। जबकि आरबीआई भी ब्याज दरों में राहत दे चुका है। अब इतनी चाहत है कि कॉरपोरेट क्षेत्र में प्रशासनिक स्वायत्ता के लिए सरकार को श्रम और न्यायिक सुधारों को भी तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए।

औद्योगिक संगठनों तथा कॉरपोरेट क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसानों की आमदनी बढ़ने से बाजारों में मांग पैदा होती है। इसलिए सरकार को कृषि और किसानों के लिए भी कोई न कोई पैकेज घोषित करना चाहिए।

क्योंकि इस वर्ष पूरे देश में भारी बारिश के कारण कृषि उत्पादन के साथ किसानों की आमदनी पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। इसलिए सरकार को इस क्षेत्र के लिए तत्काल कोई राहत पैकेज लाना चाहिए। यद्यपि इस बार के बजट में कृषि व किसानों के लिए मेग बजट का एलान किया गया है। किसानों के खाते में 6,000 रुपये की रकम पहुंचाने

जगी उम्मीद

- कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ाने व श्रम, न्यायिक सुधारों में तेजी लाने की जरूरत
- सरकार के कदमों से गदगद उद्योग जगत की वस थोड़ी चाहत और

का महत्वपूर्ण कदम भी उठाया गया है। परंतु इनका असर दिखने में वक़्त लगेगा। दूसरा प्रमुख क्षेत्र इन्फ्रास्ट्रक्चर का मानना है। इससे निजी क्षेत्र की देशी-विदेशी कंपनियों तथा वित्तीय संस्थाओं का आकर्षण बढेगा और वो इन क्षेत्रों में निवेश व कर्ज के लिए आगे आएंगी। उद्योग संगठनों का मानना है कि कृषि क्षेत्र को श्रम तथा न्यायिक क्षेत्र के सुधारों में अब देरी नहीं करनी चाहिए। हाल में दो श्रम संहिताओं को मंजूरी देकर और एक का कानून पारित करकर सरकार ने इस दिशा में आगे बढ़ने का संकेत भी दिया है। लेकिन जब तक फैक्ट्रीज एक्ट और औद्योगिक विवाद जैसे कानूनों को व्यावहारिक व सरल नहीं बनाया जाता, तब तक उद्योगों को प्रोत्साहन मिलना संभव नहीं है।

सीएसआर खर्च का दायरा बढ़ा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सरकार ने कंपनियों की तरफ से कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पर मुनाफे के दो परसेंट राशि खर्च करने के दायरे का विस्तार कर दिया है। अब कंपनियां इस राशि का इस्तेमाल केंद्र व राज्य सरकारों की तरफ से शुरू किए गए इनक्यूबेटर के साथ साथ विश्वविद्यालयों, आईआईटी समेत अन्य संस्थाओं में भी कर सकेंगी।

गोवा में शुक्रवार को इकोनॉमी का बूस्टर पैकेज घोषित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस प्रावधान का भी एलान किया। इसके तहत अब कंपनियां अपने सीएसआर फंड का योगदान राष्ट्रीय लेबोरेट्रीज, सरकारी खर्च पर चल रहे विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद, परमाणु विभाग, डीआरडीओ, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से सम्बद्ध लेबोरेट्रीज में भी इस राशि का इस्तेमाल हो सकेगा।

जानकार मान रहे हैं कि कंपनियां इन संस्थाओं



में सीएसआर राशि का योगदान करेंगी तो सरकार पर खर्च का दबाव कम होगा। कंपनियों को दी जाने वाली टैक्स राहत से सरकार को करीब 1.45 लाख करोड़ का पैकेज घोषित कर नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में उसका राजस्व संग्रह प्रभावित होगा। इन परिस्थितियों में सरकार को विकास कार्य प्रभावित न हो, इसमें कंपनियों के सीएसआर फंड से काफी मदद होगी। प्रत्येक कंपनी को अपने पिछले तीन वर्ष के मुनाफे का दो परसेंट सामाजिक दायित्व कार्यों पर व्यय करना अनिवार्य है।

पहल बीते एक माह में कई बड़े कदमों की हुई है घोषणा, निर्यातकों के लिए जीएसटी रिफंड सुनिश्चित करने का हो चुका है एलान

इकोनॉमी की रफ्तार बढ़ाने को कदम उठा रही सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : इकोनॉमी को रफ्तार देने के लिए सरकार ने बीते 22 अगस्त को जी सिलसिला शुरू किया था वह शुक्रवार को भी जारी रहा। शुक्रवार के एलान से पूर्व अब तक सरकार बजट में एफपीआई पर बढ़े हुए सरचार्ज को वापस लेने से लेकर ऑटोमोबाइल उद्योगों के लिए राहत और बैंकों के विलय के साथ-साथ हाउसिंग सेक्टर के लिए 70 हजार करोड़ रुपये के पैकेज का एलान कर चुकी है। शुक्रवार को कॉरपोरेट सेक्टर के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपये का पैकेज घोषित कर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि इकोनॉमी की रफ्तार के लिए वह प्रत्येक मुमकिन कदम उठाने को तैयार है।

सरकार ने सुस्त हो रही इकोनॉमी में जान फूंकने का पहला कदम 22 अगस्त को उठाया, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विदेशी संस्थागत निवेशकों पर बजट में बढ़े हुए

एफपीआई पर बढ़ा सरचार्ज वापस लेने से पिछले महीने हुई सुधारों की शुरुआत

रियल एस्टेट और बैंकिंग सेक्टर को भी पिछले एक पखवाड़े में मिला है सुधार का डोज



सरचार्ज को वापस लेने की बात कही। साथ ही वित्त मंत्री ने ऑटो सेक्टर को राहत देने के लिए सरकारी विभागों पर से पेट्रोल और डीजल-गाड़ियां खरीदने की रोक वापस ले ली। बीएसए 4 वाहन को लेकर जारी भ्रम पर स्पष्टीकरण दिया और निर्यातकों का बकाया जीएसटी रिफंड सुनिश्चित करने का एलान किया। इन घोषणाओं से विदेशी निवेशकों का भारतीय

बाजार में वापसी का रास्ता खुला, ऑटो उद्योग के लिए बीएसए-4 वाहनों की इन्वेंट्री से निकलने का रास्ता साफ हुआ और निर्यातकों के जीएसटी रिफंड मिलने की उम्मीद बढ़ी, जो उनकी वर्किंग कैपिटल का एक बड़ा हिस्सा होती है। इसके बाद वित्त मंत्री ने अगले ही सप्ताह दस बैंकों के विलय से चार बड़े बैंक बनाने का ऐतिहासिक एलान किया। यह कदम

बैंकों की क्षमता बढ़ाएगा और उनके एनपीए को नियंत्रित करेगा। बैंकों की मदद में उतरी सरकार इससे पहले बैंकों को 70000 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद उपलब्ध कराने का एलान कर चुकी थी। इसके बाद सरकार ने पिछले शनिवार को फिर इकोनॉमी के लिए 70 हजार करोड़ रुपये का एलान किया। इसके तहत अधूरी पड़ी हाउसिंग परियोजनाओं के लिए नया फंड बनाने का एलान हुआ और निर्यात प्रोत्साहन के लिए नई स्कीम शुरू करने की घोषणा हुई। इन दोनों ही घोषणाओं का लंबे समय से इंतजार हो रहा था। हाउसिंग सेक्टर के लिए नया फंड बनने से एनपीए सहित पूरे देश में लगभग 3.5 लाख फ्लैट खरीददारों को राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निर्यातकों के लिए नई स्कीम के साथ साथ अन्य घोषणाओं से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी होने में मदद मिलेगी जिससे निर्यात बढ़ेगा।

अर्थव्यवस्था को फिर से जीवित करने के लिए ताजा हवा की बहुत जरूरत थी। यह उपाय प्रणामश्री के नेतृत्व में सरकार के दृढ़ इरादे को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। सुनील भारती मित्तल, चेयरमैन, भारती इंटरप्राइजेज



अब भारत आसियान देशों की तरह एक आकर्षक निवेश स्थल हो गया है क्योंकि यहां भी कर की दरें उनके बराबर हो गई हैं। यह घरेलू अर्थव्यवस्था में निवेश चक्र की शुरुआत करेगा। यह विकास दर को बढ़ाएगा और रोजगार के ज्यादा अवसर भी प्रदान करेगा।

संदीप सोमानी, प्रेसिडेंट, फिक्की

कश्मीर पर पाक जितना नीचे गिरेगा भारत का कद उतना ऊपर उटेगा

यूएन में भारत ने कहा

हर देश के पास अपनी दिशा तय करने का मौका, हम ऊपर उठने का उदाहरण पेश करेंगे

न्यूयॉर्क, प्रे़ट्र : संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र दौरान कश्मीर मसले पर पाकिस्तान जितना नीचे गिरेगा, भारत का कद उतना ही ऊपर उड़ेगा। यह दावा करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने चेताया कि अतीत में आतंकवाद को सामान्य बताने की कोशिश करने वाला पाकिस्तान अब नफरत फैलाने वाले भाषण को भी मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर सकता है।

यूएनजीए के सत्र के दौरान पाकिस्तान द्वारा कश्मीर को लेकर जहर उगले जाने की संभावना पर सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि ‘जहरीली कलम’ ज्यादा समय तक काम करने वाली नहीं है। अकबरुद्दीन गुरवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस से संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने यूएनजीए सत्र में 27 सितंबर

जम्मू–कश्मीर पर फैसले ने पाक के नापाक मंसूबों में डाली बाधा : भारत

जिनेवा, एएनआइ : कश्मीर मसला उठाकर हर अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग करने के लिए भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तान की तीखी आलोचना की। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के जारी 42वें सत्र में भारत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के हॉलिया फैसले से सीमा पार से आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तान के नापाक मंसूबों में बाधा पहुंची है।

यूएनएचआरसी में भारतीय स्थायी मिशन में फर्स्ट सेक्रेटरी कुमम मिनी देवी ने कहा, ‘विभिन्न एजेंडे के तहत हमारे फैसले को गलत तरीके से पेश करने की पाकिस्तान की कोई भी कोशिश जम्मू-कश्मीर पर उसकी क्षेत्रीय महत्वकांक्षा नहीं छिपा सकती। पाकिस्तान की तीखी प्रतिक्रिया को समझा जा सकता है क्योंकि हमारा फैसला भारत के खिलाफ पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद में बाधा पहुंचा रहा है।’ उन्होंने कहा, ‘ग्लिंगित-बाल्टिस्तान

न्यूज़ गैलरी

ट्रंप से सोमवार को हो सकती है इमरान की मुलाकात

इस्लामाबाद : संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र में भाग लेने जा रहे पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की सोमवार को अमेरिका पहुंचने के कुछ घंटे बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात हो सकती है। महासभा के सत्र से इतर इमरान की ट्रंप के साथ दो बार बैठक होनी है। इमरान संयुक्त राष्ट्र महासभा को 27 सितंबर को संबोधित करेंगे। (आइएनएसएस)

फेसबुक मुख्यालय में कर्मचारी ने की खुदकशी

सैन फ्रांसिस्को : अमेरिका के कैलिफोर्निया में मेनलो पार्क स्थित फेसबुक मुख्यालय में गुरुवार को एक कर्मचारी ने खुदकशी कर ली। स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि चौथी मंजिल से एक कर्मचारी कूद गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारी को मृत पाया। पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला बताया है। (आइएनएसएस)

ताइवान ने किरिबाती से तोड़े राजनयिक संबंध

ताइपे : चीन के करीब जाने के कारण ताइवान ने दक्षिणी प्रशांत क्षेत्र के देश किरिबाती से राजनयिक रिश्ते तोड़ लिए हैं। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि किरिबाती में ताइवान के दूतावास को जट्टा ही बंद कर दिया जाएगा। इस निर्णय के पीछे उन्होंने किरिबाती को अपने पक्ष में लुभाने की चीन की कोशिशों का हवाला दिया। (रायटर)

सुनाई दास्तां

गुलालाई इस्माइल ने सैनिकों पर लगाया है महिलाओं के यौन शोषण का आरोप, देशद्रोह के आरोप लगने पर वह श्रीलंका के रास्ते अमेरिका पहुंची हैं

‘हेट स्पीच’ को मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर सकता है पाक



सैयद अकबरुद्दीन ।

आपदा पर सभी देशों को साथ लाने का होगा प्रयास

अकबरुद्दीन ने कहा कि भारत आपदा के नजरिए से लचीला बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए विकसित और विकासशील देशों को साथ लाने की पूरी कोशिश करेगा, ताकि प्राकृतिक आपदाओं के समय देश खुद को बेहतर तरीके से दोबारा खड़ा सके ।

क्या है, हमारी तैयारी क्या है और कैसे हम अपने पिछले अनुभवों से बहुत अलग तरीके से काम कर रहे हैं। लेकिन कोई ऐसा हो सकता है जो ऐसे मुद्दे को उठाना चाहता है जो वह पहले भी उठा चुका है...आप यह पूछ रहे हैं कि अगर वे और तलख होते हैं, और जोरदार तरीके से इस मुद्दे को उठा रहे हैं तो आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी।

उन्होंने आगे कहा, ‘आप जो खुदसे कह रहे हैं, वह इससे कहीं अधिक होगा, खासकर एक देश की तरफ से तो बहुत अधिक होगा। यदि बताया कि इस मामले को लेकर हमारा दृष्टिकोण

कश्मीर मुद्दे पर सूरीनाम का साथ भी मिला

नई दिल्ली, प्रे़ट्र : अनुच्छेद-370 की समाप्ति पर भारत के रूख को सूरीनाम का भी समर्थन मिला है। उपराष्ट्रपति माइकल अरविन अधिन ने कहा है कि उनका देश स्वाेद में विश्वास की जरूरत महसूस करता है, लेकिन अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को किसी भी कीमत पर बढ़ावा नहीं देगा। इसी के साथ उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में अनुच्छेद-370 के मुद्दे को उठाया जा सकता है और सूरीनाम को इसके

और पाकिस्तान के नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों में सरकार के खिलाफ आवाजों को खामोश करने के लिए जबरन गुमशुदगी, हत्या, हिरासत, नारामिक अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय राजनीति दलों के प्रतिनिधियों व पत्रकारों को हिरासत में यातनाएं देने और उनकी

लिए तैयार रहना होगा। गुरुवार रात यहां एक कार्यक्रम से इतर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की। अधिन ने कहा कि वह 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) और इंडियन-कैरिबियन कम्युनिटी एंड कर्मैन मार्केट में सूरीनाम की तरफ से प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि सूरीनाम इस मुद्दे को नहीं उठाएगा। हालांकि मुझे लगता है कि इस मुद्दे को उठाया जाएगा और इसके लिए हमें तैयार रहना होगा।

मौत सामान्य है।’ उन्होंने कहा कि मीडिया पर संसर्गशप के कारण एक कर्मचारी की जमीनी हकीकत सामने नहीं आ पाती। जो कार्यकर्ता या पत्रकार सरकार के खिलाफ गुलाम कश्मीर के लोगों के लिए आवाज उठाते हैं उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप से मिले फेसबुक सीईओ मार्क जुकरबर्ग



अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग से अपनी मुलाकात की यह तस्वीर ट्विटर पर साझा की है।

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिकी सरकार से अपने मतभेद दूर करने के लिए दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। तीन दिन के लिए वाशिंगटन पहुंचे जुकरबर्ग कई अन्य अमेरिकी सांसदों से भी मिल रहे हैं। इन बैठकों में उन्हें यूजर की निजता सुरक्षित रख पाने में निफल रखने के लिए कड़े सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप ने गुरुवार को जुकरबर्ग के साथ अपनी तस्वीर ट्विटर पर साझा की और मुलाकात को बढ़िया बताया। फेसबुक ने भी ह्वाइट हाउस में हुई बैठक को रचनात्मक बताया है। दोनों पक्षों ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि इस बैठक में किन मुख्य मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रंप के अलावा जुकरबर्ग ने सीनेटर जोश हॉवली, टॉम कॉर्टन और माइकली से भी मुलाकात की। इससे पहले

बुधवार को उन्होंने सीनेटर रिचर्ड ब्लूमिंग्थल समेत कई सांसदों के साथ डिनर किया था। अब वह रिपब्लिकन नेता केविन मैककार्थी और कई डेमोक्रेट नेताओं से मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि ट्रंप कई बार फेसबुक पर विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके नेताओं का ग्था लेने का आरोप लगा चुके हैं। सोशल मीडिया कंपनी निजता हान और चुनाव में दखलंदाजी के आरोपों का भी सामना कर रही है।

सीनेटर ने दिया इंस्टाग्राम और वाट्सएप बेचने का सुझाव : जुकरबर्ग के साथ बैठक में सीनेटर जोश हॉवली ने ‘उन्हें फोटो शेयरिंग साइट इंस्टाग्राम और मैसेजिंग एप वाट्सएप को बेचने का सुझाव दिया। बैठक के बाद हॉवली ने कहा, ‘मैंने जुकरबर्ग से कहा कि यदि वह यूजर्स के डाटा को सुरक्षित रखने के अपने दावों को लेकर गंभीर है तो उसे साबित करें।’

कहूंगा कि यह हर देश पर निर्भर करता है कि वह वैश्विक मंच पर किस रूप में पहुंचना चाहता है। कुछ ऐसे होंगे जो अपना स्तर गिराएंगे। उनके प्रति हमारी प्रतिक्रिया होगी कि हम और ऊंचा उठेंगे। वह नीचे गिरेंगे लेकिन हमारा स्तर तो ऊपर उठेगा।’ अकबरुद्दीन ने कहा, ‘वे जो करना चाहते हैं, वह उनकी इच्छा है। हमने उन्हें अतीत में आतंकवाद को मुख्यधारा में लाने की कोशिश करते हुए देखा है, और अब वे नफरत फैलाने वाले भाषण को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं। वे ऐसा करना चाहते हैं तो यह उनकी मर्जी है। वह जो जहर उगल रहे हैं, यह बहुत लंबे समय तक काम नहीं करने वाला है।’

पीएम के संबोधन की खाल बातें बताईं: अकबरुद्दीन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की खास बातें और प्राथमिकताओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सत्र के दौरान बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मसलों पर अभूतपूर्व तरीके से भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखेंगे।

महासभा में चर्चा के दौरान कश्मीर मुद्दा उठा सकते हैं यूएन प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र, प्रे़ट्र : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस उच्चस्तरीय यूएन महासभा सत्र में चर्चा के दौरान कश्मीर और घाटी में मानवाधिकार की स्थिति का मुद्दा उठा सकते हैं। महासभा का सत्र अगले सप्ताह शुरू होने जा रहा है। यूएन प्रमुख के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है। महासभा के प्रवक्ता स्टीवन दुजारिक ने दैनिक प्रेस वार्ता में गुरवार को कहा कि यूएन कम्युनिटी एंड कर्मैन मार्केट में सूरीनाम की तरफ से प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि सूरीनाम इस मुद्दे को नहीं उठाएगा। हालांकि मुझे लगता है कि इस मुद्दे को उठाया जाएगा और इसके लिए हमें तैयार रहना होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गुतेरस ने कहा था, ‘हमारी क्षमता बेहतर अधिकार से संबंधित है। बेहतर अधिकार केवल तभी लागू हो सकते हैं जब सभी पक्ष उसे स्वीकार करें। और दूसरी तरफ यह समर्थन से संबंधित है। समर्थन व्यक्त किया जा चुका है और उसे बनाए रखा जाएगा।’

अमेरिका ने की ईरान के खिलाफ सबसे कड़े प्रतिबंधों की घोषणा

वाशिंगटन, एर्जेसिया : अमेरिकी ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। इनका ईरान के आम लोगों के जीवन पर भी सीधा असर पड़ेगा। अमेरिका यात्रा पर पहुंचे आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मोरिसन और उनकी पत्नी का स्वागत करने के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ‘एक देश पर लगाए गए ये सबसे बड़े प्रतिबंध हैं।’ इन प्रतिबंधों के जरिये ईरान के सेंट्रल बैंक, द नेशनल डेवेलपमेंट फंड ऑफ ईरान और ईरान की एतेमाद तेजाराते पार्स कंपनी को निशाना बनाया गया है।

एतेमाद तेजाराते पार्स कंपनी के बारे में अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इसी कंपनी का आइड में ईरानी सैन्य खरीद के वित्तीय लेनदेन किए जाते हैं। ये प्रतिबंध सऊदी अरब की ऑयल फैसिलिटीज पर पिछले हफ्ते हुए हमलों के बाद लगाए गए हैं। सऊदी अरब और अमेरिका ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि ईरान ने हमलों में किसी भी तह की संलिप्तता से इन्कार किया है।

ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की संभावना के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका हमेशा तैयार है और सैन्य हमला हमेशा एक संभावना है। वहीं, अमेरिका के वित्त मंत्री स्टीवन म्यूनन ने कहा कि सऊदी अरब के खिलाफ ईरान का हमला असंभव है। उन्होंने कहा, ‘हम अधिकतम दबाव अभियान जारी रखे का सुझाव दिया। बैंक के बाद हॉवली ने कहा, ‘मैंने जुकरबर्ग से कहा कि यदि वह यूजर्स के डाटा को सुरक्षित रखने के अपने दावों को लेकर गंभीर है तो उसे साबित करें।’

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गांधी सोलर पार्क का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

न्यूयॉर्क, प्रे़ट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में गांधी सोलर पार्क का उद्घाटन करेंगे। यह सोलर पार्क भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र को तोहफा है। पीएम मोदी महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 24 सितंबर को यूएन मुख्यालय में होने वाले विशेष कार्यक्रम के दौरान सोलर पार्क के अलावा गांधी पीस गार्डन का भी उद्घाटन करेंगे।

इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से गांधीजी की 150वीं जयंती पर एक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने गुरुवार को यहां कहा, ‘यूएन हमेशा अक्षय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के बारे में बात करता है। यह छोटा प्रयास हमारी उस इच्छा का प्रतीक है कि

अमेरिका में ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम पर बारिश का साया

ह्यूस्टन, प्रे़ट्र : अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में रविवार को होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेगा ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम पर बारिश का साया पड़ता नजर आ रहा है। इमैल्खा तुफान के कारण ह्यूस्टन समेत टेक्सास प्रांत के कई हिस्सों में मूसलधार बारिश हुई। इससे ह्यूस्टन शहर ठहर सा गया है। भारी बारिश से दो लोगों की मौत हो गई। खराब हालात को देखते हुए टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने प्रांत की 13 काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी है। ‘हाउडी मोदी’ कार्यक्रम में अमेरिका में रहने वाले 50 हजार से ज्यादा भारतवंशियों के पहुंचने की उम्मीद है। इसमें पीपुम मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मंच साझा करेंगे। मोदी 22 से 27 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे।

प्रदर्शन की फिराक में पाक पोषित समूह : एएनआइ की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक और जट्टा ह्यूस्टन में नरेंद्र मोदी के मेगा शो के लिए तैयारियों चरम पर हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान पोषित समूह शहर में भारत विरोधी प्रदर्शन की फिराक में जुट गए हैं। बताया गया कि पीएम मोदी व इस कार्यक्रम में भाग ले रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन के लिए ह्यूस्टन की मस्जिदों व इस्लामिक सेंटर से लोगों को भड़काया जा रहा है।

टिव्टर ने छह देशों में बंद किए 10 हजार से ज्यादा अकाउंट

नई दिल्ली, आइएनएस : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिव्टर ने छह देशों में 10 हजार से ज्यादा क्रेड न्यूज अकाउंट बंद कर दिए हैं। गलत जानकारियां देने और प्रचार करने के लिए इन अकाउंट्स का दुरुपयोग किया जा रहा था। इनमें सऊद अल खतानी का टिव्टर अकाउंट भी शामिल है। खतानी को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान का विश्वस्त माना जाता है। एक साल पहले वाशिंगटन पोर्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में संदिग्ध भूमिका के लिए उन्हें सलाहकार पद से हटा दिया गया था।

टिव्टर ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मिन्न के 273 अकाउंट्स के नेटवर्क को बंद कर दिया गया है। ये अकाउंट्स अपने लक्ष्यों और कारगुजारियों के जरिये आपस में जुड़े हुए थे। इनके जरिये कूतर और ईरान जैसे देशों को निशाना बनाया जा रहा था। साथ ही इनके जरिये सऊदी सरकार के समर्थन में संदेशों का प्रसार किया जा रहा था। टिव्टर को इस बात के भी साक्ष्य मिले थे कि इन अकाउंट्स को यूएई और मिन्न से संचालित हो रही एक निजी टेक्नोलॉजी कंपनी ‘डॉटदेव’ ने बनाया था और वह ही इन्हें संचालित कर रही थी।

टिव्टर ने ‘डॉटदेव’ और उससे जुड़े सभी अकाउंट्स को स्थायी रूप से निर्लंबित कर दिया है। इनके अलावा कंपनी ने सिर्फ यूएई से संचालित हो रहे 4,248 अकाउंट्स के एक अलग ग्रुप को भी निर्लंबित कर दिया है, इनका निशाना कूतर और यमन थे। इन अकाउंट्स पर

► **यूएन को भारत का तोहफा है यह सोलर पार्क**

► **महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर जारी होगा डाक टिकट**

गांधी को समर्पित गार्डन
गांधी पीस गार्डन अनूदी पहल है। इसे न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास, एनजीओ शांति फंड और स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क ने मिलकर तैयार किया है। गांधी के विचारों को समर्पित यह गार्डन विविध के 600 एकड़ परिसर में स्थित है।

हम जलवायु परिवर्तन पर बातचीत से आगे जाने को तैयार हैं।’

सोलर पार्क पर सात करोड़ खर्च: गांधी

और मजबूत होंगे भारत और अमेरिका के संबंध : मोदी

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हफ्ते भर की यात्रा पर अमेरिका खाना होने से पहले विश्वास व्यक्त किया कि उनके दौर से भारत और अमेरिका के संबंधों में और प्रगाढ़ता आएगी। उनका यह दौर भारत के लिए कई अहम अवसरों के दरवाजे खोलगा और उसकी एक वैश्विक नेता की छवि बनेगी।

प्रधानमंत्री मोदी 21 से 27 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे, जहां वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र को संबोधित करने के साथ ही अन्य कई बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मुद्दों से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री ने खाना होने से पहले जारी अपने बयान में कहा है कि भारत और अमेरिका एक साथ काम कर विश्व को और अधिक शांतिपूर्ण, स्थिर, सुस्थित, सतत और समृद्ध बनाने में अहम योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने अपने कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी। पीएम ने बताया कि वह वहां कई महत्वपूर्ण बहुपक्षीय आयोजनों में शामिल होंगे और वहां बसे भारतीय समुदाय के साथ-साथ कई कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे। इनमें एनजी सेक्टर के टॉप सीईओज भी शामिल हैं। दुनिया के कई नेताओं से मिलने का भी उन्हें अवसर मिलेगा। पीएम ने बताया कि ह्यूस्टन में 22 सितंबर को

सोलर पार्क पर दस लाख डॉलर (करीब सात करोड़ रुपये) की लागत आई है। इसके तहत यूएन मुख्यालय की छत पर सोलर पैनल लगाए गए हैं। अकबरुद्दीन ने कहा, यह पहला प्रयास है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 देशों को दर्शाने की कोशिश की गई है। प्रत्येक देश को दर्शाने के लिए 193 पैनल लगाए गए हैं। हम न सिर्फ सोलर पैनल बल्कि समानता में भी यकीन करते हैं।

50 कैंडी बिजली पैदा करने की क्षमता: अकबरुद्दीन ने बताया कि सोलर पार्क से जितनी बिजली का उत्पादन किया जाएगा, उतनी बिजली पैदा करने में करीब 30 हजार किलोवाट कोयले की जरूरत पड़ती है। ये सोलर पैनल अधिकतम 50 केवी बिजली पैदा कर सकते हैं।

अमेरिका खाना होने से पहले बोले पीएम, उनका दौरा भारत के लिए कई अहम अवसरों के दरवाजे खोलेगा



नरेंद्र मोदी ।

गेट्स फाउंडेशन का आभार जताया
प्रधानमंत्री ने अपने टीवीट में उन्हें ग्लोबल गोटलीपर्स गोल्स अवॉर्ड 2019 पुरस्कार से नवाजे जाने के लिए मेलिंडा और गेट्स फाउंडेशन का शुक्रिया अदा किया।

स्थानीय समयानुसार सुबह सवा दस बजे एक बड़ा सासुदायिक कार्यक्रम होगा। हमें गौरव है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी मौजूदगी से इस कार्यक्रम की शान बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि हाउडी मोदी नामक यह कार्यक्रम भारत-अमेरिका रिश्तों में एक नई मौल की पथर साबित होगा।

चीन ने हथियारों की तस्करी के शक में पकड़ा अमेरिकी पायलट



टॉड होहन की फाइल फोटो ।

बीजिंग, रायटर : चीन के दक्षिणी शहर ग्वांग्झू में पिछले सप्ताह एक अमेरिकी पायलट की हथियारों की तस्करी के आरोप में हिरासत में ले लिया गया था। यह पायलट अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कूरियर कंपनी फेडेक्स के लिए काम करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पायलट को अब जमानत पर छोड़ दिया गया है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, हिरासत में लिया गए पायलट की पहचान टॉड होहन के रूप में की गई है। वह अमेरिकी वायुसेना के पायलट भी रह चुके हैं। उन्हें गण 12 सितंबर को ग्वांग्झू एयरपोर्ट पर उस समय पकड़ा गया, जब वह होङकांग जाने की तैयारी कर रहे थे। कस्टम अधिकारियों को उनके लगेज में रखे बॉक्स से एयर गन की 681 गोलियां मिली थीं। जांच पूरी होने तक पायलट को चीन से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। चीनी प्रवक्ता ने बताया कि पायलट को पकड़े जाने के बाद अमेरिकी दूतावास को जानकारी दे दी गई थी। जबकि फेडेक्स ने कहा, ‘हम मामले को समझने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।’

नेतन्याहू और कमजोर हुए सत्ता में बने रहने पर सवाल

यरुशलम, रायटर : इजरायल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्ता में बने रहने की लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। 1120 सदस्यों वाली संसद में उनकी दक्षिणपंथी लिक्वुड पार्टी की सिर्फ 31 सीटें हासिल हुई हैं। जबकि विपक्षी मध्यमार्गी बन्क्यू एंड व्हाइट पार्टी को 33 सीटें मिली हैं। पार्टी नेता और पूर्व सेना प्रमुख बेनी गेंट्ज प्रधानमंत्री पद के बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। नई सरकार के गठन के सिलसिले में राष्ट्रपति रविवार से नेताओं से बातचीत शुरू करेंगे।

इजरायल में किसी भी पार्टी को बहुमत न मिलने की स्थिति में पांच महीने में दूसरी बार चुनाव हुए हैं। लेकिन ताजा परिणामों ने सरकार गठन का रस्ता और उलझा दिया है। सत्तारूढ़ लिक्वुड पार्टी की सीटों की संख्या 34 से घटकर 31 हो गई है। अब नेतन्याहू का सत्ता में बने रहना संभव जाना पड़ रहा है। हालांकि वह हाल के महीनों में नया इतिहास रचकर इजरायल के सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड घोषित कर दिया गया। सरकार ने उनके देश से बाहर जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया था।

मई में घोषित की गई थीं भगोड़ा : गत जनवरी में इस्माइल ने सोशल मीडिया में पाकिस्तानी सैनिकों पर महिलाओं के यौन शोषण का आरोप लगाया था। इसके बाद गत मई में उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया गया। सरकार ने उनके देश से बाहर जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया था।



वाशिंगटन में मीडिया के सवालों का जवाब देती पाकिस्तान की महिला मानवाधिकार कार्यकर्ता गुलालाई इस्माइल ।

खोलना जान जोखिम डालने से कम नहीं होता। लेकिन इस्माइल ने इसकी परवाह किए बगैर महिला अधिकारों के लिए पूरे जोश के साथ अभियान चलाया। उन्होंने सुखा बलों के हाथों दुर्कर्म और महिलाओं के लापता होने की घटनाओं को उठाया।

देशद्रोह का लगाया गया झूठ आरोप: पाकिस्तान के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस्माइल को देशद्रोह समेत कई फर्जी मामलों में फंसाया गया है। उन्हें निशाना बनाए जाने का कारण यह है कि वह सेना की बर्बरता को उजागर कर रही थीं।

कुश्ती ▶ विश्व चैंपियनशिप में तीन पदक जीतने वाले इकलौते भारतीय पहलवान बने खेल रत्न पूनिया

बजरंग और रवि दहिया ने कांस्य पदक जीते

विश्व चैंपियनशिप में आठ साल बाद वापसी करने वाले सुशील पहले मुकाबले में ही हारे

नूर-सुल्तान (कजाखिस्तान), प्रेट : भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया और रवि कुमार दहिया ने शुक्रवार को यहां विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। पूनिया ने 65 किग्रा भारवर्ग में मंगोलिया के तुल्गा तुमुर् ओचिर को 8-7 से हराकर पदक अपने नाम किया। वहीं, विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करने वाले रवि ने 57 किग्रा भारवर्ग में ईरान के रेजा अत्रिनाघारची को 6-3 से शिकस्त देकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

एक समय बजरंग 2-6 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। खेल रत्न बजरंग का इस चैंपियनशिप में यह तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में 2013 में कांस्य और 2018 में रजत पदक जीता था। इस चैंपियनशिप में वह तीन पदक जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान हैं।

खेल मंत्री किरन रिजजु और बजरंग को टैग करते हुए साईं ने टवीट किया, ‘बजरंग ने कांस्य जीता। टॉप्स के हमारे पहलवान बजरंग ने 65 किग्रा में तुल्गा तुमुर् ओचिर से 2-6 से पिछड़ने के बाद 8-7 से जीत दर्ज कर कांस्य जीता। यह उनका तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है। वह पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।’

गौरव गिल को चुनौती दंगे डीन मैस्केरेनहस

अरुण सिंह, जोधपुर : शनिवार से यहां होने वाली याच क्लब एफएमएससीआइ इंडियन नेशनल रैली चैंपियनशिप (आइएनआरसी) के तीसरे चरण में गौरव गिल एक बार फिर खिताब के लिए दावेदारी पेश करेंगे।

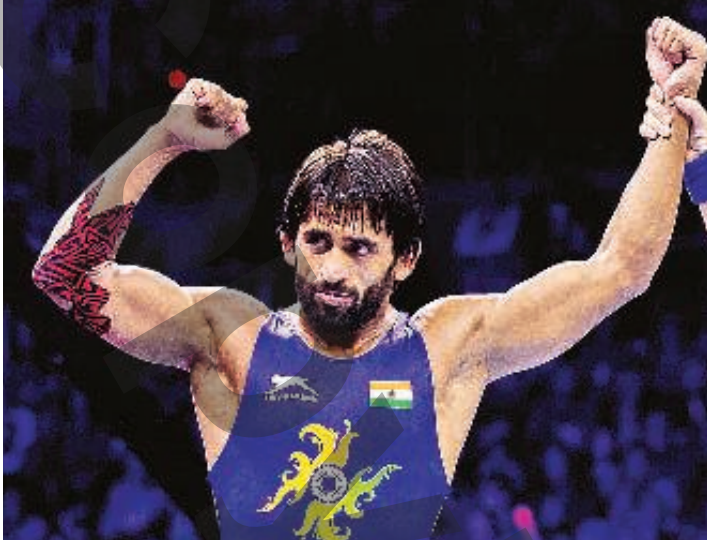
जोधपुर में इस रैली को मैक्सपीरिएंस नाम दिया गया है। यहां गौरव को चेन्ई में हुए राउंड-1 में विजेता बने डीन मैस्केरेनहस से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। मफिद्रा एडवेंचर टीम के गिल ने वर्ल्ड रैली चैंपियनशिप के डब्ल्यूआरसी-2 श्रेणी में तकनीकी खराबी के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया था और इसी कारण उनका मनोबल ऊंचा है। साथ ही गिल तकनीकी खराबी के कारण कोयंबटूर में हुए राउंड-2 में पौडियम फिनिश करने चूक गए थे, जिसकी भरपाई वह जोधपुर में करना चाहेंगे। कोयंबटूर में शुरुआत में अपने साथी चालक मूसा शरीफ के साथ गिल अजेय नजर आए थे।

एशियन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे साथियान

योंगयाकार्ता (इंडोनेशिया), आइएनएस - जी. साथियान शुक्रवार को यहां जारी एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पुरुषों के सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। साथियान ने 24वें आइटीटीएफ–एटीटीयू एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उत्तर कोरिया के अन-जी सोंग को मात देकर यह कीर्तिमान स्थापित किया।

अनुभव और परिपक्वता से टोकथो ओलंपिक में पदक जीता जा सकता है।

- अपूर्वी चंदेला, भारतीय निशानेबाज



जीत के बाद खुशी मनाते बजरंग पूनिया।

प्रेट

वहीं, रवि विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भी पदक जीत चुके हैं। रवि की जीत के साथ भारत के अब मौजूदा चैंपियनशिप में तीन पदक हो गए हैं। साथ ही भारत ने तीन ओलंपिक कोटा भी हासिल कर लिए हैं। रवि की जीत के बाद साईं ने उन्हें भी टवीट कर बधाई दी।

बजरंग के मामले में डब्ल्यूएफआइ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू को लिखा पत्र

नई दिल्ली : विश्व चैंपियनशिप में बजरंग

ने भले ही कांस्य पदक जीत लिया हो लेकिन सेमीफाइनल में मेजबान कजाखिस्तान के पहलवान दौलात नियाजबेकोव से मिली निवादास्पद हार के लिए भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआइ) ने युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) को पत्र लिखा है। डब्ल्यूएफआइ के सूत्र ने बताया कि हमने सिर्फ मुकाबले की समीक्षा करने के लिए एक अनुरोध भेजा और जवाब में आधिकारिक कमीशन के

अध्यक्ष ने महसूस किया कि कुछ फैसले गलत थे और आपवासन दिया कि भारतीय मुकाबलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बजरंग ने गुरुवार को कोरिया के जोंग चोइ सोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 8-1 से आसान जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इसके बाद दुनिया के इस नंबर एक पहलवान का नियाजबेकोव के खिलाफ मुकाबला 9-9 से बराबरी पर खत्म हुआ था, जिसके बाद

अंपायरों ने नियाजबेकोव को विजेता घोषित कर दिया था। इस फैसले की 2012 ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने भी आलोचना की है। योगेश्वर ने ट्विटर पर लिखा, ‘बजरंग और नियाज का सेमीफाइनल मैच देखकर कोई भी सही या गलत का फर्क बता सकता है। फिर वहां बैठे अंपायर को यह क्यों नहीं दिखा? इतने बड़े टूर्नामेंट में इतनी बड़ी लापरवाही?

दक्षिण अफ्रीका–ए के खिलाफ ड्रॉ मैच में पांचाल का शतक

मैसुरु, प्रेट : सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने दक्षिण अफ्रीका–ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के चौथे दिन शुक्रवार को शतकीय पारी खेली जिससे भारत–ए ने मुकाबले को ड्रा पर समाप्त किया। दो मैचों की इस सीरीज के पहले मैच को भारत–ए ने जीता था जिससे सीरीज 1-0 से भारत के पक्ष में रहा।

गुजरात के बल्लेबाज पांचाल ने 192 गेंद की पारी में नौ चौके और चार छक्कों की मदद से 109 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम ने 70 ओवर में तीन विकेट पर 202 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। पांचाल ने इस दौरान दो बड़ी साझेदारियां की। उन्होंने सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन (37) के साथ 94 रन की साझेदारी की और फिर तीसरे विकेट के लिए करुण नायर (नाबाद 51) के साथ 92 रन जोड़े। बायें हाथ के गेंदबाज सेनुरान मुथुस्वामी ने अपनी गेंद पर कैच लेकर पांचाल की पारी का



विजेता टूर्णों के साथ भारतीय–ए टीम।

ट्विटर

अंत किया। मुथुस्वामी दो अक्टूबर से भारत के खिलाफ खेले जाने वाले तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम का हिस्सा है। इसके बाद मैच का नतीजा निकलने की संभावना नहीं दिख रही थी और मुकाबले को ड्रा कर दिया गया। घरेलू क्रिकेट में पिछले कुछ सत्र में रनों

का अंबार लगाने वाले पांचाल ने कुछ शानदार शॉट लगाने के साथ चार छक्के भी जड़े। पहली पारी में 78 रन बनाने वाले नायर भी पूरी लय में दिखे। पहली पारी में 92 रन बनाने वाले गिल ने दूसरी पारी में स्कोरर की ज्यादा परेशान नहीं किया। वह केवल तीन गेंद ही खेल पाए और

डेन पीट की गेंद पर मुथुस्वामी ने उनका कैच लपका। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 417 रन बनाए थे जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 400 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीकी पारी में 161 रन बनाने वाले एड्रेन मार्करैस मैन ऑफ द मैच चुने गए।

विविध

क्लाइमेट इमरजेंसी घोषित करने की उठी आवाज

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) की बढ़ती समस्या को देखते हुए ब्रिटेन, फ्रांस सहित दुनिया के कई देशों ने जहां अपने यहां क्लाइमेट इमरजेंसी घोषित कर दी है, वहीं भारत में भी इसे लेकर मांग तेज हो गई है। क्लाइमेट इमरजेंसी में पर्यावरण सुधार के लिए कड़े नियम लागू किए जाते हैं। ईपीसीए (एनवायरमेंट पॉल्यूशन प्रिवेंशन एंड कंट्रोल) के अध्यक्ष भूपे लाल ने भी इस मांग की समर्थन किया है। कहा है कि भारत में बिल्कुल ऐसे हालात है। जो दिख भी रहा है। देश का आधा हिस्सा जहां सूखा है, जबकि आधा हिस्सा बाढ़ की चपेट में है।

कैपिटल फाउंडेशन सोसाइटी और कार्डसिल फॉर ग्रीन रिवोल्यूशन (सीजीआर) की ओर से शुक्रवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के पूर्व अध्यक्ष जस्टिस स्वतंत्र कुमार ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से सभी प्रभावित है। बावजूद इसके हम सख्त कदम उठाने से बच रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि इससे निपटने के लिए हमारे पास कानून नहीं है। संसद से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इससे निपटने के लिए पर्याप्त कानून है, लेकिन कानून कुछ नहीं कर सकता है, जब तक कि उसे सख्ती से लागू नहीं किया जाए। हालांकि इसके साथ ही सभी विशेषज्ञों ने एक सुर में कहा कि हालात खराब हैं, पर अभी भी समय है। हम इससे बच सकते

मेरठ में प्रोफेसर की हत्या के दो आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मेरठ में सुभारती मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर संजय गौतम की हत्या में शामिल दो बदमाशों को दिल्ली के जहांगीपुरी से पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मेरठ के पश्चा गांव निवासी विनीत और तिमाकिया गांव निवासी सागर के रूप में हुई है। दोनों ने साक्षियों के साथ मिलकर 14 सितंबर को प्रो. संजय के सिर में ईंट और हेलमेट से वार किया था। विनीत हत्या के एक मामले में पहले भी शामिल रहा है। दोनों आरोपितों पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

▶ **विशेषज्ञ बोले, रहन–सहन में बदलाव कर बचा जा सकता है**



जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर शुक्रवार को विषव्यापी प्रदर्शन के दौरान ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों और लोगों ने आवाज उठाई।

एपी

है, लेकिन इसके लिए हमें अपने रहन-सहन के तौर-तरिकों में बदलाव लाना होगा। इसे पर्यावरण फ्रेंडली बनाना होगा। इस दौरान जल संकट पर भी चिंता जताई गई। साथ ही लोगों से इसके संरक्षण पर जोर देने को कहा।

दुनिया के जिन प्रमुख देशों ने अपने यहां क्लाइमेट इमरजेंसी घोषित कर दी है, उनमें

▶ **दुनिया के दर्जन भर देश घोषित कर चुके है क्लाइमेट इमरजेंसी**

ब्रिटेन सबसे आगे है। जिसने एक मई, 2019 को ही इसकी घोषणा कर दी। इसके बाद फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रिया, अर्जेंटीना, रिपब्लिक ऑफ भी चिंता जताई गई। साथ ही लोगों से इसके संरक्षण पर जोर देने को कहा। दुनिया के जिन प्रमुख देशों ने अपने यहां क्लाइमेट इमरजेंसी घोषित कर दी है, उनमें

मणिपुर के रहने वाले छात्र प्रवीश चनम की संदिग्ध हालत में हुई मौत की जांच सीबीआई ने तेज कर दी है। सीबीआई ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव कृष्ण को पत्र लिखकर छात्र की मौत मामले में अब तक हुई जांच की पूरी रिपोर्ट मांगी है। एएमएसपी ने कोतवाली सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक को सीबीआई को आवश्यक रिपोर्ट को शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। पुलिस का कहना है कि दो-तीन दिन में पूरी रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

लखनऊ से गुरुवार को पहचान सीबीआई की सात सदस्यीय टीम कोतवाली सेक्टर-20 पहुंची थी। कोतवाली पुलिस ने टीम को एक गेट हाउस में रहने का बंदोबस्त किया है। यहां

पर्यावरण सुरक्षा को सड़कों पर आए छत्र

सिडनी, एएफपी : पर्यावरण सुधार को मांग को लेकर शुक्रवार को एशिया और प्रशांत क्षेत्र के छात्र-छात्रा सड़कों पर आए। दुनिया के इस सबसे बड़े प्रदर्शन में छात्रों ने बड़े लोगों से मांग की कि वे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तौर-तरिके छोड़ें। धरती का तापमान बढ़ाने वाले कार्य बंद करें और प्रकृति से मिल रही चेतावनी को गंभीरता से लें। नई दिल्ली, मुंबई से लेकर फिलीपींस की राजधानी मनीला तक, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से लेकर दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल तक लाखों छोटे-बड़े छात्र-छात्रा हथों में अपनी मांग के कार्ड लेकर सड़कों पर आए। उन्होंने समवेत स्वर में पर्यावरण सुधार के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने की मांग की।

ऑस्ट्रेलिया में तीन लाख से ज्यादा छात्र सड़कों पर आए। आयोजकों के अनुसार पर्यावरण के लिए आवाज उठाने वालों की यह संख्या मार्च में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम से करीब दो गुनी थी। छात्रों ने राजनीति, उद्योग और कारोबार से जुड़े लोगों से धरती का तापमान बढ़ने से रोकने की मांग की। इस मौके पर युनवर्ग की 16 अनदेखी किए जाने पर नाखुशी जाहिर की।

कहा, उपायों के क्रियान्वयन और संचालन की जिम्मेदारी छात्र-छात्राओं पर डाली जाए। वीडियो मैसेंज में छात्रा ने कहा, प्रकृति हर कार्य का लेखा-जोखा रखती है और उसकी प्रतिक्रिया व्यक्त करती है। यह हर किसी को ध्यान में रखना चाहिए। कुछ ऐसी ही भावना बैंकों में छात्रा लिली स्लीतानासर्ग (12) ने व्यक्त की। उसने मॉल से प्लास्टिक बैग को पूरी तरह से हटाए जाने पर जोर दिया। उसने कहा, बड़े लोग प्लास्टिक बैग का उपयोग बंद किए जाने पर केवल बात करते हैं, करते कुछ नहीं। नतीजतन, पर्यावरण को ही हा नुकसान बढ़ता जा रहा है। मनीला में याना पालो (23) ने कहा, पर्यावरण में हो रहे बदलावों का असर समुद्री तूफानों और मौसम में तेजी से हो रहे बदलावों के रूप में सामने आ रहा है। इन तूफानों से पूरी दुनिया में तबाही हो रही है। लेकिन कोई उपाय अधिकारी से भी बात की है।

बता दें कि मणिपुर के इंफाल निवासी छात्र प्रवीश (22) अपने दोस्तों के साथ आठ सितंबर 2017 को ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक म्यूजिकल कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए थे। कार्यक्रम से ही वह लापता हो गए। अगले दिन कोतवाली सेक्टर-20 क्षेत्र स्थित निठारी के कार मार्केट के पास सड़क को पहचान कर मिला था। कई दिनों बाद शव की पहचान हुई थी। उस दौरान तत्कालीन एएमएसपी ललु कुमार ने निठारी चौकी प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मीयों को निर्लंबित कर दिया था।

पौने तीन करोड़ की लॉटरी का झांसा दे 1.06 करोड़ टगे

जागरण संवाददाता, सोनीपत

सोनीपत की एक महिला को पौने तीन करोड़ रुपये की लॉटरी निकलने का झांसा देकर 1.06 करोड़ रुपये टग लिए गए। आरोपितों ने खुद को कनाडा दूतावास और भारतीय रिजर्व बैंक का कर्मचारी बताकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपित 90 लाख रुपये नकद ले गए और 16.42 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में डलवाए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-15 में रहने वाली सरिता के मुताबिक 12 अगस्त को उनके मोबाइल नंबर पर मैसुज आया, जिसमें लिखा था कि उनकी पौने तीन करोड़ रुपये की लॉटरी लगी है। उसने इनामी राशि लेने के लिए कनाडा दूतावास के डॉ. हैरी नेल्सन से संपर्क करने को कहा गया। हैरी को मैनरेजर बताया गया था। 14 अगस्त को सरिता के पास मेल आई कि भारबीआइ में आपके नाम से अस्थायी खाता मनी ट्रांसफर के लिए खोला गया है। उसके बाद पैसे ट्रांसफर करने व पाउंड बदलने के नाम पर उनसे अलग-अलग बैंक खातों में 16 लाख 42 हजार 350 रुपये डलवाए गए। इनमें 23, 800 रुपये समर खाते के खाते में, 86,800 रुपये अनीता के खाते में, 4,86,750 व फिर 55000 रुपये हर्शद रावत के खाते में, 3,45 लाख रुपये धीरू मिश्रा के खाते में व पाउंड क्लॉनिंग चार्ज के नाम से डेढ़ लाख रुपये मनोज विश्वकर्मा के खाते में डलवाए गए।

महिला का आरोप है कि 22 अगस्त को पाउल क्लेमेंट नाम का युवक उनके पास

▶ **कनाडा दूतावास और भारबीआइ के कर्मचारी बनकर की ठगी**

मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपितों के मोबाइल नंबर व बैंक खातों की डिटेल खंगाली जा रही है। जल्द उनकी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

-जितेंद्र कुमार, डीएसपी मुख्यालय

आया। उसने खुद को यूएन ऑफिस दिल्ली का डिलोमेय बताया। वह दो सूटकेस में काला रंग लगे तीन लाख 35 पाउंड लेकर आया था। उसने कहा कि यह पाउंड करार में है। इनका कलर उतारना पड़ेगा। इसके लिए दो-दो हजार रुपये के नोट की आवश्यकता है। उन्होंने सभी पाउंड को साफ करने के लिए 90 लाख से एक करोड़ रुपये के दो-दो हजार रुपये के नोट का इंतजाम करने को कहा। उसने मौके पर दो नोट साफ करके भी दिए और बाकी के कलर लगे पाउंड उनके घर ही रख कर चला गया। उन्होंने पाउंड बाहर चेक कराए तो वह असली मिले। महिला के परिजनों ने राशि का इंतजाम कर उन्हें बताया। 16 सितंबर को पाउल क्लेमेट दो युवकों के साथ उनके घर आया। उसके साथ आए युवक नाइजीरियाई लग रहे थे। आरोपित उनके घर आए और उन्हें धोखा देते हुए 90 लाख रुपये लेकर चले गए। बाद में उन्होंने जांच की तो वे कागज के टुकड़े मिले। पुलिस ने डॉ. हैरी नेल्सन, अनीता शर्मा, राहुल सिन्हा, पाउल क्लेमेट, समर खान, हर्शद रावत, अनीता, धीरू मिश्रा व मनोज विश्वकर्मा को नामजद किया है।



